



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 50] नई दिल्ली, शनिवार, विसम्बर 13, 1975 (अग्रहायण 22, 1897)
No. 50] NEW DELHI, SATURDAY, DECEMBER 13, 1975 (AGRAHAYANA 22, 1897)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग III—खण्ड 1

PART III—SECTION 1

उच्च न्यायालयों, नियंत्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

(Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India)

मंत्रिमंडल सचिवालय

कार्मिक और प्रशासनिक सुधार विभाग

प्रवर्तन निदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 5 नवम्बर 1975

सं० ए-11/31/75—श्री एम० एच० खान निरीक्षक, आयकर, बम्बई को प्रवर्तन निदेशालय के बम्बई क्षेत्रीय कार्यालय में दिनांक 24-10-75 (अपराह्न) से अगले आदेशों तक के लिए प्रवर्तन अधिकारी के रूप में नियुक्त किया जाता है।

दिनांक 12 नवम्बर 1975

सं० ए-11/30/75—श्री टी० जी० काजी, निरीक्षक, आयकर विभाग, बड़ौदा (गुजरात) को प्रवर्तन निदेशालय के अहमदाबाद उप-क्षेत्रीय कार्यालय में दिनांक 25-10-75 (अपराह्न) से अगले आदेशों तक के लिए प्रवर्तन अधिकारी के रूप में नियुक्त किया जाता है।

नूपेन बक्सी,

उप-निदेशक (प्रशासन)

गृह मंत्रालय

महानिरीक्षक का कार्यालय

केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल

नई दिल्ली-110003, दिनांक 30 अक्टूबर 1975

सं० ई०-38013(3)/24/75-प्रशासन-I—नई दिल्ली को स्थानान्तरित होने पर, श्री आर० के० मूर्ति ने दिनांक 15 अक्टूबर 1975 के अपराह्न से दक्षिणी क्षेत्र, मद्रास, के सहायक कमांडेंट (कनिष्ठ प्रशासन अधिकारी) के पद का कार्यभार छोड़ दिया और उन्होंने 18 अक्टूबर 1975 के पूर्वाह्न से उत्तरी व पश्चिमी क्षेत्र के सहायक कमांडेंट (कनिष्ठ प्रशासन अधिकारी) पद का कार्यभार सम्भाल लिया। उनका मुख्यालय नई दिल्ली में होगा।

एल० एस० बिष्ट,
महानिरीक्षक

महानिदेशालय, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल

नई दिल्ली-110001, दिनांक 17 नवम्बर 1975

सं० ए० VI-20/73-स्थापना—राष्ट्रपति, कैप्टन मेहर सिंह (रिटायर्ड) को केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल में उप-पुलिस अधीक्षक

(कम्पनी कमांडर/क्वार्टर मास्टर) के पद पर अगले आदेश जारी होने तक पुनियुक्त करते हैं।

उन्होंने उप पुलिस अधिक्षक (कम्पनी कमांडर/क्वार्टरमास्टर) का कार्यभार ग्रुप सेन्टर, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल, रामपुर में 1-10-1975 के पूर्वाह्न से सम्भाला।

एन० एस० सक्सेना,
महानिदेशक, के० रि० पु० दल

वित्त मंत्रालय

(आर्थिक कार्य विभाग)

भारत प्रतिभूति मुद्रणालय

नासिक रोड, दिनांक 8 अक्टूबर 1975

सं० 1037/(ए)—श्री डी० पी० जांबोटकर, मुद्रांक पूर्ति अधिकारी को भंडार अधिकारी के पद पर तदर्थ रूप में दिनांक 6 अक्टूबर 1975 से 29 फरवरी 76 तक नियुक्त किया जाता है अथवा तब तक नियमित रूप से जब तक इसके पूर्व ही उक्त पद की पूर्ति न हो जाये।

दिनांक 6 नवम्बर 1975

सं० 1170/(ए)—मै० श्री के० एस० श्रीनिवासन लेखा अधिकारी, उप-संचालक डाक और तार विभाग त्रिवेन्द्रम कार्यालय को लेखाधिकारी के रूप में भारत प्रतिभूति मुद्रणालय, नासिक रोड में 6 नवम्बर 1975 के पूर्वाह्न से पहली ही बार तीन साल के लिए प्रतिनियुक्ति पर नियुक्त करता हूँ।

वि० ज० जोशी,
महाप्रबन्धक
भारत प्रतिभूति मुद्रणालय

बैंक नोट मुद्रणालय

देवास, दिनांक 14 नवम्बर 1975

फा० सं० बी० एन० पी०/सी०/63/75—श्री बी० बी० सेन, स्थानापन्न कार्यशाला अधीक्षक (मिलराइट), मध्य रेलवे कर्मशाला, प्ररेल को प्रतिनियुक्ति पर बैंक नोट मुद्रणालय, देवास में सहायक इंजीनियर (यांत्रिक) के पद पर दिनांक 12-11-75 (अपराह्न) से एक वर्ष के लिए नियुक्त किया जाता है।

डी० सी० मुखर्जी,
महा-प्रबन्धक

प्रतिभूति कागज कारखाना

होशंगाबाद, दिनांक 13 नवम्बर 1975

सं० पी० डी०-7/8609—इस कार्यालय की अधियुक्तता क्रमांक पी० डी० 7/1438/ 7046, दिनांक 22-9-75 के आगे श्री जाय पीटर फोरसेन को 24-10-75 से 2-11-1975 की और अग्रवि के लिए प्रतिभूति कागज कारखाना होशंगाबाद में सं० 840-40-1000-द० अ०-

40-1200 के वेतनमान में सहायक कार्य प्रबंधक के रूप में स्थानापन्न रूप से कार्य करने की अनुमति दी जाती है चूंकि श्री ए० के० प्रोप सहायक कार्य प्रबंधक छुट्टी पर है।

रा० विश्वनाथन,
महाप्रबन्धक

भारतीय लेखा परीक्षा तथा लेखा विभाग

महालेखाकार उड़ीसा का कार्यालय

भुवनेश्वर-751001, दिनांक 23 अक्टूबर 1975

सं० ओ० ओ० सी० 863—महालेखाकार ने प्रसन्न होकर निम्नांकित नियमित अनुभाग अधिकारियों को लेखा अधिकारी का पदभार सम्हालने के लिए, जब तक पुनः आदेश नहीं दिया जाता, दी गई तिथि से नियुक्त किया है।

1. सर्वश्री ए० बी० महन्ती 15-10-75 (पूर्वाह्न)
2. ए० प्रधान 15-10-75 (पूर्वाह्न)
3. आर० के० सेन गुप्ता 15-10-75 (पूर्वाह्न)
4. सुशील सेन गुप्ता 15-10-75 (पूर्वाह्न)

लेखा अधिकारी के रूप में उनकी वरिष्ठता उपरोक्त क्रम में है।

बी० एस० भारद्वाज,
ज्येष्ठ उप महालेखाकार
(प्रशासन)

मुख्य लेखा परीक्षक का कार्यालय, पूर्वी रेलवे

कलकत्ता, दिनांक 1 सितम्बर 1975

सं० एल/8/74—58 वर्ष की आयु प्राप्त कर लेने पर श्री जे० एन० बोस लेखा परीक्षा अधिकारी की 31 अगस्त 1975 (अपराह्न) से पेंसन स्थापना को अन्तर्गत कर दिया जाएगा और उनका नाम विभाग की नकरी से निकाल दिया जाएगा।

सं० एल/8/74—वार्धक्य निवर्तन की अपनी 58 वर्ष की आयु पूर्ण करने के फलस्वरूप इस कार्यालय के स्थायी लेखा परीक्षा अधिकारी श्री ए० के० चौधरी 31 अगस्त 1975 (अपराह्न) से सरकारी सेवा से सेवा-निवृत्त किए गए।

सं० एल/8/74—वार्धक्य निवर्तन की अपनी 58 वर्ष की आयु पूर्ण करने के फलस्वरूप इस कार्यालय के स्थानापन्न लेखा परीक्षा अधिकारी श्री जि० चटर्जी 31 अगस्त 1975 (अपराह्न) से सरकारी सेवा से सेवा-निवृत्त किए गए।

एन० जी० सेन,
मुख्य लेखा परीक्षक
पूर्वी रेलवे

रक्षा लेखा विभाग

कार्यालय, रक्षा लेखा महानियंत्रक

नई दिल्ली-12, दिनांक 13 नवम्बर 1975

सं० 68018(2)/71-प्रशा०-II—राष्ट्रपति, भारतीय रक्षा लेखा सेवा के अधिकारी श्री विनोद बिहारी रे, (जो पुनर्वास उद्योग निगम लि० कलकत्ता, में वित्तीय सलाहकार और मुख्य लेखा अधिकारी की प्रतिनियुक्ति पर हैं) को अनुक्रम नियम के अधीन कनिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड (सं० 1500-60-1800-100-

2000) में स्थापनापत्र रूप में कार्य करने के लिए पहली अक्टूबर सन् 1975 (पूर्वाह्न) से आगामी आदेश पर्यन्त, सहर्ष नियुक्त करते हैं।

एस० के० सुन्दरम,
रक्षा लेखा अपर महा नियन्त्रक (प्रशासन)

रक्षा मंत्रालय

भारतीय आर्डनेन्स फैक्टरियां
कलकत्ता, दिनांक 6 अक्टूबर 1975

सं० 4/75/ए०/एम०—अधोहस्ताक्षरी ने निम्नलिखित अधिका-
कारी को उनके सामने दर्शायी गई तारीख से आगामी आदेश न
होने तक, नियुक्त किया :—

नाम व पद	नियुक्ति स्थान	दिनांक
डा० गुण्डुमल्ल राधाप्रियम सुन्दर, आर्डनेन्स फैक्टरी अस्थायी सहायक सज्जन-ग्रेड-I चन्दा		30-4-75 (पूर्वाह्न)

आर० एम० मजूमदार
महानिदेशक, आर्डनेन्स फैक्टरियां

भारतीय आर्डनेन्स फैक्टरियां सेवा
महानिदेशालय, आर्डनेन्स फैक्टरियां

कलकत्ता, दिनांक 13 नवम्बर 1975

सं० 42/75/जी०—वार्धक्य निवृत्ति आयु प्राप्त कर, श्री
एम०एस० सुब्रमण्यम स्थायी प्रबन्धक, दिनांक 31 अगस्त, 1975
(अपराह्न) से सेवा निवृत्त हुए।

सं० 43/75/जी०—राष्ट्रपति ने श्री एम० एस० सुब्रमण्यम
को पुनर्नियुक्ति पर, अस्थायी प्रबन्धक के पद पर दिनांक पहली
सितम्बर, 1975 से एक वर्ष के लिये नियुक्त किया।

एम० पी० आर० पिल्लाय,
सहायक महानिदेशक, आर्डनेन्स फैक्टरियां

आर्डनेन्स इक्विपमेन्ट फैक्टरियां ग्रुप
कानपुर, दिनांक 18 सितम्बर 1975

सं० 4/जी/ओ० ई० एफ०—वार्धक्य निवृत्ति आयु प्राप्त कर
श्री जे० एन० अग्रवाल स्थापनापत्र उप-प्रबन्धक (मौलिक एवं
स्थायी सहायक प्रबन्धक) दिनांक 28 फरवरी 1975 से सेवा
निवृत्त हुए।

दिनांक 7 नवम्बर 1975

सं० 5/जी/ओ०/ई०एफ०—वार्धक्य निवृत्ति आयु प्राप्त कर
श्री एच० ए० सिंह स्थापनापत्र सहायक प्रबन्धक (मौलिक एवं
स्थायी प्रभारी) दिनांक 30 सितम्बर, 1975 से सेवा निवृत्त हुए।

एस० के० वसंत,
सहायक महानिदेशक, आर्डनेन्स
फैक्टरियां

वाणिज्य मंत्रालय

मुख्य नियंत्रक आयात-निर्यात का कार्यालय
आयात तथा निर्यात व्यापार नियंत्रण
स्थापना

नई दिल्ली, दिनांक 13 नवम्बर 1975

सं० 6/1094/75-प्रशासन (राज०) I—राष्ट्रपति, श्री अरुण
कुमार, भारतीय प्रशासनिक सेवा को मुख्य नियंत्रक, आयात-
निर्यात के कार्यालय, नई दिल्ली में 15-10-75 (पूर्वाह्न) से अगले
आदेश जारी होने तक के लिए संयुक्त-मुख्य नियंत्रक, आयात-
निर्यात के रूप में नियुक्त करते हैं।

सं० 6/1075/75-प्रशा० (राज०) I—राष्ट्रपति, श्री एस०
एस० सक्सेना, भारतीय प्रशासनिक सेवा को जो पहले टैरिफ
कमीशन बम्बई में सचिव थे, मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात के
कार्यालय, नई दिल्ली में 21-10-75 (पूर्वाह्न) से अगले आदेश होने
तक की अवधि के लिए संयुक्त मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात के
रूप में नियुक्त करते हैं।

बी० डी० कुमार,
मुख्य नियंत्रक आयात-निर्यात,

वस्त्र आयुक्त कार्यालय

बम्बई-20, दिनांक 13 नवम्बर 1975

सं० ई० एस० टी० 1-2 (634)—वस्त्र आयुक्त अपने
अहमदाबाद स्थित प्रादेशिक कार्यालय के प्रवर्तन निरीक्षक
(टेक्नीकल) श्री महेश चन्द्र पारीख को 19 सितम्बर 1974 के
पूर्वाह्न से, अन्य आदेश होने तक, उसी कार्यालय में सहायक निदेशक,
द्वितीय श्रेणी (पी और डी) के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

वीरेन्द्र बहादुर वर्मा,
निदेशक

बम्बई-20, दिनांक 14 नवम्बर 1975

सं० सी० एल० बी० 1/1/6-जी०/75—सूनी वस्त्र (नियंत्रण)
आदेश, 1948 के खंड 34 में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते
हुए और केन्द्रीय सरकार की पूर्व-स्वीकृति से मैं एतद्वारा वस्त्र
आयुक्त की अधिसूचना सं० सी० एल० बी० 1/1/6-जी०/71 दिनांक
13 जनवरी 1972 में निम्नलिखित संशोधन करता हूँ, अर्थात्:—

उक्त अधिसूचना से संलग्न सारणी में क्रम संख्या 6 के सामने स्तंभ 2, 3 और 4 में मद संख्या (1) (2) और (3) में विद्यमान प्रविष्टियों के स्थान पर निम्न प्रविष्टियाँ प्रतिस्थापित की जाएंगी अर्थात्:—

	2	3	4
“(1) निदेशक, उद्योग एवं वाणिज्य	केरल	12(6), 12(6ए), 12(7ए), 12(7एए) 12 सी और 12 ई	
(2) जिला उद्योग अधिकारी	केरल	12 (7ए) और 12 (7एए)”	

सं० 18 (1)/73-75सी० एल०बी०-II—वस्त्र (शक्ति-चालित कर्षणों द्वारा उत्पादन) नियंत्रण आदेश, 1956 के खंड-II में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और केन्द्रीय सरकार की पूर्व स्वीकृति से मैं एतद्वारा वस्त्र आयुक्त की अधिसूचना सं०, 15(2)/67-सी० एल० बी०II/बी० दिनांक 13 जनवरी 1972 में निम्नलिखित अतिरिक्त संशोधन करता हूँ, अर्थात्:—

उक्त अधिसूचना से संलग्न सारणी में क्रमसंख्या 6 के सामने स्तंभ 2 में विद्यमान प्रविष्टि के स्थान पर निम्न प्रतिस्थापित किया जाएगा, अर्थात्:—

“निदेशक, उद्योग एवं वाणिज्य”

गौरी शंकर भार्गव,
संयुक्त वस्त्र आयुक्त

काण्डला मुक्त व्यापार क्षेत्र प्रशासन, गांधी धाम
कच्छ, दिनांक 11 नवम्बर 1975

सं० एफ० टी० जेड/ए० डी० एम० एन०/7/2/74—विकास आयुक्त काण्डला मुक्त व्यापार क्षेत्र गांधीधाम-कच्छ महिलेखा-कार, गुजरात राज्यकोट के विभाग अधिकारी श्री एस०आर०एस० ऐयानगर को लेखाधिकारी काण्डला मुक्त व्यापार क्षेत्र गांधीधाम को वेतनमान रु० 840-40-1000-ई० बी०-40-1200 है प्रि नियुक्ति की सामान्य शर्तों पर 18-10-1975 से कर दी गई है।

एन० विटठुल,
विकास आयुक्त
काण्डला निर्वाध व्यापार क्षेत्र

पूति विभाग

मुख्य वेतन तथा लेखा अधिकारी का कार्यालय

नई दिल्ली-110011, दिनांक नवम्बर 1975

सं० ए०-32014/75-76/प्रशासन (समन्वय)/4149—मुख्य वेतन तथा लेखा अधिकारी, पूति, पुनर्वास तथा खाद्य और कृषि मंत्रालय, नई दिल्ली ने अपने संगठन के श्री राम चरण, अनुभाग

अधिकारी (वेतन तथा लेखा) को 22-10-75 (अपराह्न) से मुख्य वेतन तथा लेखा अधिकारी, पुनर्वास विभाग के नई दिल्ली के कार्यालय में आगामी आदेश तक वेतन तथा लेखा अधिकारी के पद पर स्थानापन्न रूप में नियुक्त किया है।

इनकी पदोन्नति से नामिका (पेनल) में इनसे वरिष्ठ व्यक्तियों के दावों और अधिकारों पर कोई प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ता है।

इनकी पदोन्नति मुख्य वेतन तथा लेखा अधिकारी के संगठन (वेतन तथा लेखा अधिकारी) भर्ती नियम 1974 की शर्तों के अधधीन है।

जे० बी० दत्ता,
वेतन तथा लेखा अधिकारी

पूति तथा निपटान महानिदेशालय (प्रशासन शाखा)

नई दिल्ली, दिनांक 13 नवम्बर 1975

सं० प्र-1/1(948)/73—श्री बाबूलाल ने पूति तथा निपटान महानिदेशालय, नई दिल्ली में वरिष्ठ आर्थिक अन्वेषक के पद पर अवनति होने पर दिनांक 30-9-75 के अपराह्न से पूति तथा निपटान निदेशक, कानपुर के कार्यालय में सहायक निदेशक (सूचना पुनः प्राप्ति) का पदभार छोड़ दिया।

राष्ट्रपति, पूति तथा निपटान महानिदेशालय, नई दिल्ली में वरिष्ठ आर्थिक अन्वेषक श्री बाबूलाल को दिनांक 18-10-75 (पूर्वाह्न) से पूति तथा निपटान निदेशक, बम्बई के कार्यालय में तदर्थ आधार पर सहायक निदेशक (सूचना-पुनः प्राप्ति) के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं। उनकी यह नियुक्ति श्री जी० एल० चान्दना के स्थान पर की गयी जो पदावनति पर पूति तथा निपटान महानिदेशालय, नई दिल्ली में मशीन पर्यवेक्षक के रूप में स्थानान्तरित कर दिए गए हैं।

सं० प्र०-11/(1030)—महानिदेशक, पूति तथा निपटान एतद्वारा निरीक्षण निदेशक, कलकत्ता के कार्यालय में अधीक्षक (अधीक्षण स्तर-II) श्री जे० एल० शाह को दिनांक 1 अक्टूबर 1975 के पूर्वाह्न से तथा आगामी आदेशों के जारी होने तक पूति तथा निपटान निदेशालय कलकत्ता में तदर्थ आधार पर सहायक निदेशक (प्रशासन-) (ग्रेड II) के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

के० एल० कोहली,
उप निदेशक (प्रशासन)

इस्पात और खान मंत्रालय (खान विभाग)

भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण

कलकत्ता-13, दिनांक 1975

सं० 2181 (एम० एस०)/19बी—सीमा-शुल्क समाहर्ता, बम्बई, से 21-6-1975 के अपराह्न से परावर्तन पर, डा० एम० आर० सेनगुप्ता ने सहायक रसायनज्ञ के पद का कार्यभार भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में 1 नवम्बर, 1975 के पूर्वाह्न से ग्रहण किया है।

सं० 2222(एस० बी०)/19ए—भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण की वरिष्ठ तकनीकी सहायक (भूविज्ञान) कु० शुभा भट्टाचार्य को सहायक भूवैज्ञानिक के रूप में उसी विभाग में वेतन नियमानुसार 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रु० के वेतनमान में अस्थाई क्षमता में आगे आदेश होने तक, 13 अक्टूबर, 1975 के पूर्वाह्न से नियुक्त किया जाता है।

सं० 3(5)/71-(एस० ए०)/19बी—भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के वरिष्ठ तकनीकी सहायक (भूभौतिकी) श्री शिबदास आद्या, बी० ई० को सहायक भूभौतिकी विद (उपकरण) के रूप में भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में वेतन नियमानुसार 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रु० के वेतनमान में स्थानापन्न क्षमता में, आगामी आदेश होने तक 10 सितम्बर, 1975 के पूर्वाह्न से नियुक्त किया जाता है।

बी० के० एस० वरदन, महा निदेशक

विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग

राष्ट्रीय एटलस संस्था

कलकत्ता-19, दिनांक 13 नवम्बर 1975

सं० 29-10/72-स्था०—श्री राजकुमार विश्वास को राष्ट्रीय एटलस संस्था में 1 नवम्बर 1975 पूर्वाह्न से अग्रिम आदेश तक अस्थायी रूप से सहायक प्रबंधक नियुक्त किया जाता है। संघ लोक सेवा आयोग की सिफारिश पर रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतन मान में उनका प्रारम्भिक वेतन 680/- प्रति-मास निर्धारित किया जाता है।

सं० 29-10/72-स्था०—श्री विमल चन्द्र, गराई ने अवकाश पर जाने और उसकी समाप्ति पर अराजपत्रित पद पर परावर्तन के परिणाम स्वरूप राष्ट्रीय एटलस संस्था में सहायक प्रबंधक पद का कार्यभार 10-10-75 के अपराह्न से छोड़ा।

एस० पी० दासगुप्त, निदेशक

भारतीय सर्वेक्षण विभाग

महासर्वेक्षक का कार्यालय

देहरादून, दिनांक 17 नवम्बर 1975

सं० स्था-I/5021/724-भ० का० सं०—श्री छोटे लाल कनोजी को भारतीय सर्वेक्षण विभाग में सहायक भण्डार अधिकारी के स्थायी पद पर सामान्य केन्द्रीय सेवा श्रेणी II में 550-25-750-द० रो०-30-900 रु० के संशोधित वेतनमान में दिनांक 15 अक्टूबर, 1975 पूर्वाह्न से अगले आदेश दिए जाने तक स्थानापन्न रूप में नियुक्त किया जाता है।

सं० स्था-1/5022/724-भ० का० सं०—श्री यिम्मारया रामाचन्द्रा रेड्डी को भारतीय सर्वेक्षण विभाग में सहायक भण्डार अधिकारी के अस्थायी पद पर सामान्य केन्द्रीय सेवा श्रेणी में II

550-25-750-द० रो०-30-900 रु० के संशोधित वेतनमान में दिनांक 16 अक्टूबर, 1975 पूर्वाह्न से अगले आदेश दिए जाने तक स्थानापन्न रूप में नियुक्त किया जाता है।

हरी नारायण, महासर्वेक्षक

देहरादून, दिनांक 13 नवम्बर 1975

सं० ई०-I-5020/1117-एल० पी० आर०—भारत के महासर्वेक्षक, डा० जे० सी० भट्टाचारजी अधिकारी सर्वेक्षक, 69 (कम्प्यूटिंग) पार्टी (ज्यो० एवं अनु० शा०), भारतीय सर्वेक्षण विभाग, देहरादून को सेवा काल की समाप्ति पर दिनांक 1 सितम्बर, 1975 से सरकारी सेवा से सहर्ष सेवा-निवृत्त करते हैं।

जे० के० डोनाल्ड,
सहायक महासर्वेक्षक

विस्फोटक विभाग

नागपुर, दिनांक 12 नवम्बर 1975

ई०-II(7)—इस विभाग की अधिसूचना सं० ई०-II(7) दिनांक 11 जुलाई, 1969 में निम्नलिखित को जोड़ा जाये, अर्थात: वर्ग 3 के अन्तर्गत—प्रभाग 1 के अन्तर्गत

(1) प्रविष्टि “इम्प्रूव्ड बलिस्टाईट” के बाद में “एन० जी०-101 और एन० जी०-201 उत्पादन, परीक्षा और निर्धारित क्षेत्र पर विचार हेतु 31 मार्च, 1976 तक” को जोड़ दिया जाये।

वर्ग 6 के अन्तर्गत—प्रभाग 2 के अन्तर्गत

(2) प्रविष्टि “फ्युज ईगनाईटरस” के बाद में “जिओग्रेफ” को जोड़ दिया जाये।

इंगुव नरसिंह मूर्ति,
मुख्य विस्फोटक नियंत्रक

अन्तरिक्ष विभाग

भारतीय अन्तरिक्ष अनुसंधान संगठन

अन्तरिक्ष उपयोग केन्द्र

अहमदाबाद-380009, दिनांक 21 अक्टूबर 1975

सं० एस० ए० सी०/ई० एस० टी०/1-1-56/75—भारतीय अन्तरिक्ष अनुसंधान संगठन के दिनांक 1 अप्रैल, 1975 से एक सरकारी निकाय के रूप में बदल जाने के परिणामस्वरूप, श्री एच० पी० श्रीवास्तवा, जो कि भारतीय अन्तरिक्ष अनुसंधान संगठन में विदेश सेवा पर हैं, अन्तरिक्ष उपयोग केन्द्र, अहमदाबाद में दिनांक 1 अप्रैल, 1975 से 10 फरवरी, 1977 तक प्रतिनियुक्ति के आधार पर वैज्ञानिक/इंजीनियर एस० बी० (ध्वनि अभिलेखक) के पद पर बने रहेंगे।

यह अधिसूचना सं० एस० ए० सी०/ई० एस० टी०/1-1-56/75 दिनांक 11 जुलाई, 1975 के अतिरिक्त में है।

सं० एस० ए० सी०/ई० एस० टी०/1-1-57/75—भारतीय अन्तरिक्ष अनुसंधान संगठन के दिनांक 1 अप्रैल, 1975 से एक सरकारी निकाय के रूप में बदल जाने के परिणामस्वरूप, निदेशक, श्री सी० के० कुट्टी को इंजीनियर एस० बी० के पद पर रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में रु० 710 प्रतिमास के मूल वेतन पर भारतीय अन्तरिक्ष अनुसंधान संगठन में अन्तरिक्ष उपयोग केन्द्र के माइक्रोवेव प्रभाग में दिनांक 1 अप्रैल, 1975 से नियुक्त करते हैं।

दिनांक 22 अक्टूबर 1975

सं० एस० ए० सी०/ई० एस० टी०/1-1-56/75—निदेशक, भारतीय अन्तरिक्ष अनुसंधान संगठन में अन्तरिक्ष उपयोग केन्द्र के सोफ्टवेयर प्रणाली ग्रुप में श्रीमती मीरा एस० लखिया को वैज्ञानिक/इंजीनियर एस० बी० (सुरम्य अभिकल्पनाकार) के पद पर रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000 द० रो०-40-1200 के वेतनमान में रु० 650/- प्रतिमास के मूल वेतन पर दिनांक 29 सितम्बर, 1975 से 31 जुलाई, 1976 की अवधि तक के लिए नियुक्त करते हैं।

मेजर आर० सी० सेमुअल,
(सेवा निवृत्त) प्रशासन अधिकारी-II

आकाशवाणी महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 14 नवम्बर 1975

सं० 6(150)/62-एस०-एक—श्री एस० एन० तनगांगी, तदर्थ कार्यक्रम निष्पादक, आकाशवाणी शिमला ने उसी केन्द्र पर प्रसारण निष्पादक के अराजपत्रित पद पर अपना परावर्तन होने के फलस्वरूप 15 अक्टूबर, 1975 के अपराह्न में अपने पद का कार्यभार त्याग दिया।

दिनांक 17 नवम्बर 1975

सं० 5(96)/67-एस० एक—महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्द्वारा श्री टी० के० थामस, को 5 नवम्बर, 1975 से अप्रेतर आदेशों तक, आकाशवाणी, बम्बई में अस्थायी आधार पर, कार्यक्रम निष्पादक के पद पर नियुक्त करते हैं।

शांति लाल,
प्रशासन उपनिदेशक
कृते महानिदेशक

नई दिल्ली, दिनांक 17 नवम्बर 1975

सं० 4(40)/75-एस० एक—महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्द्वारा कुमारी राधा वारियर को 31 अक्टूबर, 1975 से अप्रेतर आदेशों तक, आकाशवाणी, त्रिवेन्द्रम में अस्थायी आधार पर, कार्यक्रम निष्पादक के पद पर नियुक्त करते हैं।

शांती लाल,
प्रशासन उप-निदेशक

नई दिल्ली, दिनांक नवम्बर 1975

सं० 2/4/75-एस०-तीन—महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्द्वारा सहायक इंजीनियर के संवर्ग के निम्नलिखित अधिकारियों को उनके नामों के आगे लिखे आकाशवाणी के केन्द्रों/कार्यालयों में उनमें से प्रत्येक के नाम के आगे उल्लिखित तारीख से अप्रेतर आदेशों तक स्थानापन्न रूप में काम करने के लिए नियुक्त करते हैं :—

क्र० सं०	अधिकारी का नाम	तैनाती का केन्द्र/कार्यालय	नियुक्ति की तारीख
1.	श्री ए० के० भटनागर	दूरदर्शन केन्द्र, आकाशवाणी, नई दिल्ली।	9-10-75
2.	श्री सुरेन्द्र सिंह	दूरदर्शन केन्द्र, आकाशवाणी, श्रीनगर।	13-10-75

दिनांक 19 नवम्बर 1975

सं० 3(9)/68-डी० (एस०)—इस महानिदेशालय की अधिसूचना सं० 3(9)/68-डी० (एस०) दिनांक 9-12-74 में आंशिक आशोधन करते हुए महालेखाकार, केन्द्रीय, कलकत्ता के कार्यालय के लेखाधिकारी श्री पी० पालित को, क्षेत्रीय इंजीनियर (पूर्व), आकाशवाणी, कलकत्ता के कार्यालय में प्रतिनियुक्ति पर 16-9-74 से 15-9-77 तक रु० 840-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में लेखाधिकारी के पद पर नियुक्त किया जाता है।

प्रेम कुमार सिन्हा,
प्रशासन उपनिदेशक, कृते महानिदेशक

सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय

फिल्म प्रभाग

बम्बई-26, दिनांक 12 नवम्बर 1975

सं० ए-19012/3/75-सिम्बन्दी-I—फिल्म प्रभाग के प्रमुख निर्माता ने श्री ए० नंदगोपाल को फिल्म प्रभाग बम्बई में दिनांक 1-11-1975 से न्यूजरिल अफसर के पद पर नियुक्त किया है।

एम० के० जैन,
सहायक प्रशासकीय अधिकारी,
कृते प्रमुख निर्माता

नई दिल्ली, दिनांक 17 नवम्बर 1975

सं० ए-31016/1/75-प्रशासन/उप-सचिव (सूचना)—राष्ट्रपति ने क्षेत्रीय प्रचार निदेशालय के स्थायी तकनीकी अधिकारी (आवाज) और स्थानापन्न बरिष्ठ तकनीकी अधिकारी श्री ए० के० पट्टाबिरामन को 30 सितम्बर 1975 से उसी निदेशालय में बरिष्ठ तकनीकी अधिकारी के पद पर स्थायी से नियुक्त किया है।

सानुजित घोष, उप सचिव

स्वास्थ्य और परिवार नियोजन मंत्रालय
(स्वास्थ्य विभाग)

नई दिल्ली, दिनांक 17 अक्टूबर 1975

सं० 11016/1/74-एम० सी०—राष्ट्रपति, डा० जी० सरन को 14 जनवरी, 1972 पूर्वाह्न से केन्द्रीय अनुसंधान संस्थान, कसौली में उप-सहायक निदेशक (गैर-चिकित्सा) के पद पर स्थायी रूप से नियुक्त करते हैं।

नरेन्द्र सिंह भाटिया, अवर सचिव

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 24 अक्टूबर 1975

सं० 16-42/74-एम०-1—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने चिकित्सा सामग्री भंडार संगठन के राजकीय चिकित्सा सामग्री भंडार डिपो, हैदराबाद में कार्यालय अधीक्षक श्री पी० कुन्हुकुण्णन को 24-7-75 के पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक चिकित्सा सामग्री भंडार डिपो, हैदराबाद में महायक डिपो प्रबन्धक के पद पर अस्थायी रूप से नियुक्त किया है।

संगत सिंह,
उप-निदेशक प्रशासन (भंडार)
कृते स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक

नई दिल्ली, दिनांक 1975

सं० 6-9/74-एडमिन०-1—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने श्री के० एन० टंडन को 20 अक्टूबर, 1975 के पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक केन्द्रीय अनुसंधान संस्थान, कसौली में पशु सहायक सर्जन के पद पर स्थानापन्न रूप में नियुक्त किया है।

सूरज प्रकाश जिन्दल,
उप निदेशक प्रशासन

कृषि एवं सिंचाई मंत्रालय
(ग्रामीण विकास विभाग)

विपणन एवं निरीक्षण निदेशालय
(प्रधान कार्यालय)

फरीदाबाद, दिनांक 1975

सं० फाइल 1/170/71-प्रशा० फरी०-I—श्री एन० बी० श्रीकांतय्या, भूतपूर्व उप वरिष्ठ विपणन अधिकारी को दिनांक 1 जनवरी, 1967 से विपणन एवं निरीक्षण निदेशालय में विपणन अधिकारी (वर्ग-I) के स्थायी पद पर मूल रूप से नियुक्त किया जाता है।

ई० एस० पार्थसारथी
कृषि विपणन सलाहकार

श्रम मंत्रालय
श्रम ब्यूरो

शिमला-171004, दिनांक 6 दिसम्बर 1975

सं० 23/3/75 सी० पी० आई—अक्टूबर, 1975 में औद्योगिक श्रमिकों का अखिल भारतीय उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (आधार 1960-100) सितम्बर, 1975 के स्तर से तीन अंक घटकर 316 (तीन सौ सोलह) रहा। अक्टूबर, 1975 माह का

सूचकांक 1949 आधार वर्ष पर परिस्थिति किए जाने पर 384 (तीन सौ चौरासी) आता है।

आनन्द स्वरूप भारद्वाज,
संयुक्त निदेशक

परमाणु ऊर्जा विभाग

परमाणु खनिज प्रभाग

हैदराबाद-500016, दिनांक 27 अक्टूबर 1975

सं० ए० एम० डी० 1/18/75-प्रशासन—परमाणु खनिज प्रभाग के निदेशक श्री ए० आर० नाथ को 20 अक्टूबर, 1975 के पूर्वाह्न से लेकर आगामी आदेश जारी होने तक के लिए उसी प्रभाग में स्थानापन्न रूप से वैज्ञानिक अधिकारी/इंजीनियर ग्रेड 'एस बी' नियुक्त करते हैं।

एस० रंगनाथन,
वरिष्ठ प्रशासन एवं लेखा अधिकारी

राजस्थान परमाणु विद्युत परियोजना

अंशुशक्ति, दिनांक 14 नवम्बर 1975

सं० रापविप/00101/75-प्रशासन/स्थल/362—राजस्थान परमाणु विद्युत परियोजना के मुख्य परियोजना इंजीनियर इस परियोजना के श्री ए० डी० गुप्त, अर्द्धस्थायी वैज्ञानिक सहायक (बी) तथा स्थानापन्न वैज्ञानिक सहायक (सी) को इसी परियोजना में 1 नवम्बर, 1975 (पूर्वाह्न) से आगामी आदेश होने तक के लिए अस्थायी रूप से वैज्ञानिक अधिकारी/इंजीनियर ग्रेड एस० बी० नियुक्त करते हैं।

गोपाल सिंह,
प्रशासन अधिकारी (स्थापना)

भारी पानी परियोजनाएं

बम्बई-400008, दिनांक 10 नवम्बर 1975

संदर्भ: भापाप/स्थापना/1/ब-22/7395—भारी पानी परियोजनाएं के विशेष कार्य अधिकारी, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र के स्थायी सहायक लेखा पाल तथा भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र के स्थानापन्न सहायक लेखा अधिकारी श्री अच्युत मुकुंद वैद्या जो अब भारी पानी परियोजनाएं (मुख्य कार्यालय) में उसी ग्रेड में प्रतिनियुक्त हैं को श्री एम० एम० कस्बेकर, लेखा अधिकारी-II जिनकी पदोन्नति वित्त तथा लेखा अधिकारी, भारी पानी परियोजनाएं के रूप में हो गई है, के स्थान पर अक्टूबर 15, 1975 (पूर्वाह्न) से नवम्बर 28, 1975 (अपराह्न) तक के लिए स्थानापन्न रूप से लेखा अधिकारी-II नियुक्त करते हैं।

टी० सी० सत्यकीर्ति,
वरिष्ठ प्रशासन अधिकारी

महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय

नई दिल्ली-110022, दिनांक नवम्बर 1975

सं० ए-32013/8/74-ई० (एस०)—राष्ट्रपति ने श्री आई० एस० भटनागर, वरिष्ठ विमान निरीक्षक को 7 नवम्बर, 1975 (पूर्वाह्न) से अगले आदेश जारी होने तक नागर विमानन विभाग में उपनिदेशक/नियंत्रक वैमानिक निरीक्षण के ग्रेड में तदर्थ आधार पर नियुक्त किया है।

हरबंस लाल कोहली
उपनिदेशक, प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 31 अक्टूबर, 1975

सं० ए० 32013/14/75ई० सी०—इस विभाग की दिनांक 20 अक्टूबर, 1975 की अधिसूचना संख्या ए० 32013/14/75 ई० सी० का आंशिक संशोधन करते हुए उस की मद सं० 1 और 2 का संशोधित रूप इस प्रकार पढ़ा जाए :—

1. श्री पी० बी० श्यामरे, संचार अधिकारी, वैमानिक संचार स्टेशन, कलकत्ता ।
2. श्री पी० पालोज, संचार अधिकारी, वैमानिक संचार स्टेशन बम्बई ।

हरबंस लाल कोहली,
उपनिदेशक प्रशासन,
नूते महानिदेशक नागर विमानन

नई दिल्ली, दिनांक 11 नवम्बर, 1975

सं० ए० 12025/4/75-ई० सी०—राष्ट्रपति ने श्री यशपाल बत्रा को 27 अक्टूबर, 1975 (पूर्वाह्न) से अगले आदेश होने तक अस्थायी आधार पर रेडियो निर्माण एवं विकास यूनिट सफदरजंग एयरपोर्ट, नई दिल्ली में तकनीकी अधिकारी के पद पर नियुक्त किया है ।

दिनांक 15 नवम्बर, 1975

सं० ए० 32014/1/74-ई० सी०—महानिदेशक नागर विमानन ने श्री जी० डी० कुलकर्णी, तकनीकी सहायक, वैमानिक संचार स्टेशन बम्बई को 9 सितम्बर, 1974 (पूर्वाह्न) से अगले आदेश जारी होने तक तदर्थ आधार पर उसी स्टेशन पर सहायक तकनीकी अधिकारी के पद पर नियुक्त किया है ।

(एतद्वारा इस कार्यालय की 3 अक्टूबर, 1974 की अधिसूचना संख्या ए० 32014/1/74 ई० सी० का पैरा 2 रद्द किया जाता है)

दिनांक 19 नवम्बर, 1975

सं० ए० 32013/1/75-ई० सी०—नागर विमानन विभाग नई दिल्ली में उपनिदेशक संचार के रूप में तदर्थ पदोन्नति की अवधि समाप्त होने पर श्री के० अंजैया ने 25 अक्टूबर, 1975 (अपराह्न) से उक्त पद का कार्यभार त्याग दिया है तथा राष्ट्रपति ने उन्हें उसी तारीख से उसी कार्यालय में सहायक निदेशक संचार के पद पर नियुक्त किया है ।

सं० ए० 32013/4/75 ई० ए०—राष्ट्रपति ने एतद्वारा श्री मीर अनवर, वरिष्ठ विमानक्षेत्र अधिकारी को 4 नवम्बर, 1975 से अगले आदेश होने तक नागर विमानन विभाग के विमान मार्ग और विमानक्षेत्र संगठन में उपनिदेशक/नियंत्रक विमानक्षेत्र के ग्रेड में पदोन्नत किया है । श्री मीर अनवर को क्षेत्रीय विमानक्षेत्र नियंत्रक, मद्रास क्षेत्र, मद्रास एयरपोर्ट मद्रास के रूप में तैनात किया जाता है ।

विश्व विनोद जोहरी,
सहायक निदेशक प्रशासन

पर्यटन और नागर विमानन मंत्रालय
भारत मौसम विज्ञान विभाग

नई दिल्ली-3, दिनांक 13 नवम्बर 1975

सं० ई(1) 07159—वेधशालाओं के महानिदेशक नई दिल्ली प्रादेशिक मौसम केन्द्र के निदेशक के अधीन बावतपुर मौसम कार्यालय के स्थानापन्न व्यवसायिक सहायक श्री एस० डी० प्रसाद को 20 अक्टूबर, 1975 के पूर्वाह्न से और आगामी आदेशों तक स्थानापन्न रूप में सहायक मौसम विशेषज्ञ नियुक्त करते हैं ।

स्थानापन्न सहायक मौसम विशेषज्ञ श्री एस० डी० प्रसाद कलकत्ता प्रादेशिक मौसम केन्द्र के निदेशक के अधीन मोहनबारी मौसम कार्यालय में तैनात किये गये हैं ।

सं० ई(1) 07611—वेधशालाओं के महानिदेशक शिलांग केन्द्रीय भूकम्प वेधशाला के स्थानापन्न व्यवसायिक सहायक श्री एल० के० मल्लिक को 15 सितम्बर 1975 के पूर्वाह्न से और आगामी आदेशों तक स्थानापन्न रूप में सहायक मौसम विशेषज्ञ नियुक्त करते हैं ।

स्थानापन्न सहायक मौसम विशेषज्ञ, श्री एल० के० मल्लिक, शिलांग केन्द्रीय भूकम्प वेधशाला में ही तैनात रहेंगे ।

दिनांक 14 नवम्बर 1975

सं० ई० (1) 04261—वेधशालाओं के महानिदेशक, पूना के वेधशालाओं के उप-महानिदेशक (जलवायु विज्ञान और भू-भौतिकी), के कार्यालय के व्यवसायिक सहायक श्री बी० गोपीनाथराव को सत्तर दिन की अवधि के लिये 20-10-1975 के पूर्वाह्न से 28-12-1975 तक स्थानापन्न रूप में सहायक मौसम विशेषज्ञ नियुक्त करते हैं ।

स्थानापन्न सहायक मौसम विशेषज्ञ, श्री गोपीनाथ राव को 20-10-1975 के पूर्वाह्न से पूना के वेधशालाओं के उप-महानिदेशक (पूर्वानुमान) के कार्यालय में स्थानान्तरित कर दिया गया है ।

सं० ई(1) 04227—वेधशालाओं के महानिदेशक कलकत्ता प्रादेशिक मौसम केन्द्र के निदेशक के कार्यालय के व्यवसायिक सहायक श्री अमरेन्द्र कुमार दत्त को बयालीस दिन की अवधि के लिये 20-10-1975 के पूर्वाह्न से 30-11-1975 तक स्थानापन्न रूप में सहायक मौसम विशेषज्ञ नियुक्त करते हैं ।

स्थानापन्न सहायक मौसम विशेषज्ञ श्री ए० के० दत्त कलकत्ता प्रादेशिक मौसम केन्द्र के निदेशक के कार्यालय में ही तैनात रहेंगे ।

सं० ई(1) 04224—वेधशालाओं के महानिदेशक बम्बई के प्रादेशिक मौसम केन्द्र के निदेशक के अधीन अहमदाबाद मौसम केन्द्र के व्यवसायिक सहायक श्री एस० एन० सेन को जो कि इस विभाग की दिनांक 12 अगस्त, 1975 की अधिसूचना संख्या ई(1) 04224 द्वारा 18-10-1975 तक स्थानापन्न रूप में सहायक मौसम विशेषज्ञ नियुक्त किए गये थे, 19 अक्टूबर, 1975 से और आगामी आदेशों तक स्थानापन्न रूप में सहायक मौसम विशेषज्ञ नियुक्त करते हैं ।

स्थानापन्न सहायक मौसम विशेषज्ञ, श्री एस० एन० सेन बम्बई प्रादेशिक मौसम केन्द्र, के निदेशक के अधीन अहमदाबाद मौसम केन्द्र में ही तैनात रहेंगे।

संख्या ई(1)07093—वेधशालाओं के महानिदेशक, वेधशालाओं के महानिदेशक नई दिल्ली के मुख्य कार्यालय के व्यवसायिक सहायक श्री बी० के० मित्तल को 6 अक्टूबर, 1975 से और आगामी आदेशों तक स्थानापन्न रूप में सहायक मौसम विशेषज्ञ नियुक्त करते हैं।

स्थानापन्न सहायक मौसम विशेषज्ञ श्री बी० के० मित्तल, वेधशालाओं के महानिदेशक के नई दिल्ली के मुख्य कार्यालय में ही तैनात रहेंगे।

दिनांक 17 नवम्बर 1975

सं० ई० (1) 04330—वेधशालाओं के महानिदेशक, नागपुर प्रादेशिक मौसम केन्द्र के निदेशक के कार्यालय के व्यवसायिक सहायक श्री एस० के० साहा को 27 अक्टूबर, 1975 के पूर्वार्द्ध से और आगामी आदेशों तक स्थानापन्न रूप में सहायक मौसम विशेषज्ञ नियुक्त करते हैं।

सहायक मौसम विशेषज्ञ श्री एस० के० साहा, नागपुर प्रादेशिक मौसम केन्द्र के निदेशक के कार्यालय में ही तैनात रहेंगे।

सं० ई० (1) 06389—वेधशालाओं के महानिदेशक, नई दिल्ली के प्रादेशिक मौसम केन्द्र के निदेशक के अधीन लखनऊ मौसम केन्द्र के व्यवसायिक सहायक, श्री राम स्नेही को 8 अक्टूबर, 1975 पूर्वार्द्ध से और आगामी आदेशों तक स्थानापन्न रूप में सहायक मौसम विशेषज्ञ नियुक्त करते हैं।

स्थानापन्न सहायक मौसम विशेषज्ञ, श्री राम स्नेही, कलकत्ता प्रादेशिक मौसम केन्द्र के निदेशक के अधीन गोहाटी मौसम केन्द्र में तैनात किए गए हैं।

सं० ई० (1) 07099—वेधशालाओं के महानिदेशक, नागपुर प्रादेशिक मौसम केन्द्र के निदेशक के अधीन ग्वालियर मौसम कार्यालय के व्यवसायिक सहायक श्री सी० के० जैन को 16 अक्टूबर, 1975 के अपराह्न से और आगामी आदेशों तक स्थानापन्न रूप में सहायक मौसम विशेषज्ञ नियुक्त करते हैं।

स्थानापन्न सहायक मौसम विशेषज्ञ, श्री सी० के० जैन, कलकत्ता प्रादेशिक मौसम केन्द्र के निदेशक के अधीन गोहाटी मौसम केन्द्र में तैनात किए गए हैं।

एम० आर० एन० मनियन
मौसम विशेषज्ञ
कृते वेधशालाओं के महानिदेशक

विदेश संचार सेवा

बम्बई, दिनांक 12 नवम्बर 1975

सं० 1/369/75-स्था०—विदेश संचार सेवा के एतद्वारा नई दिल्ली शाखा के स्थायी पर्यवेक्षक, श्री भगत सिंह को एक अल्पकालीन रिक्त स्थान पर 5-5-75 से लेकर 13-10-75 (दोनों दिन समेत) तक की अवधि के लिए उसी शाखा में स्थानापन्न रूप से परियात प्रबन्धक नियुक्त करते हैं।

सं० 1/370/75-स्था०—विदेश संचार सेवा के एतद्वारा नई दिल्ली शाखा के स्थायी पर्यवेक्षक, श्री बी० के० सूरी को एक अल्पकालीन रिक्त स्थान पर 28-7-75 से लेकर 30-9-75 (दोनों दिन समेत) तक की अवधि के लिए उसी शाखा में स्थानापन्न रूप से परियात प्रबन्धक नियुक्त करते हैं।

एम० एस० कृष्णस्वामी
प्रशासन अधिकारी,
कृते महानिदेशक

केन्द्रीय उत्पादन शुल्क तथा सीमा शुल्क समाहर्तालय

पटना, दिनांक 13 नवम्बर 1975

सं० 11(7)5-स्था०-75/10869—श्री एस० डी० चौधरी, स्थानापन्न अधीक्षक, द्वितीय श्रेणी, केन्द्रीय उत्पाद तथा सीमा शुल्क समाहर्तालय, पटना दिनांक 31-10-75 (अपराह्न) से सेवा निवृत्त हुए।

हरिनारायण साहु
समाहर्ता,

निरीक्षण निदेशालय

सीमा तथा केन्द्रीय उत्पाद शुल्क

नई दिल्ली-1, दिनांक 15 नवम्बर 1975

सं० 13/75—श्री एस० रामुजी जो कि पिछले दिनों समाहर्तालय हैदराबाद, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क में अधीक्षक श्रेणी-2 के पद पर नियुक्त थे, निरीक्षण निदेशालय, सीमा तथा केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, मध्य प्रादेशिक एकक, हैदराबाद में दिनांक 1-11-75 के दोपहरपूर्व से निरीक्षण अधिकारी सीमा तथा केन्द्रीय उत्पादन शुल्क, श्रेणी-2 का कार्यभार सम्भाल लिया है।

सं० फा० 14/75—निरीक्षण निदेशक, सीमा तथा केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, नई दिल्ली को यह सूचना देते हुए दुःख है कि श्री एन०वीरसालिगम, जो कि निरीक्षण निदेशालय सीमा तथा केन्द्रीय उत्पाद शुल्क के मध्य एकक, हैदराबाद में निरीक्षण अधिकारी, सीमा तथा केन्द्रीय उत्पाद शुल्क श्रेणी 2 पर नियुक्त थे, की मृत्यु दिनांक 30-10-75 को हो गई।

एम० एस० मेहता
निरीक्षण निदेशक
सीमा तथा केन्द्रीय उत्पाद शुल्क

बीमा नियंत्रक का कार्यालय

शिमला-4, दिनांक 13 नवम्बर 1975

सं० इन्शुरो 19(1)-प्रशा०/74— सर्वे श्री सुरेश आनंद तथा एस० एल० जैन ने, जो इस कार्यालय में प्रवर परीक्षक के पद पर, रु० 840-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतन भान में नियुक्त किए गए हैं, दिनांक 8 सितम्बर, 1975 की पूर्वाह्न से कार्यभार संभाल लिया है। वे दो वर्ष की अवधि तक परिबीक्षा पर रहेंगे।

जी० एच० दामले
बीमा नियंत्रक

केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग

प्रमुख इंजीनियर कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक सितम्बर 1975

सं० 27-ई०/सी०(10)/69-ई० सी०-II—केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग के श्री के० जी० चोपड़ा, कार्यपालक इंजीनियर और जो दिल्ली लघु उद्योग विकास लिमिटेड, नई दिल्ली में प्रतिनियुक्ति पर थे, बाढ़ेक्ष्य की आयु प्राप्त करने पर 31-8-75 (पूर्वाह्न) से सरकारी सेवा से निवृत्त हुए।

दिनांक 3 अक्तूबर 1975

सं० 30/5/74-ई० सी०-I—राष्ट्रपति, 1970 में हुई संयुक्त इंजीनियरी सेवा के आधार पर केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग में केन्द्रीय इंजीनियरी सेवा श्रेणी-I और केन्द्रीय विद्युत इंजीनियरी सेवा श्रेणी-1 में, परिबीक्षाधीन नियुक्त निम्नलिखित सहायक कार्यपालक इंजीनियरों (सिविल और विद्युत) की सहायक कार्यपालक इंजीनियरी के वेतनमान में उनके नाम के आगे दी हुई तिथि से स्थायी घोषित करते हैं :—

क्रम सं०	नाम	ग्रेड	तिथि
सर्वश्री			
1	के० एस० दिलवारी	सहायक कार्यपालक इंजीनियर (सिविल)	27-11-73
2	प्रभाग सिंह	-वही-	10-11-73
3	के० श्रीनिवासन	-वही-	20-12-73
4	एच० एस० डोगरा	-वही-	1-12-73
5	अनंत राम	-वही-	8-11-73
6	के० राममूर्ति	-वही-	24-11-73
7	एम० के० कंचन	-वही-	15-12-73
8	मुन्नु लाल	-वही-	29-10-73
अपराल्ल			
9	सुरेन्द्र मोहन	सहायक कार्यपालक इंजीनियर (विद्युत)	29-11-73
10	एस० गोपाल	-वही-	29-11-73

पी० एस० पारवानी
प्रशासन उप-निदेशक

नई दिल्ली, दिनांक 12 नवम्बर 1975

सं० 27-ए० ई०/सी० (2)/74-ई० सी०-II—श्री अशोक कुमार चौधरी, सहायक कार्यपालक इंजीनियर, गंगटोक केन्द्रीय

मंडल, गंगटोक का 18 अक्तूबर, 1975 को देहान्त हो गया।

पी० एस० पारवानी
प्रशासन उप-निदेशक
कृते प्रमुख इंजीनियर

सलाल जल विद्युत परियोजना

ज्योतिपुरम, दिनांक 13 नवम्बर 1975

सं० सी ई एस पी/ई सी-44/75/20583-91—श्री कुलभूषण शर्मा को सलाल जल विद्युत परियोजना जम्मू तथा कश्मीर में सहायक अभियंता के रूप में प्रतिनियुक्ति के आधार पर स्थानापन्न क्षमता में तदर्थ रूप में 10-11-1975 की पूर्वाह्न से छः मास की अवधि के लिए नियुक्त किया जाता है।

सं० सी ई एस पी/ई सी-44/75/20592-99—श्री ए० के० कंजवाल को सलाल जल विद्युत परियोजना जम्मू और कश्मीर में सहायक अभियंता के रूप में प्रतिनियुक्ति के आधार पर स्थानापन्न क्षमता में तदर्थ रूप में 10-11-1975 की पूर्वाह्न को छः मास की अवधि के लिए नियुक्त किया जाता है।

एन० एन० एण्डले

मुख्य अभियंता

सलाल जल विद्युत

परियोजना ज्योतिपुरम

(जे० एण्ड के०)

उत्तर रेलवे

नई दिल्ली, दिनांक जुलाई 1975

सं० 728ई०/146 (ई०/ए०)—इस रेलवे के सहायक भण्डार नियंत्रक (वर्ग II) श्री हरबिलास सिंह 31 मई 1975 (अपराल्ल) से रेल सेवा से अन्तिम रूप से सेवा-निवृत्त हो गए हैं।

बी० पी० साहनी

महाप्रबन्धक

कम्पनियों के रजिस्ट्रार का कार्यालय

कम्पनी अधिनियम 1956 एवं नहरकटिया ब्रिक वर्क्स लिमिटेड के विषय में

शिलांग, दिनांक 14 नवम्बर 1975

सं० 1208/560/3452—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि नहरकटिया ब्रिक वर्क्स लिमिटेड का नाम प्राज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित कर दी गई है।

एस० पी० वशिष्ठ

कम्पनियों का रजिस्ट्रार

असम, मेघालय, मणीपुर, त्रिपुरा, नागालैंड,

अरुणाचल प्रदेश व मिजोरम, शिलांग

कम्पनी अधिनियम 1956 एवं सेंट्रल माईन्स लिमिटेड के विषय में

बम्बई, दिनांक 12 नवम्बर 1975

सं० 9282/560 (3)—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर सेंट्रल माईन्स लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण वर्धित न

किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

एस० नारायणन
कम्पनियों का अतिरिक्त रजिस्ट्रार
महाराष्ट्र

कार्यालय, आयकर अपील अधिकरण
बम्बई-20, दिनांक 14 नवम्बर 1975

सं० एफ० 48 ए० डी० (ए० टी०)/75-पी०-II—श्री के० बी० श्रीवास्तव, वरीय अधीक्षक आयकर अपील अधिकरण, बम्बई न्यायपीठ, बम्बई को 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान पर 15-11-1975 (अपराह्न) से 15-5-1976 (अपराह्न) तक अर्थात् छह महीने की अवधि के लिए श्री एस० आर० वर्मा के स्थान पर अस्थायी क्षमता में तदर्थ आधार पर, 'आयकर अपील अधिकरण, बम्बई न्यायपीठ, बम्बई' में सहायक रजिस्ट्रार के पद पर स्थानापन्न रूप से तब तक के लिए जब तक कि उक्त पद हेतु संघ लोक सेवा आयोग द्वारा मनोनीत व्यक्ति की नियमित नियुक्ति नहीं हो जाती, जो भी शीघ्रतर हो, नियुक्त किया जाता है।

हरमान शंकर
अध्यक्ष

आयकर आयुक्त का कार्यालय
बम्बई, दिनांक 3 अक्टूबर 1975
आयकर, राजपत्रित स्थापना

सं० 758—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43वां) की धारा 117 की उपधारा (2) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मै० ओ० बी० कुशविल्ला, आयकर आयुक्त बम्बई नगर-1, बम्बई ने आयकर निरीक्षक निम्नलिखित निरीक्षकों को, उनके नाम के सामने दी हुई तारीख से प्रगल्भा आदेश होने तक, स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए आयकर अधिकारी, श्रेणी-II नियुक्त कर दिया है :—

1. श्री आर० डी० परेरा, निरीक्षक स्पेशल रेंज-1, बम्बई। (पूर्वाह्न) 26-5-75
2. श्री एल० के० जोशी, निरीक्षक, सेंट्रल, बम्बई। (पूर्वाह्न) 29-5-75
3. श्री पी० नारायणन, निरीक्षक, मुख्य लेखा-परीक्षक कार्यालय बम्बई। (पूर्वाह्न) 26-5-75
4. श्री के० पी० डी० नायर, निरीक्षक, अर्जन रेंज, बम्बई। (अपराह्न) 28-7-75
5. श्री बी० पी० डेनियल, निरीक्षक, सेंट्रल बम्बई। (अपराह्न) 31-7-75
6. श्री बी० बी० पाटोल, निरीक्षक, सी०-3 वार्ड, बम्बई। (अपराह्न) 28-7-75
7. कु० एम० बी० नाईक, निरीक्षक, आयकर आयुक्त कार्यालय, बम्बई। (अपराह्न) 28-7-75
8. श्री एम० के० उदासी, निरीक्षक, वरिष्ठ प्राधिकृत प्रतिनिधि का कार्यालय, बम्बई। (पूर्वाह्न) 28-7-75

9. श्री टी० डी० पाटोल, निरीक्षक, एस०-बी०-2, बम्बई। (पूर्वाह्न) 28-7-75
10. श्रीमती लक्ष्मी श्रीनिवासन, निरीक्षक, कार्यालय मुख्य-लेखा परीक्षक, बम्बई। (पूर्वाह्न) 28-7-75
11. श्री वार्ड० बी० एस० एस० भास्करराव, निरीक्षक, आयकर आयुक्त कार्यालय, बम्बई। (पूर्वाह्न) 29-7-75
12. श्री एच० एच० वजीरानी, निरीक्षक, ए०-4 वार्ड, बम्बई। (पूर्वाह्न) 30-7-75
13. श्री के० टी० जोसफ, निरीक्षक, मार्केट वार्ड, बम्बई। (अपराह्न) 28-7-75
14. श्री डी० आर० बेनट, निरीक्षक, डी-1 वार्ड, बम्बई। (पूर्वाह्न) 28-7-75
15. श्री आर० एस० महाजन, निरीक्षक, कार्यालय-उपनिदेशक (खुफिया), बम्बई। (पूर्वाह्न) 29-7-75
16. श्री पी० एस० पाटोल, निरीक्षक, कार्यालय, मु० ले० प०। (अपराह्न) 28-7-75
17. श्री पी० ए० अग्रवाल, निरीक्षक, कम्पनी सर्कल-1, बम्बई। (पूर्वाह्न) 28-7-75
18. श्री पी० बी० कुलकर्णी, निरीक्षक, बी०-3 वार्ड, बम्बई। (पूर्वाह्न) 29-7-75
19. श्री एम० माधवन, निरीक्षक, सी०-1 वार्ड, बम्बई। (अपराह्न) 30-7-75
20. श्री एम० सी० मखीजा, निरीक्षक, कम्पनी, सर्कल-4। (अपराह्न) 28-7-75
21. श्री आर० बी० अहूजा, निरीक्षक, सी०-4 वार्ड, बम्बई। (पूर्वाह्न) 29-7-75
22. श्री बी० सी० भोला, निरीक्षक, कम्पनी सर्कल-1, बम्बई। (पूर्वाह्न) 29-7-75
23. श्री जे० मथिया, निरीक्षक, बी०-1 वार्ड, बम्बई। (पूर्वाह्न) 1-8-75
24. श्री सी० टी० थोमस, निरीक्षक, ए०-III वार्ड, बम्बई। (पूर्वाह्न) 31-7-75
25. श्री गंगा राजन, निरीक्षक, कार्यालय आयकर-आयुक्त, बम्बई। (पूर्वाह्न) 28-7-75
26. श्री डी० पी० राठौर, निरीक्षक, कार्यालय, उपनिदेशक (खुफिया), बम्बई। (पूर्वाह्न) 28-7-75
27. श्री डी० के० कम्वाल, निरीक्षक, डी०-II वार्ड, बम्बई। (पूर्वाह्न) 29-7-75

2. भारत सरकार, वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) नई दिल्ली, के तारीख 25-4-75 के पत्र सं० फाइल सं० 22/3/64-प्र०-5 के निबंधनाधीन वे दो वर्ष की अवधि के लिए परीक्षा पर रहेंगे। यह अवधि यथावश्यक बढ़ाई भी जा सकती है। इस पद पर उनका स्थायीकरण अथवा बने रहना परीक्षा अवधि को सफलतापूर्वक पूर्ण करने पर निर्भर करेगा।

3. इनकी नियुक्ति पूर्णतः अस्थायी व अनन्तिम आधार पर की गई है जो किसी भी समय बिना किसी सूचना के समाप्त की जा सकेगी।

ओ० बी० कुशविल्ला,
आयकर आयुक्त
बम्बई नगर-I, बम्बई

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, शिलांग

शिलांग, दिनांक 28 अक्टूबर 1975

निदेश सं० ए०-110/शिलांग/75-76/3682-90—

अतः मुझे, एगवर्ट सिंग,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43),
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा
गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी
को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और
जिसकी सं० प्लॉट नं० 74(1) दि० सी० का पत्ता नं० 45(1)
द्वारा है तथा जो जि० एस० रोड, पुलिस बाजार, शिलांग
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित
है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय शिलांग में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जून
1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से
कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या
किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री एस० के० बजोरिया पुलिस बाजार, शिलांग।
(अन्तरक)

2. श्री एस० के० चोपरा लाचमिएर, शिलांग (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन के माप 8206 एकड़ फिट जो प्लॉट नं० 74(1)
दि० सि० का पड़ी नं० 45(1) में पड़ी है और साथ में एक कच्चा
मकान जि० एस० रोड, पुलिस बाजार बार्ड शिलांग जिला
खासी पहाड़ मेघालया प्रदेश में स्थित है।

एगवर्ट सिंग,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, शिलांग

तारीख : 28-10-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

चण्डीगढ़, दिनांक 22 नवम्बर 1975

निदेश सं० एल० डी० एच०/सी०/1174/75-76/—अतः मुझे, विवेक प्रकाश मिनोचा, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० सिविल लाईन लुधियाना में शीप शैक रोड़ पर 605 वर्ग गज का एक प्लॉट है तथा जो लुधियाना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय लुधियाना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मई 1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे, दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण, में, मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

1. श्री जय प्रकाश पुत्र श्री राजा राम निवासी राजपुरा रोड़ सिविल लाईनज लुधियाना (अन्तरक)

2. श्री प्रेम नाथ पुत्र श्री कुलवंत राय निवासी मण्डी अहमदगढ़ (संगरूर) (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक प्लॉट, क्षेत्रफल 605 वर्ग गज जोकि शीप शैक रोड़ सिविल लाईनज लुधियाना में स्थित है।

[जैसे कि रजिस्ट्रीकृत के विलेख नं० 1430 मई 1975 में सब-रजिस्ट्रार लुधियाना (शहरी) के कार्यालय में लिखा है]

विवेक प्रकाश मिनोचा,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

तारीख : 22-11-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

चण्डीगढ़, दिनांक 22 नवम्बर 1975

निवेश सं० जे० डी० आर०/8/75-76/—अतः, मुझे, विवेक प्रकाश मिनोचा, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 1/4 भाग प्लॉट नं० ई-28 और ई-29 इन्डस्ट्रियल एरिया यमुनानगर है तथा जो रामनगर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जगाधरी में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक मई, 1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिणी (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री जगदीश प्रसाद पुत्र श्री मूल राज गांव यमुनानगर तहसील जगाधरी (अन्तरक)

2. (i) श्री विद्या सागर पुत्र श्री चमन लाल

(ii) श्री प्रदीप कुमार पुत्र श्री विद्या सागर निवासी यमुनानगर तहसील जगाधरी (अन्तरिणी)

3. मै० एक्सेस्ट प्लास्टिक और कैमिकल्स ई-28 और 29, इन्डस्ट्रियल एरिया, यमुनानगर (वह व्यक्ति जिसके, अधिभोग में संपत्ति है)

4. (i) श्री सुदेश कुमार सोंगल पुत्र श्री दमोदर दास, निवासी जगाधरी

(ii) श्री सुदेश कुमार पुत्र श्री दमोदर दास निवासी जगाधरी (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह संपत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/4 भाग प्लॉट नं० ई-28 और 297 इन्डस्ट्रियल एरिया यमुनानगर।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत के विलेख नं० 682 मई, 1975 में सब-रजिस्ट्रार जगाधरी के कार्यालय में लिखा है)

विवेक प्रकाश मिनोचा,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

तारीख : 22-11-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

चण्डीगढ़, दिनांक 22 नवम्बर 1975

निदेश सं० जे० डी० आर०/9/75-76/—अतः मुझे, विवेक प्रकाश मिनोचा, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 1/4 भाग प्लॉट नं० ई-28 और 29 है तथा जो इन्डस्ट्रियल एरिया यमुनानगर में स्थित है और (इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जगाधरी में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई, 1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की नाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. (1) श्री रंजन प्रकाश पुत्र श्री राम प्रसाद
- (2) श्री दिनेश कुमार पुत्र श्री ईशवर प्रकाश निवासी गांव लाडवा तहसील थानेसर (अन्तरक)
2. श्री सुदेश कुमार सोंगल पुत्र श्री दमोदर दास निवासी-जगाधरी। (अन्तरिती)
3. मै० एवरेस्ट प्लास्टिक और कैमिकल्स ई-28 और 29, इन्डस्ट्रियल एरिया, यमुनानगर (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति है)
4. (i) श्री विद्या सागर पुत्र श्री चमन लाल
- (ii) श्री प्रदीप कुमार पुत्र श्री विद्या सागर
- (iii) श्री सुदेश कुमार पुत्र श्री दमोदर दास निवासी यमुनानगर। (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह संपत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/4 भाग प्लॉट नं० ई-28 और 29 इन्डस्ट्रियल एरिया यमुनानगर।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत के विलेख नं० 683 मई, 1975 सब रजिस्ट्रार जगाधरी के कार्यालय में लिखा है?)

विवेक प्रकाश मिनोचा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

तारीख: 22-11-1975

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

चण्डीगढ़, दिनांक 22 नवम्बर 1975

निदेश सं० जे० डी० आर०/10/75-76/—प्रतः मुझे,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43), (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से
अधिक है

और जिसकी सं० 1/4 भाग प्लॉट नं० ई-28 और 29 है तथा
जो इन्डस्ट्रियल एरिया यमुनानगर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय, जगाधरी में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, तारीख मई, 1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के
उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से
कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त
अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम',
या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का
27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

प्रतः अब 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-ब के अनुसरण
में, मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

1. श्री अववेश कुमार पुत्र श्री राम प्रसाद निवासी गांव लाडवा
तहसील थानेसर जिला कुरुक्षेत्र (अन्तरक)
 2. श्री सुदेश कुमार पुत्र श्री दमोदर दास निवासी जगाधरी।
(अन्तरिती)
 3. मैं० एवरेस्ट प्लास्टिक और कैंमिकल, ई-28 और 29
इन्डस्ट्रियल एरिया, यमुनानगर, (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में
सम्पत्ति है)
 4. (i) श्री विद्या सागर पुत्र श्री चमन लाल
(ii) श्री प्रदीप कुमार पुत्र श्री विद्या सागर
(iii) श्री सुवेश कुमार सोनल पुत्र श्री दमोदर दास
निवासी जगाधरी (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)
- को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिये एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

1/4 भाग प्लॉट नं० ई-28 और 29 इन्डस्ट्रियल एरिया
यमुनानगर।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत के विलेख नं० 686 मई, 1975
में सब रजिस्ट्रार जगाधरी के कार्यालय में लिखा है)

विवेक प्रकाश मिनोचा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

तारीख : 22-11-1975
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

चण्डीगढ़, दिनांक 22 नवम्बर 1975

निर्देश सं० डी० एल० आई०/139/75-76/—अतः सुझे,
विवेक प्रकाश मिनोचा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० फैक्टरी गौड गांव डंडीहेरा तहसील और जिला
गुडगांवा (हरियाणा) है तथा जो गांव डंडीहेरा, तहसील और
जिला गुडगांवा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
तारीख, मई 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से
कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित
की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है
कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से
अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त
अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम,
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना
चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः जब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में
मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—
3—366 GI/75

1. मुख्य अधिकारी, मै० राजा मैकेनिकल कंपनी प्राईवेट
लिमिटेड 33-छिन्टीगंज, सदर बाजार, दिल्ली-6 (अन्तरक)

2. मुख्य अधिकारी, मै० एक्सपोर्ट इंडिया कारपोरेशन
प्राईवेट लिमिटेड बी० 1/30-ए, हौज खास, एनकलेव नई दिल्ली-16
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख
से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों
पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि
जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो के भीतर
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से, किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख
से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति
में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो
'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फैक्टरी गौड जोकि गांव डंडीहेरा तहसील और जिला गुडगांवा
(हरियाणा) में स्थित है।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत के विलेख नं० 593 मई 1975 में
सब-रजिस्ट्रार दिल्ली के कार्यालय में लिखा है)

विवेक प्रकाश मिनोचा
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

तारीख : 22 नवम्बर, 1975
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

चण्डीगढ़, दिनांक 22 नवम्बर 1975

निदेश सं० सी० ए० डी०/29/75-76/—अतः मुझे, विवेक
प्रकाश मिनोचा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961

का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा
गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है
और जिसकी सं० 1/2 भाग शाप कम फ्लोर नं० 2 सैक्टर 27-डी
है तथा जो चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख मई 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम,
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना
चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन,
निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री रनधीर सिंह पुत्र श्री सर्वन सिंह गांव धनानसू जिला
लुधियाना (अन्तरक)

2. सर्व श्री (i) स्वर्जीत सिंह पुत्र प्रशन्न सिंह निवासी
श्री करनपुर जिला श्री गंगानगर (राजस्थान) (अन्तरिती)

3. जनरल मैनेजर, पंजाब स्टेट कोओपरेटिव बैंक, चण्डीगढ़।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति है)

4. (i) श्री शाम सिंह, मकान नं० 6 सैक्टर 16-ए, चण्डीगढ़

(ii) श्री दर्शन सिंह पुत्र करतार सिंह निवासी गांव और
डाकघर जंडीवाली जिला जालन्धर।

(iii) श्री जस्वीर सिंह पुत्र श्री जगत सिंह निवासी गांव
और डाकघर कोटगरेवाल जिला जालन्धर (वह व्यक्ति, जिसके बारे
में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह संपत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/2 भाग शाप कम फ्लोर नं० 3, जोकि सैक्टर 27-डी,
चण्डीगढ़।

विवेक प्रकाश मिनोचा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

तारीख : 22-11 1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

चण्डीगढ़, दिनांक 22 नवम्बर 1975

निदेश सं० सी० एच० डी०/53/75-76/---अतः मुझे, विवेक प्रकाश मिनोचा, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 1/2 भाग शाप कम प्लैट नं० 3 सैक्टर 27-डी है तथा जो चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जून, 1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :-

1. श्री रनधीर सिंह पुत्र श्री सर्वन सिंह गांव धनानसू, जिला लुधियाना। (अन्तरक)

2. सर्वश्री (i) दर्शन सिंह पुत्र श्री करतार सिंह निवासी गांव और डाकवर जंडियाली जिला जालन्धर।

(ii) जस्वीर सिंह पुत्र जगत सिंह निवासी गांव और डाक-घर कोट गरेवाल, जिला जालन्धर। (अन्तरिती)

3. जनरल मैनेजर, पंजाब स्टेट कोऑपरेटिव बैंक, चण्डीगढ़। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति है)

4. (i) श्री सर्वजीत सिंह पुत्र श्री प्रधान सिंह निवासी श्री करन-पुर जिला श्री गंगानगर।

(ii) श्री शाम सिंह, मकान नं० 6, सैक्टर 16-ए, चण्डीगढ़ (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह संपत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 15 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/2 भाग शाप कम प्लैट नं० 3 जोकि सैक्टर 27-डी चण्डीगढ़ में स्थित है।

विवेक प्रकाश मिनोचा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

तारीख : 22-11-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक नवम्बर 1975

निर्देश सं० ए० पी० 1387:—यतः, मुझे, रवीन्द्र कुमार, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और और जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 10570 मार्च, 1975 में बस्ती चौक जालन्धर में स्थित है (और इससे उप-वद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-ग के अनु-सरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ की उप-धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:-

1. श्री पाल सिंह अटारनी सुन्दर कौर, जसवीर कौर, प्रितपाल कौर उत्तराधिकारी आफ डा० सन्तोख सिंह आफ जालन्धर, (अन्तरक)

2. श्री महिन्द्र सिंह, गुरदेवी, बलवीर कौर जसवाल सिंह, डब्ल्यु जी० 323-24 जी० टी० रोड, निकट बस्ती रोड, जालन्धर (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना का तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 10570 मार्च, 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार,
सक्षम अधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख :
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक

1975

निर्देश सं० ए० पी०-1388:—यतः, मुझे, रवीन्द्र कुमार, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है, कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 10536, मार्च, 1975 में है तथा जो सोडल नगर जालन्धर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च, 1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री तरसेम लाल भारद्वाज, जालन्धर । (अन्तरक)

2. श्री ओम प्रकाश सयुक्त श्री मेला राम 36 सोडल नगर, जालन्धर । (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है ।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है ।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

सम्पत्ति जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 10536 मार्च, 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है ।

रवीन्द्र कुमार,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, जालन्धर ।

तारीख : 1975
मोहर :

प्ररूप आई०टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 1975

निदेश सं० ए० पी०-1389:—यतः, मुझे, रवीन्द्र कुमार, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 10583 मार्च, 1975 में है तथा जो सैन्ट्रल टाउन जालन्धर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च, 1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए हय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए ।

अतः अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री कुलदीप चन्द, कपूर चन्द सपुत्र श्री लक्ष्मी राम एन० जे० 474 सीतलामन्दिर जालन्धर । (अन्तरक)

2. श्री रन्धीर सिंह सपुत्र जगदेव सिंह निवासी 36 ए० सैन्ट्रल टाउन जालन्धर । (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है ।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है) ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

सम्पत्ति जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 10583 मार्च, 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है ।

रवीन्द्र कुमार,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रंज, जालन्धर ।

तारीख : 1975
मोहर :

प्ररूप आई०टी०एन०एम०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयुक्त आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 1975

निदेश सं० ए० पी०-1390:---यतः, मुस, रवीन्द्र कुमार,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 4727 मार्च,
1975 में है तथा जो मुहल्ला जालन्धर में स्थित है (और इससे
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-
कारी के कार्यालय, नवां शहर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च, 1975 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक से रूप कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में
सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या कि-नी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम
या धन-कर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए
था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः, अब, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ
की उप-धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

1. श्री जगदीश पाल सपुत्र श्री बाला सिंह निवासी मुहल्ला
तहसील नवां शहर । (अन्तरक)

2. श्री जगजीत सिंह सपुत्र श्री भगवान सिंह सतपाल सिंह,
नरीन्द्र पाल सिंह सपुत्र जगजीत सिंह निवासी राम पुर तहसील
फगवाड़ा । (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है ।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग
में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है ।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में
अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह
सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख
से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो
भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 4727 मार्च, 1975
को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है ।

रवीन्द्र कुमार,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयुक्त आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, जालन्धर ।

तारीख : 1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय,

अर्जन रेंज 2, दिल्ली-1

4/14-ए, आसफ अली रोड नई दिल्ली ।

नई दिल्ली, दिनांक 28 नवम्बर, 1975

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यु०/11/308 (946)/
75-76/—यतः, मुझे, एस० एन० एल० अग्रवाल,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है
और जिसकी सं० सी०-24 है, जो नवीन शाहदरा, दिल्ली में स्थित
है (और इससे उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्री-
करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 29-3-75
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए ;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री राम प्रसाद, सुपुत्र श्री भोला नाथ, निवासी 2830,
गली नं० 5, कुतब रोड, दिल्ली । (अन्तरक)

2. श्री अमरीत अरोरा, पत्नी श्री कैलाश चन्द्र, निवासी
10/18, नवीन शाहदरा, (सी०-24) दिल्ली-32 ।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो
उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

एक मकान जिसका प्लॉट नं० सी०-24 है और क्षेत्रफल 172
वर्ग गज है तथा पुराना नं० 1586/24 है और नया नं० 10/18
है तथा जोकि नवीन शाहदरा एक्सटेंशन, शाहदरा इलाके में, दिल्ली
में स्थित है ।

एस० एन० एल० अग्रवाल,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 29 नवम्बर, 1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय,
अर्जन रेंज-2, दिल्ली-1

4/14-ए, आसफअली रोड, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 28 नवम्बर, 1975

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यु०/11/1877 (947)/75-
76:—यतः, मुझे, एस० एन० एल० अग्रवाल,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० (होटल) 1/6 का 1/3 भाग है, जो टूरिस्ट, राम
नगर, पहाड़ गंज, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन 31-3-75
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य
से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कभी करने या उससे वचने में
सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—
4—366CH/75

1. श्रीमती वीना गुप्ता, पत्नी श्री राजेश्वर नाथ गुप्ता,
निवासी 73, अन्मारी रोड, दिल्ली। (अन्तरक)

2. श्रीमती सविता गुप्ता, पत्नी श्री आर० के० गुप्ता,
निवासी 16-बी०/4, आसफ अली रोड, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो
उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

तीन मंजिला मकान का 1/6 भाग का 1/3 हिस्सा जोकि निम्न
मंजिल पर बना हुआ है जिसका क्षेत्रफल 1803.23 वर्ग गज है
तथा जोकि टूरिस्ट होटल के नाम से जाना जाता है, राम नगर, नई
दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है :—

पूर्व : घास वाला लॉन तथा सड़क,

पश्चिम : अन्य बिल्डिंग्स

उत्तर : मधु गुप्ता द्वारा अपनाए गए बिल्डिंग का हिस्सा।

दक्षिण : विमला गोयल द्वारा अपनाई गई बिल्डिंग का हिस्सा।

एस० एन० एल० अग्रवाल,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 28 नवम्बर, 1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, दिल्ली-1

4/14-ए, आसफ अली रोड, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 28 नवम्बर, 1975

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/11/1877 (947)/
75-76:—यतः, मुझे, एस० एन० एल० अग्रवाल,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० (होटल) 1/6 का 1/3 भाग है, जो ट्रस्ट,
राम नगर, पहाड़ गंज, दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन 31-3-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य
से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आम्नियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का
27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं
किया गया था या किया जाना चाहिए था,
छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब
की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती बीना गुप्ता, पत्नी श्री राजेश्वर तथा गुप्ता,
निवासी 73, अनसारी रोड, दिल्ली। (अन्तरक)

2. श्रीमती सविता गुप्ता, पत्नी श्री आर० के० गुप्ता,
निवासी 16-बी०/4, आसफ अली रोड, नई दिल्ली।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के नाम लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

तीन मंजिला मकान के 1/6 भाग का 2/3 हिस्सा जोकि पहली
तथा दूसरी मंजिल पर प्लॉट की भूमि पर बना हुआ है जिसका क्षेत्र-
फल 1803.23 वर्ग गज है तथा जोकि ट्रस्ट होटल के नाम में
जाना जाता है, राम नगर, नई दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित
है।

पूर्व : घास वाला लान तथा सड़क,

पश्चिम : अन्य बिल्डिंग्स,

उत्तर : मधु गुप्ता द्वारा अपनाई गई बिल्डिंग का हिस्सा।

दक्षिण : विमला गोयल द्वारा अपनाया गया बिल्डिंग का हिस्सा।

एस० एन० एल० अग्रवाल,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 28 नवम्बर, 1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय,
अर्जन रेंज-2, दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 28 नवम्बर, 1975

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यु०/11/293(941)/75-76:—यतः, मुझे, एस० एन० एल० अग्रवाल,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० ए०-18 है, जो वैस्ट आजाद नगर, शाहदरा इलाका, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 4-3-75

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृक्षमान प्रतिफल के लिए अन्तरित कि गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृक्षमान प्रतिफल से, ऐसे वृक्षमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों प्रार्थित:—

1. श्री केहर सिंह, सुपुत्र एस० प्रताप सिंह, निवासी 10/123, वैस्ट आजाद नगर, कृष्ण नगर के पास, दिल्ली-51।

(अन्तरक)

2. श्री वासुदेव सरना, सुपुत्र एल० चेत राम सरना, दुकान नं० 343, लाजपत राय मार्केट, दिल्ली-6। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक मंजिला मकान जोकि प्लॉट की भूमि पर बना है जिसका क्षेत्रफल 115.2 वर्ग गज है और नं० 18, ब्लाक नं० ए (ए०-18) है तथा जोकि वैस्ट आजाद नगर, शाहदरा इलाका, दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है:—

पूर्व : गली,

पश्चिम : जायदाद नं० ए०-18 का भाग

उत्तर : गली,

दक्षिण : सड़क।

एस० एन० एल० अग्रवाल,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख : 28 नवम्बर, 1975।

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, दिल्ली-1

4/14ए०, असफ अली रोड, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 28 नवम्बर 1975

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/11/1870 (939)/
75-76:—यनः, मुझे, एग० एन० एल० अग्रवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की
धारा 269-घ के अधीन मध्यम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० 4559 है, जो कूचा बीबी गोहर, चरकेवालन,
दिल्ली-6 में स्थित है (योर एग० उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), राजस्वीकृत अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली
में राजस्वीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, 22-3-75

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई
है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति
का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐग
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक
है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरिनियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से
कायित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या धनकर अधिनियम, 1957 (1957
का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए
था, छिपाने में सुविधा के लिए;

: अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग
के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की
उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्री जगदीश प्रसाद (2) राजेशवर प्रसाद (3) महेश
चन्द (4) ओम प्रकाश (5) सत्या प्रकाश (6) प्रेम प्रकाश
(7) जय प्रकाश (8) विनोद प्रकाश (9) चमन प्रकाश
सभी सुपुत्र एल० सुरज प्रकाश, निवासी ए०-5, हाउस
खास, नई दिल्ली (10) श्रीमती कृष्णा कान्ता, पत्नी श्री उमराओं
मिह, निवासी जी०-7, हाउस खास, नई दिल्ली (11) श्रीमती
गुणोला देवी, पत्नी श्री रामाकान्त अग्रवाल, निवासी जी०-55,
ग्रीन पार्क, नई दिल्ली। (अन्तरक)

(2) श्री गोपाल किशन माथुर, सुपुत्र श्री वाजीर चन्द, निवासी
4559, कूचा बीबी गोहर, चरकेवालन, दिल्ली-6 (2) श्रीमती
शकुन्ता रानी, पत्नी श्री वाजीर चन्द, निवासी 4559, कूचा बीबी
गोहर, चरकेवालन, दिल्ली-6। (अन्तरिती)

(3) श्री गुरुवीर चन्द (2) दिनेश चन्द (3) राकेश चन्द
(4) हरिण चन्द (5) मनदीप (6) राजीव (7) रामेश चन्द
(8) छोट (9) गुरेश चन्द (10) श्रीमती राजेशवरी देवी
(11) श्रीमती काशमीरन (12) श्रीमती उपा (13) श्रीमती
मनु (14) सोनू रानी सुपुत्री श्री गुरेश चन्द (15) श्रीमती
महादेवी पत्नी एल० मूल चन्द, सभी निवासी 4559, कूचा
बीबी गोहर, दिल्ली-6।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)
को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

एक तीन मंजिला बिल्डिंग जोकि 268 वर्ग गज जमीन पर
बनी है तथा जोकि 4559, वार्ड नं० 6, कूचा, गोहर चरकेवालन,
दिल्ली में स्थित है।

एस० एन० एल० अग्रवाल,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 28 नवम्बर, 1975

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस० ———

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, दिल्ली-1

4/14-ए० आसफ अली रोड, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 28 नवम्बर 1975

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/11/1857 (938)/75-76—यतः, मुझे, एस० एन० एल० अग्रवाल, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिगकी सं० टैनामैन्ट नं० 1 तथा 2, ब्लाक 25 है, जो रामेश नगर, नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 19-3-75

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की जाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री सीता राम चड्ढा, सुपुत्र श्री सालिंग राम चड्ढा, मकान नं० सी०-11, सेक्टर बी० तथा सी०, विशाल इन्क्लेव, नजफ गढ़ रोड, नई दिल्ली। (अन्तरक)

2. श्री रमेश लाल मदान, (2) हीरा लाल मदान, सुपुत्र श्री अमर नाथ मदान, निवासी 25/1-2, डबल स्टोरीड, रामेश नगर, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक दुमंजिला मकान जोकि 125.66 वर्ग गज जमीन पर बना है और टैनामैन्ट नं० 1 तथा 2 है जोकि ब्लाक नं० 25 (25/1-2), रामेश नगर, नई दिल्ली में है।

एस० एन० एस० अग्रवाल,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 28 नवम्बर, 1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, दिल्ली-1

4/14-ए० आसफ अली रोड, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 28 नवम्बर, 1975

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यु०/11/304(940)/
75-76—यतः, मुझे, एस० एन० एल० अग्रवाल,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है
और जिसकी सं० 10 है, जो उलदानपुर गांव, शाहदरा, दिल्ली
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 22-3-75
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्नाह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त
अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री हंस राज जैन, सुपुत्र श्री अतर चन्द जैन, निवासी
3726, गली श्रीवाल, कटरा धूमिल बागजी, चावरी बाजार,
दिल्ली । (अन्तरक)

2. श्री रामेश्वर दास बंसल, सुपुत्र श्री सुरज भान बंसल,
निवासी 76, मोहन पार्क, शाहदरा, दिल्ली-32 । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो
'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

भूमि का टुकड़ा जिसका क्षेत्रफल 200 वर्ग गज है, खसरा नं०
351 है और जोकि प्लॉट नं० 10 पर, उलदानपुर गांव, रोहतास
नगर की आबादी शाहदरे के इलाके दिल्ली में निम्न प्रकार से
स्थित है:—

पूर्व : सड़क 24'

पश्चिम : सड़क 10'

उत्तर : श्री बीसाराम द्वारा अपनाया प्लॉट

दक्षिण : रास्ता ।

एस० एन० एल० अग्रवाल,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 28 नवम्बर, 1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा,
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, दिल्ली-1

4/14-ए० आसफ अली रोड, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 24 नवम्बर 1975

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस० आर०-III/741
(7)/75-76—यतः, मुझे, चं० वि० गुप्ते,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० एस०-343 (296 वर्ग गज) है, जो ग्रेटर कैलाश-II नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 5-5-75

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के

उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रार्थितः—

1. श्रीमती प्रेम बती, पत्नी स्वर्गीय श्री राम किशन दास एन्ड श्री सुनील कुमार, सुपुत्र स्वर्गीय श्री राम किशन, निवासी-165, जोरबाग, नई दिल्ली-3 । (अन्तरक)

2. श्री हीरा लाल बहल, सुपुत्र श्री उत्तम चन्द बहल, तथा विरेन्द्र बहल, जवाहर लाल बहल तथा सुरीन्द्र लाल बहल, सभी सुपुत्र श्री हीरा लाल बहल, निवासी मं० उत्तम चन्द हरबंस लाल, कटरा सुभाष, चांदनी चौक, दिल्ली । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

एक फ्रीहोल्ड प्लॉट की भूमि जिसका नं० 343, नं० "एस०" है और क्षेत्रफल 296 वर्ग गज है तथा जोकि निवासी कालोनी ग्रेटर कैलाश-II, नई दिल्ली-19 में, बाहापुर गांव, दिल्ली की यूनियन टैरीटरी, दिल्ली नगर निगम के क्षेत्र, दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है :—

पूर्व : रोड,

पश्चिम : सर्विस लेन

उत्तर : प्लॉट नं० एस०-341

दक्षिण : प्लॉट नं० एस०-345 ।

चं० वि० गुप्ते,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 24 नवम्बर, 1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, दिल्ली-1

4/14-ए० आसफ अली रोड, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 24 नवम्बर 1975

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यु०/1/एस० आर०-III/754
(28)/75-76---यतः, मुझे, च० वि० गुप्ते,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० एम०-81 है, जो ग्रेटर कैलाश-II, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 7-5-75

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-सरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. कुमारी कृष्णा सुद, सुपुत्री श्री असा नन्द सुद, निवासी सी०-651, लक्ष्मी बाई नगर, नई दिल्ली (लेकिन अब) एच०-3, ग्रीन पार्क, नई दिल्ली-16। (अन्तरक)

2. श्रीमती सुशीला तलवार, पत्नी श्री जीया तलवार, निवासी 4753/23, अनसारी रोड, दरीया गंज, दिल्ली-6। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्रीहोल्ड दुकान का प्लॉट का 1/2 भाग जिसका नं० 81, ब्लॉक नं०, "एम०" है और क्षेत्रफल 195 वर्ग गज है तथा जोकि निवासी कालोनी ग्रेटर कैलाश-II, नई दिल्ली, बाहापुर गांव, दिल्ली की मूनियन टैरीटरी, दिल्ली नगर निगम के क्षेत्र के अन्तर्गत, दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है:—

पूर्व : दुकान प्लॉट नं० एम०-80

पश्चिम : दुकान प्लॉट नं० एम०-82

उत्तर : रोड

दक्षिण : रोड।

च० वि० गुप्ते,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 24 नवम्बर, 1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज -1, दिल्ली-1

4/14-ए, आसफ अली रोड, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 24 नवम्बर 1975

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस० आर०-III/
मई-1/753(27)/75-76—यतः, मुझे, च० वि० गुप्ते,
आयकर अधिनियम, 1961

(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम'
कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को,
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है
और जिसकी सं० एम०-81 का 1/2 भाग है, जो ग्रेटर कैलाश-II,
नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, 7-5-75

को पूर्वोक्त सम्पत्ति

के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित
की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के
लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त
अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ के अनुसरण में,
मैं 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

5—366GI/75

1. कुमारी विमला सूद, सुपुत्री श्री असा नन्द सूद, निवासी-
सी०-651, लक्ष्मी बाई नगर, नई दिल्ली (लेकिन अब) एच०-3,
ग्रोन पार्क, नई दिल्ली-16 । (अन्तरक)

2. श्री अनील कुमार रखी, सुपुत्री श्री राजेश्वर कुमार रखी,
इनके संरक्षक तथा मम्मी श्रीगती उपा रखी, पत्नी श्री राजेश्वर
कुमार रखी, निवासी एम०-215, ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली ।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित है
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

आधा अविभाजित फ्रीहोल्ड दुकान का प्लॉट जिसका नं०
82, ब्लॉक नं० "एम०" की माफिट है, और क्षेत्रफल 195 वर्ग
गज है तथा जोकि निवासी ग्रेटर कैलाश-11, नई दिल्ली, बाहापुर
गांव, दिल्ली की यूनियन टैरीटरी, दिल्ली नगर निगम, दिल्ली में
निम्न प्रकार से स्थित है :—

पूर्व : दुकान प्लॉट नं० एम०-80

पश्चिम : दुकान प्लॉट नं० ए०-82

उत्तर : रोड :

दक्षिण : रोड ।

च० वि० गुप्ते,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज -1, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 24 नवम्बर, 1975

मोहर :

प्रख्य आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1, दिल्ली-1

4/14-ए, ग्रामफ अली रोड, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 24 नवम्बर 1975

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस० आर०-III/796
(43)/75-76—यतः, मुझे, च० वि० गुप्ते,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी
को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० एम०-63 (दुकान) है, जो ग्रेटर कैलाश, नई दिल्ली
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन 28-5-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार
मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित
की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए ।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मै० डी० एल० एफ० यूनाइटिड (प्रा०) लि०, 40-
एफ० कनाट पलेस, नई दिल्ली । (अन्तरक)

2. श्री सुरीन्द्र कुमार गुप्ता, सुपुत्र श्री राम भज, निवासी 14,
अजीत अरकेड, कैलाश कालोनी, नई दिल्ली । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सर्वात्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

वह सारे अधिकार, टाइटल्स तथा इन्ड्रस्ट जोकि दुकान के प्लाट
का जिसका नं० 63, ब्लाक नं० "एम०" है और क्षेत्रफल 195
वर्ग गज है तथा जोकि निवासी कालोनी ग्रेटर कैलाश-11, बाहापुर
गांव, दिल्ली की यूनियन टैरीटरी, दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित
है :—

पूर्व : रोड़

पश्चिम : रोड़

उत्तर : दुकान प्लाट नं० एम०-62

दक्षिण : दुकान प्लाट नं० एम०-64

च० वि० गुप्ते,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 24 नवम्बर, 1975

मोहर :

प्ररूप आई०टी०एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, दिल्ली-1

4/14ए०, आसफअली रोड, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 24 नवम्बर 1975

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/11/1868 (935)/
75-76—यतः, मुझे, एस० एन० एल० अग्रवाल,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिसकी सं० 7/20 का 1/3 भाग है, जो ईस्ट पटेल नगर, दिल्ली
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
26-3-1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या
किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की
उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री सविन्दर सिंह साहनी, सुपुत्र श्री किशन सिंह साहनी,
निवासी 7/20, ईस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

2. श्री रतजीत सिंह साहनी, सुपुत्र श्री गुरुवर्चन सिंह साहनी,
निवासी एच०-459, न्यू राजिन्दर नगर, नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में दिए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो
उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

एक मंजिला मकान का 1/3 भाग जोकि 200 वर्ग गज जमीन
पर बना है और नं० 7/20 है तथा ईस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली में
निम्न प्रकार से स्थित है:—

पूर्व : मकान नं० 7/21

पश्चिम : मकान नं० 7/19

उत्तर : मुख्य सड़क

दक्षिण : सर्विस लेन ।

एस० एन० एल० अग्रवाल,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 24 नवम्बर, 1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1/2, दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 24 नवम्बर, 1975

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यु०/11/1867(934)/
75-76 --यतः, मुझे, एस० एन० एल० अग्रवाल,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-ब के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और
और जिसकी सं० 7/20 का 1/3 भाग है, जो ईस्ट पटेल नगर,
दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
26-3-75

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से
कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की
गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तविक उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957
का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं
किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए ;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसारण में,
मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री गुरचरण सिंह साहनी, सुपुत्र श्री किशन सिंह साहनी,
निवासी 1312, सैक्टर 34-सी०, चंडीगढ़ इनके जरनल एंट्रान्सी
एस० किशन सिंह, सुपुत्र हरी सिंह साहनी के द्वारा, निवासी 7/20,
ईस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली । (अन्तरक)

2. श्री रनजीत सिंह साहनी, सुपुत्र श्री गुरवचचन सिंह साहनी,
निवासी एच०-459, न्यू राजिन्दर नगर, नई दिल्ली ।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभा-
षित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में
दिया गया है ।

अनुसूची

एक मंजिला मकान का 1/3 भाग जोकि 200 वर्ग गज
जमीन पर बना है और नं० 7/20 है तथा ईस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली
में निम्न प्रकार से स्थित है :—

पूर्व : मकान नं० 7/21

पश्चिम : मकान नं० 7/19

उत्तर : मुख्य सड़क

दक्षिण : सर्विस लेन ।

एस० एन० एल० अग्रवाल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1/2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 24 नवम्बर, 1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 24 नवम्बर, 1975

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/11/1868 (936)/
75-76—यतः, मुझे, एस० एन० एल० अग्रवाल.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिनकी सं० 7/20 का 1/3 भाग है, जो ईस्ट पटेल नगर, दिल्ली में स्थित है (और इगमें उपावद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 26-3-1975 को पूर्वोक्त

सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, या छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री रनधीर सिंह साहनी, सुपुत्र श्री एम० किशन सिंह साहनी, निवासी 7/20, ईस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली [लेकिन अब न्यू यार्क (यू० एम० ए०) में है] उनके जरनल एटार्नी श्री किशन सिंह, सुपुत्री श्री हरी सिंह साहनी के द्वारा, निवासी 7/20, ईस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली । (अन्तरक)

2. श्री रनजीत सिंह साहनी, सुपुत्र श्री गुरवचचन सिंह साहनी, निवासी एच०-459, न्यू राजिन्दर नगर, नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आप्ञेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इस प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

एक मंजिला मकान का 1/3 भाग जोकि 200 वर्ग गज जमीन पर बना है और सं० 7/20 है तथा ईस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है :—

पूर्व : मकान सं० 7/21

पश्चिम : मकान सं० 7/19

उत्तर : मुख्य सड़क

दक्षिण : रविम लेन ।

एस० एन० एल० अग्रवाल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली -1

तारीख : 24 नवम्बर, 1975

मोहर :

प्रखण आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 2, दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 24 नवम्बर 1975

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/11/305 (937)/
75-76—यत्, मुझे, एस० एन० एल० अग्रवाल,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० ए०-4/19 का पश्चिमी भाग है, जो कृष्ण नगर,
शाहदरा, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन 28-3-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और
मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल
से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप
से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की आबत 'उक्त
अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/ या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए।

अतः अब 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री शिव मोहन कपूर, सुपुत्र श्री वेद प्रकाश कपूर, निवासी
533, गांधी नगर, दिल्ली-31। (अन्तरक)

2. (1) श्री केहर सिंह, सुपुत्र श्री प्रताप सिंह, निवासी
10/123, वेस्ट आजाद नगर, दिल्ली-31 (2) श्री राम लाल
डोगरा, सुपुत्र श्री पं० हीरा लाल, निवासी ए०-4/19, कृष्ण नगर,
दिल्ली-51 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर, उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जमीन का टुकड़ा जिसका क्षेत्रफल 116.5 वर्ग गज है और
जोकि प्लॉट नं० ए०-4/19 का पश्चिमी भाग है तथा खसरा नं०
352 है और जोकि गोंडली गांव, कृष्ण नगर की आबादी शाहदरा,
दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है :—

पूर्व : प्लॉट नं० ए०-4/19 का बाकि भाग

पश्चिम : प्लॉट नं० ए०-4/18

उत्तर : प्लॉट नं० 3/19

दक्षिण : सड़क।

एस० एन० एल० अग्रवाल,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 24 नवम्बर, 1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 20 नवम्बर, 1975

सं० आर० ए० सी० 164/75-76—यतः, मुझे, के० एम०
वेंकट रामन, आयकर अधिनियम,

1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 16-9-571/1 जो पुराना मलकपेट, हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 31-3-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार

मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्थियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री सैयद मोईनेद्दीन पिता सैईदमीर कादरी जी० पी० ए० एम० सकदूम हुमेन 8-2-596/4 रोड नं० 10 बनजारा पिलग हैदराबाद । (अन्तरक)

2. श्रीमती काजा बेगम पति अशरफ अली खान नं० 22-4-562, याकुतपुरा, हैदराबाद । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

सम्पत्ति—एम० नं० 16-9-571/1 पुराना मलकपेट हैदराबाद, निचे का सता और जमीन ।

के० एम० वेंकट रामन,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 20 नवम्बर, 1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय,
अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 24 नवम्बर, 1975

सं० आर० ए० सी० 165/75-76—यतः, मुझे, के० एस०
वेंकट रामन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961
का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा
गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को,
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर
सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० बाग नं० 6-2-25 जगतीयाल है, जो जगतीयाल
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, करीमनगर में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
16-4-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने
में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957
का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट
नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं,
उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. (1) श्री धरम राज गोपाल राव (2) कृष्ण
भूपालराव (3) राम भूपालराव तमाम चेलमल
गांध जगतीयाल तलूक जिला करीमनगर (अन्तरक)

2. (1) श्री पेनदीपाला गयनारायण (2) बी० शकुन्तला
जगतीयाल तलूक करीमनगर, जिला । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्रवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आपक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

सम्पत्ति—बाग मकान नं० 6-2-25 अमीन वाडी जगतीयाल
तलूक करीमनगर जिला ।

के० एस० वेंकट रामन,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, हैदराबाद ।

तारीख : 24 नवम्बर, 1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 24 नवम्बर 1975

निर्देश सं० आर० ए० सी० 166/75-76---यतः, मुझे,
के० एस० वेंकट रामन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० मडरी नं० 1-युनीटी हाऊस, जो अबिद रोड,
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन,
9-4-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना
चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

6—366GI/75

1. हिन्दुस्तान बुलडरस—बिल्डरस् भागदार—हरि किशन
आबिद रोड हैदराबाद (अन्तरक)

2. श्रीमती वतसला बाई० पटेल पति बाई० के० पटेल
15-1-664 शीशमहल, हैदराबाद। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति—मडरी नं० 1 (येक) जमीन का सत्ता युनीटी
घर में, आबिद रोड, हैदराबाद विस्तेन 242 वर्ग फुट।

के० एम० वेंकट रामन,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, हैदराबाद।

तारीख : 24 नवम्बर, 1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 24 नवम्बर 1975

सं० आर० ए० सी० 167/75-76—यतः, मुझे, के० एस०
वेंकट रामन,

आयकर अधिनियम, 1961

(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 4-1-834 आबिद रोड है, जो हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, 11-4-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तर्ग, में, में, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :-

1. श्रीमती सरला, पति भगवानदास थाडानी (2) भारती पत्नी मुरलीधर थाडानी 3-5-594/1, नरायनगुडा, हैदराबाद।
(अन्तरक)

2. श्री वलीराम पति दयाराम मालाकुनदा, हैदराबाद।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम,' के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति—पहला और दूसरा गता का मलगी नं० 4-1-834 आबिद रोड, हैदराबाद, विस्तृत—66 वर्ग यार्ड।

के० एस० वेंकट रामन,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, हैदराबाद।

तारीख : 24 नवम्बर, 1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 24 नवम्बर 1975

सं० आर० ए०सी० 168/75-76:—यतः, मुझे, के० एस०
वेंकट रामन,

आयकर अधिनियम, 1961

(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त
अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम
प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर
सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है
और जिसकी सं० 14-11-52 मनगलहाट है, जो हैदराबाद में
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन,
7-4-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त
अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री जी० कृष्ण पिता जी० रामस्वामी 14-11-53
कमाटीपुरा मनगलहाट, हैदराबाद। (अन्तरक)

2. (1) श्री नारायणलाल यादव (2) अमरचन्दलाल यादव पिता
बाबूराम यादव 14-8-129 चुडीवजार, हैदराबाद। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम' के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

सम्पत्ति—नं० 14-11-52 कमाटीपुरा मनगलहाट हैदराबाद,
विस्तार 112-87 वर्ग मिटर।

के० एस० वेंकट रामन,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, हैदराबाद।

तारीख : 24 नवम्बर, 1975।

मोहर :

प्ररूप आई०टी०एन०एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), का कार्यालय,

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 24 नवम्बर, 1975

सं० आर० ए०सी० 169/75-76:—यतः, मुझे, के० एस०
वेंकट रामन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी
को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० बाग 5-4-92/1 है, जो रानी गंज में स्थित
है (और इससे उपायधन अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सिकन्दराबाद में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
15-4-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति

के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रति-
फल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य
से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया
गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री गियासुद्दीन बाबुकान (2) शहजादी बेगम (3)
सुलतानीद्दीन बाबुकान (4) बशीरुद्दीन बाबुकान (5) फरीदाबानु
(6) तुराबबानु (7) बदरबानु (8) सईदाबानु (9) जमीला
बानु (10) दीलावरबानु (11) नसरतबानु । (अन्तरक)

2. मास्टर सुरेन्द्र कुमार अग्रवाल, पिता प्रह्लाद राम अग्रवाल
1-1-20 एस० पी० रोड़, सिकन्दराबाद । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ :—

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

सम्पत्ति बाग 5-4-92/1 रानी गंज सिकन्दराबाद बीर्तीन
373-33 वर्ग गार्ड ।

के० एस० वेंकट रामन,
सक्षम प्राधिकारी,
(सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, हैदराबाद ।

तारीख : 24 नवम्बर, 1975 ।

मोहर :

प्ररूप—आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 26 नवम्बर 1975

सं० आर० ए० सी० 170/75-76—यतः मुझे के० एस०
वेंकट रामन
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को,
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और
जिसकी सं० 5-8-25 नामपत्ती है, जो हैदराबाद में स्थित है
(और इससे उपाबद्ध अनसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजि-
स्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 7-4-1975
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य
से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित
की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त
अधिनियम,' के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम,' या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की
उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

1. मिर अहमद सुल्तान पिता फते सुल्तान न० 5-8-23
फतेसुल्तान लेन नामपत्ती हैदराबाद । (अन्तरक)

2. श्रीमती कोसाराजू लक्ष्मीकान्तम्मा पति सूर्यनारायण
म० न० 5-8-27 और 28 फतेसुल्तान लेन नामपत्ती
हैदराबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45
दिन की अवधि तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम,' के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

सम्पत्ती—घर न० 5-8-25 फतेसुल्तान लेन नामपत्ती
हैदराबाद-विस्तार-749 बरी गार्ड

के० एस० वेंकट रामन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद ।

तारीख : 26-11-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-II ग्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक 22 नवम्बर, 1975

सं० 266/ए०सी०क्यू० 23-503/13-1-75-76—यतः

मुझे पी० एन० मित्तल

आयकर अधिनियम, 1961

(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० प्लॉट नं० सी० सर्वे नं० 394 है तथा जो साईटो कम्पाउण्ड, करमसद रेलवे क्रासिंग के पास, बल्लभ विद्यानगर, ता० आनन्द जि० खेडा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, आनन्द में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 29-4-75

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11), या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

यतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. प्रिंसिपाल आफिसर, साईटो प्रा० लि०, साईटों कम्पाउण्ड, करमसद रेलवे क्रासिंग के पास, बल्लभ विद्यानगर, ता० आनन्द, जि० खेडा। (अन्तरक)

2. प्रिंसिपाल आफिसर, जपसा प्रा० लि०, करमसद रेलवे क्रासिंग के पास बल्लभ विद्यानगर, ता० आनन्द, जि० खेडा। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अचल सम्पत्ति का वह समस्त भाग जो विठल उद्योग नगर, सब डिस्ट्रीक आनन्द, जिला खेडा में है तथा जो सब-प्लॉट नं० सी०, सर्वे नं० 394 पर 7777 मीटर है जो विठल उद्योग नगर ता० आनन्द जिला खेडा में है और जिसकी सीमाएं निम्न प्रकार की हैं :—

पूर्व : साईटो प्रा० लि० का खानगी रोड

पश्चिम : सब प्लॉट 'डी' सर्वे नं० 394/1+2+3+4

उत्तर : सर्वे नं० 391

दक्षिण : साईटो प्रा० लि० का खानगी रोड

पी० एन० मित्तल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II ग्रहमदाबाद।

तारीख : 22-11-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद दिनांक 22 नवम्बर 1975

सं० 267/ए०सी०क्यू० 23-504/13-1/75-76—यतः
मुझे, पी० एन० मित्तल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु०
से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 'सी', सर्वे नं० 397, विठल उद्योग
नगर है, जो साइटो कम्पाउंड, करमसद रेलवे क्रॉसिंग के पास,
ता० आनन्द, जि० खेडा में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
आनन्द में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन 29-4-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य
से उक्त अन्तरण लिखित में जास्तदिक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत,
उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में
सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. प्रिंसीपल आफिसर, साइटो प्रा० लि०, साइटो कम्पाउंड
करमसद रेलवे क्रॉसिंग के पास बल्लभ विद्यानगर, ता०
आनन्द । (अन्तरक)

2. प्रिंसीपल आफिसर, मान्डल प्लास्ट प्रा० लि० पोस्ट
बाक्स नं० 8, साइटो कम्पाउंड, करमसद रेलवे क्रॉसिंग
के पास, बल्लभ विद्यानगर, ता० आनन्द । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

अचल सम्पत्ति का वह समस्त भाग जो विठल उद्योग नगर
है प्लॉट नं० एक० सर्वे नं० 397 पर 8665.54 वर्ग मीटर माप
है तथा जो करमसद रेलवे क्रॉसिंग के पास, ता० आनन्द जिला,
खेडा में स्थित है जिसकी सीमाएं निम्नलिखित हैं :—

उत्तर : संव-प्लॉट नं० 5, साइटो प्रा० लि० का खानगी
रोड ।

दक्षिण : जी० आई० डी० सी० की सम्पत्ति ।

पूर्व : सर्वे नं० 396

पश्चिम : सर्वे नं० 393

पी० एन० मित्तल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद ।

तारीख : 22-11-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 22 नवम्बर 1975

सं० 268/ए०सी०क्यू० 23-505/13-7/75-76—यतः
मझे, पी० एन० मित्तल,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० सर्वे नं० 326, 327 ए० और 327 बी० पैकी
खुली जमीन है तथा जो मेहमदाबाद, जिला खेडा में स्थित है (और
इस से उपाबद्ध अनसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, मेहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन 7-5-1975
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में
कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त
अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में
सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए :—

अतः अब 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ब की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री महबूब इलाही अब्दुलाभाई रोशनार्ई वाला ।
श्री मोहमद यसूफ अब्दुलाभाई रोशनार्ई वाला ।
श्री अब्दुल मज्जिद अब्दुलाभाई रोशनार्ई वाला ।
श्री गुलाम माह्युद्दीन अब्दुलाभाई रोशनार्ई वाला ।
श्री गुलाम हुसेन अब्दुलाभाई रोशनार्ई वाला ।
अपने कुलमुख्तार मेहबूब इलाही अब्दुलाभाई द्वारा ।
कागडी वाड, कोचरब, अहमदाबाद । (अन्तरक)

2. श्री उमाकान्त जेठालाल परीख 885 टोकशा-जी पोल,
रामखड, अहमदाबाद । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो
उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

खुली जमीन जिसका सर्वे नं० 326, 327 ए० है और कुल
माप 1 एकड़, 14 गुंथा है तथा 327 बी० जिसका माप 0.04
गुंथा है (कुल माप 1 एकड़ और 18 गुंथा) तथा जो मेहमदाबाद,
जिला खेडा में स्थित है जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी मेहमदाबाद
के मई, 1975 के रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 497 में प्रदर्शित है ।

पी० एन० मित्तल,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद ।

तारीख : 22-11-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्री रामदास राम कृष्ण कुराने,
डांडिया बाजार, बड़ौदा। (अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब(1) के अधीन सूचना

(2) श्रीमती मीनाक्षी चन्द्रकान्त अमीन (अन्तरिती)
मानी निवास, डांडिया बाजार, बड़ौदा।

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 21 नवम्बर 1975

निवेश सं० 269/ए० सी० न्यू० 23-415/6-2/
75-76—यतः, मुझे पी० एन० मित्तल, आयकर अधिनियम
1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त
अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम
प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर
सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० बी० टीका नं० 13/1 सर्वे नं० 42, कुल माप
230 वर्ग फुट है तथा जो डांडिया बाजार, बड़ौदा में स्थित है (और
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) 'रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, बड़ौदा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन 14-5-1975
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से,
ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह
कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या
किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

7—366G1/75

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो
उक्त अधिनियम, के अध्याय
20-क में परिभाषित है, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन व मकान जो सर्वे नं० 42, पी० टीका नं० 13/1,
बाबाजीपुरा, डांडिया बाजार, बड़ौदा में स्थित है जिसका कुल
माप 230 वर्ग गज है जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, बड़ौदा
के मई 1975 के रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2997/75 में प्रदर्शित
है।

पी० एन० मित्तल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

तारीख: 21-11-1975

मोहर:

प्ररूप आई०टी०एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 22 नवम्बर 1975

निदेश सं० 270/ए० सी० क्यू०/23-419/19-7/75-76—
यतः, मुझे पी०एन० मित्तल,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० सर्वे नं० 71 पैकी खूली जमीन है, तथा जो
मजुरा गांव, ता० चोरासी जिला सूरत में स्थित है (और इससे
जवाबदारी अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन 14-5-1975
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल
का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तविक उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के बायिस्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- | | |
|--|------------|
| (1) श्री ठाकुरभाई भीखाभाई,
जन्डा शेरी, सभामपुरा, सूरत | (अन्तरक) |
| (2) राधा कृष्ण इन्डस्ट्रीयल को० प्रापरेटिव सर्विस
सोसायटी लि०, की ओर से उसके
चेयरमैन : दलमुखभाई लक्ष्मी चन्द कंसारा
आं मेनेजर : जयतीलाल रतिलाल मांडवी वाला
कमेटी मेम्बर : जयतीलाल रतिलाल
सूरत । | (अन्तरिती) |

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति, द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में
परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खूली जमीन जिसका सर्वे नं० 71 पैकी कुल माप 2011-0
वर्ग गज है तथा जो मजुरा गांव ता० चोरासी, जिला सूरत में स्थित
है जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी सूरत के मई 1975 के रजिस्ट्री-
कृत विलेख नं० 2552 में प्रदर्शित है।

पी० एन० मित्तल,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

तारीख : 22-11-1975

मोहर :

प्रारूप ० आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 22 नवम्बर, 1975

निदेश सं० XIV/1/11/75-76—यतः, मुझे जी० रामनाथन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 34 और 34-ए० है, जो टी० एम० जी० बिलडिंग, सिन्दुबून्दूर तिरुनेलवेलि में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, तिरुनेलवेली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन एप्रेल, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय के बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्री टी० एम० जी० मोहम्मद, अब्दुल रहिमराऊतर, पेट्ट, तिरुनेलवेलि । (अन्तरक)
- (2) श्रीमती एम० एस० एम० खतीजा बीबी, पेट्ट, तिरुनेलवेलि । (अन्तरिती)
- (3) मै० रायल मेडिकल स्टोर्स और अरसन ब्रीक प्रोरक्स (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) श्री टी० एम० पी० के मोहम्मद गनि, तिरुनेलवेलि । (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

तिरुनेलवेलि सिन्दुपून्दूर टी० एस० सं० 1099/3 (भाग), 1100/1 बी2 भाग और 1096/4 (भाग) में 286 स्कुयर फीट की भूमि (मकान के साथ) ।

जी० रामनाथन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद ।

तारीख : 22-11-1975
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 19 नवम्बर 1975

निदेश सं० एफ० 2462/75-76—यतः, मुझे, जी० वी०
शाबक

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को,
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी डोर सं० 9/36, सिवसामी रोड, रामनगर,
कोयम्बतूर में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
जे० एस० आर० 3, कोयम्बतूर (डाकुमेण्ट 1900/75) में,
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 13-5-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण
के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से
उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिये,
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के
लिए ;

अतः अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन
निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्री जी० एन० रत्नसामि

(अन्तरक)

(2) श्रीमती एस० मीनाक्षी० अम्माल

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो
उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो
उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कोयम्बतूर, रामनगर, सिवसामी रोड, डोर सं० 9/36
में 28 सेण्ट की भूमि (मकान के साथ) (नया टी० एस०
सं० 9/573)।

जी० वी० शाबक
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख : 19-11-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 19 नवम्बर 1975

निदेश सं० एफ० 2496/75-76—यतः, मुझे, जी० बी०

ज्ञाबक

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है और जिसकी सैट सं० 11, क्रास कट रोड कोयम्बतूर (टी० एस० 9/7/2) में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जे० एस० आर० 3, कोयम्बतूर 'डाकुमेण्ट 2038/75' में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 23-5-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11), या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसारण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री आर० लक्ष्मणन

(अन्तरक)

(2) श्री एम० वामन

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

कोयम्बतूर, क्रास कट रोड, सैट सं० 11 में 7 सेण्ट और 351 स्क्वियर फीट की भूमि (मकान के साथ) (टी० एस० सं० 9/7/2) ।

जी० बी० ज्ञाबक

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख : 19-11-75

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय,
अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 24 नवम्बर 1975

निदेश सं० एफ० 1844/75-76—यतः, मुझे, जी० वी०
झाबक,
आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन
सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर
सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० 2/144, मौण्ट रोड, मद्रास-6, ग्राउण्ड,
ग्राउण्ड और पहला फ्लोर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-
कारी के कार्यालय, एस० आर० ओ० टी० नगर, मद्रास
(डाकुमेण्ट 1117) में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख 19-3-1975
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित
बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रति-
शत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण,
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

- (1) एच० गुलाम मोहमद और
- (2) मोहमद हुसैन और
- (3) जमीला बेगम।

(अन्तरक)

- (2) श्री पी० पी० मुस्ताफा और
- (2) एम० पी० पुरुषोत्तमन

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त व्यक्ति, स्थावर सम्पत्ति नें
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मद्रास-6, मौण्ट रोड, डोर सं० 2/144 में ग्राउण्ड, ग्राउण्ड
फ्लोर और पहला फ्लोर।

जी० वी० झाबक

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख: 24-11-75

मोहर:

प्ररूप आई० एी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 12 नवम्बर 1975

निदेश सं० 91/अर्जन/फिरोजाबाद/75-76/1936—अतः,
मुझे, एफ० जे० बहादुर
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो अनुसूची के
अनुसार में स्थित है (और इससे उपाय अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
फिरोजाबाद में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, तारीख 6/3/1975 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से उसके दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजारमूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल
का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के
लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त
अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम
के अधीन कर देने के अन्तर के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922,
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम'
या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में
मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

1. श्रीमती श्याम कुमारी विधवा श्री टीकम सिंह नि०
टापाखुर्द पर० व तह० फिरोजाबाद, जि० आगरा।

(अन्तरक)

2. (1) तिलक सिंह
- (2) मुलायम सिंह
- (3) अजयपाल सिंह पुत्रगण तुरसीराम
- (4) लाल सिंह पुत्र नत्थु सिंह
- (5) मेधा सिंह पुत्र भोला सिंह और
- (6) बनवारीलाल
- (7) श्री सुखपाल पुत्रगण हरीकिसन नि० नगला दवारी
ग्राम व पोस्ट भदानी तह० जसराग जि० मेनपुरी। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम', के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

ग्राम टापाखुर्द तह० फिरोजाबाद में स्थित अचल सम्पत्ति
जो रकबा 268 में III 3,270 मे० 4113, 277 में 2113,
283 में 11113, 304 में 611, 337, व ख, 11, 373,
1112, 380 अ, 1, 375, 3, 1, 574, 1112, 589 व ख,
114, 372 ब, 12 303, 1-2, 589, 1, 2 इसका हस्ता-
न्तरण 80,000/-में किया गया है।

एफ० के० बहादुर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त, निरीक्षण
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 12-11-75

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 12 नवम्बर 1975

निदेश सं० 198/अर्जन/देहरादून/74-75/1937—

अतः मुझे एफ० जे० बहादुर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो अनुसूची के
अनुसार में स्थिति है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, देहरादून
में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख 1-4-1975

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है
और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक
है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव 'उक्त
अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उसने बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या घन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री रवीन्द्र कुमार खन्ना पुत्र मदनलाल खन्ना नि०
28 राजपुर रोड देहरादून।

(अन्तरक)

2. (1) श्री सरवारी लाल ओबराय पुत्र श्री जीवन सिंह
और

(2) श्री राकेश कुमार ओबराय और

(3) अमरीस कुमार ओबराय पुत्रगण सरवारीलाल
निवासी 2 ए० रेस कोर्स रोड देहरादून।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आश्रेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

अचल सम्पत्ति जो खसरा नं० 425 में 0.39 एकड़,
426 में 0.76 एकड़, 428 में 0.49 एकड़ 430 में 0.69
एकड़ 431 में 0.42 एकड़, 432 में 0.30 एकड़ 433 में
0.48 एकड़, 434 में 0.43 एकड़ 435 में 0.70 एकड़
436 में 0.32 एकड़, जिसका कुल क्षेत्रफल 4.98 एकड़
है इसका हस्तान्तरण 42,425 में किया गया है। जो ग्राम
हररावाला, परगना परवा जि० देहरादून में स्थित है।

एफ० जे० बहादुर

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

तारीख : 12-11-1975

अर्जन रेंज, कानपुर

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 7 नवम्बर 1975

निर्देश नं० 284/उपक्यूजीशन/कानपुर/1938—अतः
मुझे, एफ० जे० बहादुर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो अनुसूची के
अनुसार में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कानपुर
में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख 2-4-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम
के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई
है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा
पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रति-
फल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत,
'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः अब, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ
के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा
269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित
व्यक्तियों अर्थात् :—

8—366GI/75

1. श्री देवीदास कपूर मैनजर जीत मलकपूर ट्रस्ट, निवासी
गया प्रसाद जैन कानपुर (2) श्री माधो राम बाधमपुत्र श्री
कर्ता राम निवासी 133/38, जूही, कानपुर (3) श्री राजा
राम पुत्र श्री कर्ता राम निवासी 133/38, जूही, कानपुर।
(अन्तरक)

2. (1) श्री राम लुभाया अरोग पुत्र श्री शोमा राम
(2) श्री रमेश चन्द पुत्र श्री राम लुभाया अरोग निवासी
111ए/102 अशोक नगर कानपुर।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम,' के अध्याय 20-क में यथा-
परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो
उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अचल सम्पत्ति प्लॉट नं० 64 का उप प्लॉट नं० 9 ब्लाक
श्री० गोविन्द नगर कानपुर में स्थित है जोकि 36.205 रु०
मूल्य में हस्तान्तरित किया गया है।

एफ० जे० बहादुर
सक्षम अधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
(अर्जन रेंज), कानपुर

तारीख : 7-11-75

मोहर :

परूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय,

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 7 नवम्बर 1975

निदेश सं० 285/एफ०जी०एन/ कानपुर/1339--अतः
मुझे, एफ० जे० बहादुर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को,
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो अनुसूची के
अनुसार में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
कानपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख 2-4-75

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है
कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक
है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में
प्रयुक्त नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उसमें बचन में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

1. जीतमल कपूर ट्रस्ट द्वारा देवी दाम कपूर नि० 45/62
गया प्रशासक के कानपुर

(2) माधो राम वाथम पुत्र कर्ता राम नि० 133/38
जही, कानपुर

(3) राजा राम वाथम पुत्र कर्ता राम नि० 133/38,
जही, कानपुर (अज्ञात)

2. (1) कुमारी सावित्री देवी गुप्ता

(2) कुमारी सीता देवी गुप्ता

(3) कुमारी वीनीता देवी गुप्ता संरक्षण श्री सतीश चन्द्र
गुप्ता

(4) श्री मतीश चन्द्र गुप्ता नि० 49/48, नौधरा,
कानपुर,

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी श्रावण :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो
भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों, का जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

अचल सम्पत्ति प्लॉट नं० 64 का उपप्लॉट
नं० 4 ब्लाक 'ओ' स्कीम 1 जो गोविन्द नगर में स्थित है और
जोकि 24,000 रु० मूल्य में हस्तान्तरित किया गया है।

एफ० जे० बहादुर
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 7-11-75

मोहर :--

प्ररूप आई०टी०एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय,

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 6 नवम्बर 1975

निदेश सं० 286/अव्यूजीशन/कानपुर/1340—अतः मुझे, एफ० जे० बहादुर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो अनुसूची के अनुसार में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कानपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 2-4-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के

उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों), और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. जीत मल कपूर ट्रस्ट द्वारा देवी दास कपूर, मनैजर, 45/62 गया प्रसाद लेन कानपुर

(2) श्री माधो राम बाथम पुत्र कर्ता राम नि० 133/38 जूही, कानपुर।

(3) राजा राम बाथम पुत्र कर्ता राम नि० 133/39 जूही, कानपुर। (अन्तरक)

2. (1) श्री शैलेश चन्द्र गुप्ता पुत्र श्री देवी प्रसाद गुप्ता

(2) श्री प्रेम चन्द्र गुप्ता पुत्र श्री देवी प्रसाद गुप्ता निवासी 49/1-बी०, नौधरा, कानपुर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति, द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अचल सम्पत्ति प्लॉट नं० 64 का उप प्लॉट नं० 3 प्लॉट श्री, स्कीम 1 जो कि गोबिन्द नगर में स्थित है और जोकि 24,000 रु० मूल्य में हस्तान्तरित किया गया है।

एफ० जे० बहादुर

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 6-11-75

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 6 नवम्बर 1975

निर्देश सं० 288/अक्यूजीशन/ कानपुर/1342—अतः मुझे, एफ० जे० बहादुर आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है, और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिारी के कार्यालय, कानपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 4-4-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या,

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. जीतमल कपूर ट्रस्ट द्वारा देवी दास कपूर
नि गया प्रसाद चोक, कानपुर (अन्तरक)

(2) श्री माधो राम काथम पुत्र श्री कर्ता राम 133/38
जूही, कानपुर। (अन्तरिती)

(3) श्री राजा राम काथम पुत्र कर्ता राम नि० 133/38,
जूही, कानपुर।

2. श्री रमेश चन्द्र गेंप्ता पुत्र श्री देवी प्रसाद गुप्त
'2) श्रीमती माया देवी गुप्ता पुत्री श्री देवी प्रसाद गुप्ता
नि० 59/1 बी०, नौधरा, कानपुर।

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां, शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अचल सम्पत्ति प्लॉट नं० 64 का उप प्लॉट नं० 1 जो गोबिन्द नगर, कानपुर में स्थित है और जोकि 34,534 रु० मूल्य में हस्तान्तरित किया गया है।

एफ० जे० बहादुर

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 6-11-75

मोहरः—

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 7 नवम्बर 1975

निर्देश सं० 287/अक्यूजीशन/कानपुर/1341—यतः मुझे,
एफ० जे० बहादुर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो अनुसूची के अनुसार स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कानपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 2-4-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. (1) जीतमल कपूर ट्रस्ट द्वारा देवी दास कपूर कि० गया प्रसाद लेन, कानपुर
- (2) श्री माधो राम काथम पुत्र कर्ता राम नि० 133/38 जूही, कानपुर ।
- (3) श्री राजा राम काथम पुत्र श्री कर्ता राम, 133/39 जूही, कानपुर ।

(अन्तरक)

2. (1) श्री शरीच चन्द्र गुप्ता
पूज श्री देवी प्रसाद गुप्ता
- (2) श्रीमती माया देवी गुप्ता पुती श्रीदेवी प्रसाद गुप्ता नि० 49/1 बी नौघरा, कानपुर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

अचल सम्पत्ति प्लॉट नं० 64 का उप प्लॉट नं० 2 जो गोबिन्द नगर, कानपुर में स्थित है और जो कि 24,000 रु० मूल्य में हस्तान्तरित किया गया है ।

एफ० जे० बहादुर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 6-11-75
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, दिल्ली-1

4/14ए आसफ अली रोड,

नई दिल्ली, दिनांक 3 दिसम्बर 1975

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू० 1/1/1869(952)/75-76
—यतः, मुझे एस० एन० अग्रवाला

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 89-ए० है, जो कमला नगर, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकृत अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 28-3-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम,' या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती गेंदी देवी बिन्दावाला पत्नी श्री तारा चन्द बिन्दावाला निवासी 6, हंस पुकार फस्ट लैन, कलकत्ता-7 द्वारा स्पेशल अर्दानी श्री सोहन लाल शर्मा पुत्र श्री बनारसी दास शर्मा निवासी : 3948, नया बाजार, दिल्ली-6 (अन्तरक)

2. श्री अमर नाथ और श्री गोरधन दास पुत्र लाला विशम्भर दयाल निवासी: 4064, नया बाजार, दिल्ली। (अन्तरिती)

3. सर्वश्री (1) जगदीश प्रसाद, (2) जमना दास, (3) श्रीसत नारायण (4) बनारसी दास, 89-ए०, कमला नगर, दिल्ली।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम,' के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जयदाद नं० 89-ए० कमला नगर सब्जी मण्डी दिल्ली जो कि अच्छी बनी है जिसका क्षेत्रफल 371 वर्ग गज है जो कि सभी अधिकारों सहित है तथा निम्न प्रकार से घिरी हुई है :—

उत्तर : सड़क

पूर्व : सड़क

दक्षिण : सड़क

पश्चिम : मकान नं० 88ए०

एस० एन० एल० अग्रवाला

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 3 दिसम्बर 1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1/2, दिल्ली-1

4A/14 आसफ अली रोड नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 3 दिसम्बर 1975

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यु० 11/301(953)/75-76
—यतः, मुझे एम० एन० एल० अग्रवाला,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को,
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० प्लॉट नं० 6 ब्लॉक नं० 14 है, जो कृष्ण नगर,
इलाका शाहदरा, दिल्ली में स्थित है (और उससे उपाबद्ध अनुसूची
में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)
के अधीन 25-3-75
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण
के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से
उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तविक उक्त अधिनियम,
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिये,
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के
लिए ;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तर्गण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री जोगिन्दर पाल पुत्र श्री पेली राम हांडा
निवासी/ बी० 1/657, कुन्दनपुरा, सुविधाना (पंजाब)
(अन्तरक)

2. श्रीमती उमा रानी पत्नी श्री ओम प्रकाश हांडा
निवासी/ बी०-14/6, कृष्ण नगर, दिल्ली-51।
(अन्तरिती)

3. श्री ओम प्रकाश हांडा
निवासी/ बी०-14/6, कृष्ण नगर, दिल्ली।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो
उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो
उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

डेढ़ मंजिला मकान जिसका क्षेत्रफल 245. 1/2 वर्ग गज है
जो कि प्लॉट नं० 6 ब्लॉक बी० 14 पार्ट खसरा नं० 516/482
जो कि अधिकृत कालोनीकृष्ण नगर के गांव घोंडली इलाका
शाहदरा दिल्ली 51 में निम्न प्रकार से घिरा है :—

उत्तर : प्लॉट नं० बी०-13/6 बना

पूर्व : प्लॉट नं० बी० 14/5 बना

दक्षिण : सड़क

पश्चिम : बी०-14/7

एम० एन० एल० अग्रवाला
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख: 3-12-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस० —

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 60/61 एरेडबना,

कर्वे रोड, पूना 411004

पूना, दिनांक 22 नवम्बर 1975

निर्देश सं० सी० ए० 5/बम्बई (भिवंडी)/जून 75/266/75-
76—यतः, मुझे, एच० एस० श्रीलख

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिस इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की
धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० सं० क्र० 43/7 प्लॉट नं० 2 है तथा जो मौजे
कामतधर भिवंडी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
बंबई में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन तारीख 19-6-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन
कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयो-
जनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए ;

अतः अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री रतिलाल मेघजी शाह
34, तुकाराम जवाजी रोड, ग्रांट रोड बंबई-7। (अन्तरक)

2. (1) श्रीमती पवन राजेंद्र जैन,
(2) श्रीमती देवकीराज राज भणुर्जन
1, गोविंद कुंज, नेहरू रोड, मुलुंड, बंबई-80। (अन्तरिती)
3. सर्वश्री (1) अश्विनीकुमार देवराज, (2) नैणवजी
गोविंदजी, (3) जाई मल हजारीगल, (4) रमेशकुमार
गोत्री, (5) बाबूलाल पुष्पोत्तम (6) चित्ताग बालकृष्ण
वेडे, (7) मिश्रीमल भिकमचंद, (8) अश्विनी टी भंडार,
(9) निभलाबेन के शाह, (10) चंद्रकांत जश्नेर चंद,
(11) धीरजलाल जीवराज श्रौटका, (12) जयंती भाई,
(13) केशवजी वीरपाल, (14) नेमचंद खेडशी,
(15) अ० डी० गलया, (16) रामजी बेलजी शावा,
सभी रहने वाले : सं० नं० 43, प्लॉट नं० 2, कामतधर,
भिवंडी, थाना।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का,
जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्री होल्ड प्रापटी—मकान सं० नं० 43/7, प्लॉट नं० 2,
रजिस्ट्रेशन सब-रजिस्ट्रीकृत भिवंडी, मौजे कामतधर, भिवंडी
थाना रोड, भिवंडी। क्षेत्रफल : 1337.76 वर्ग मीटर, तक
मजला—222 वर्ग यार्ड्स,

पहिला मजला—177 वर्ग यार्ड्स,

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत दिल्ख ३० 1220 जून, 1975 में
सब-रजिस्ट्रार बंबई के दफ्तर में लिखा है)।

एच० एस० श्रीलख,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-पूना

तारीख : 22 नवम्बर 1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-5, बम्बई

बम्बई, दिनांक 24 नवम्बर 1975

निर्देश सं० आई० 5/318/75-76---अतः, मुझे जे० एम०
27

मेहरा सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण), अर्जन रेंज 5 बम्बई
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० प्लॉट नं० 25 सेक्टर नं० 4 एम० एन० 320 है,
जो चेम्बर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बम्बई में
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन तारीख 4-4-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार
मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित
की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-
पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे, दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए वा, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

9—366 GI/75

1. श्री राजू सीदधु शेड्टी (अन्तरक)

2. श्री चेंबर रुकला को० ओप० हाउ० सोसायटी लिमि०
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपेक्ष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

बृहत्तर बम्बई के बम्बई उपनगर जिले के रजिस्ट्रेशन उप जिले
बान्द्रा, चेम्बर में जो कि अब बम्बई नगर और उपनगर के रजिस्ट्रेशन
जिले एवं उपजिले में स्थित है, भूमि अथवा भूदान का वह तमाम
भाग अथवा टुकड़ा जो कि सेक्टर सं० 4 में प्लॉट सं० 25 है तथा
माप में 752-52 वर्ग मीटर (900 वर्गगज) है उस भूमि का भाग
है जिसका सर्वेक्षण सं० 320 है तथा जिसकी सीमाएं इस प्रकार से
घिरी हुई हैं पूर्व में अथवा पूर्व दिशा की ओर सेक्टर 3 और 4 के
बीच 44 फुट प्रस्तावित म्युनिसिपल सड़क है, पश्चिम में अथवा
पश्चिम दिशा की ओर से सेक्टर सं० 1 और 4 के बीच 44 फुट
प्रस्तावित म्युनिसिपल सड़क है, उत्तर में अथवा उत्तर दिशा की
ओर 44 फुट म्युनिसिपल सड़क है और दक्षिण में अथवा दक्षिण
दिशा की ओर सेक्टर सं० 4 में प्लॉट सं० 36 और 35 है तथा
प्रापटी है जिसकी सी० टी० एस० सं० 661/सी० 11 है।

जे० एम० मेहरा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज 5, बम्बई।

तारीख : 24 नवम्बर, 1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 1 दिसम्बर 1975

निर्देश सं० आर० ए० सी०/74/75-76—यतः, मुझे,
के० एस० वेंकट रामन
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की
धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० बाग नं० 3-5-141/2/7 ईडन गारडन है, जो
हैदराबाद में स्थित है (और इससे उगावद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन 8-4-1975
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित
की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्ध्र प्रतिशत से अधिक
है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से
कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम,
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना
चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब
के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की
उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री नवाब बंजत जहां बहादुर 3-5-141/2/7 ईडन
गारडन, हैदराबाद ।
(अन्तरक)

2. श्री नवाब इमदादजा बहादुर 3-5-121/एफ०/1 ईडन
गारडन, हैदराबाद ।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाध में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

सम्पत्ति — बाग घरकति 3-5-141/2/7 ईडन गारडन
किंग कीठी, हैदराबाद विस्तार—200 वर्ग-गार्ड ।

के० एस० वेंकट रामन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 1-12-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, हैदराबाद

सिकन्दराबाद, दिनांक 28 नवम्बर 1975

निर्देश सं० आर० ए० सी० 171/75-76—यतः, मुझे,
के० एस० वेंकट रामन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की
धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० 4-5-8 ता 10 सिकन्दराबाद है, जो
लालागुडा बाजार में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
सिकन्दराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन 3-4-1975
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम
के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है
और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से,
ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह
कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य
से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया
गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या घन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अपात्तु :—

1. श्री (1) ई० पोधमा (2) ममोडी (3) नयनम्मा,
(4) मधुसुधन (5) पालमुना (6) यम० धेनया मकान नं०
2058 लालागुडा बाजार, सिकन्दराबाद (अन्तरक)

2. श्री ई० जे० फरीक-फिता-धेडी-परीक नं० 6 जीरा
सिकन्दराबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तरसबन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति—बुलडीना नं० 2058 (नया नं० 4-5-8 ता 10)
लालागुडा बाजार-विस्त नं०-388 वर्ग मीटर।

के० एस० वेंकट रामन,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण);
अर्जन रेंज, हैदराबाद।

तारीख : 28-11-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 29 नवम्बर 1975

निर्देश सं० आर० ए० सी० 172/75-76—यतः, मुझे,
के० एस वेंकट रामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० शाप नं० 11 युनीटी होज है, जो आबीद रोड
में स्थित है (और इससे उभावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन 2-4-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की
गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बढ़ने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम,
1922 (1922 का 11) या उक्त
अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना
चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. हिन्दुस्तान बुलईस पाटनर हरीकी शन-बशीरबाग,
हैदराबाद (अन्तरक)

2. (1) श्रीमती गीताबाई पती जगदीश परसाद (2)
श्रीमती कौसल्याबाई पती दरयब (3) गयात्री बाई पती बजरंग
परसाद (4) ननद दुलारी बाई पती कैलास परसाद तमामे रहते
हैं नं० 21-2-522 धारकमाम, हैदराबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरि-
भाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति —शफ नं० 11 पहला मनजील पर युनीटी हैज
आबीद रोड हैदराबाद विस्तन 242 वर्ग फिट।

के० एस० वेंकट रामन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 29-11-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 29 नवम्बर 1975

निर्देश सं० आर० ए० सी० 173/75-76—यतः, मुझे,
के० एस० वेंकट रामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० शाफ नं० 4 थुनीटी होज है, जो आबिद रोड
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन 26-4-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए

अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है
कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से
कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम',
के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम,
1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम',
या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं
किया गया था या किया जाना चाहिए था,
छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्थात् :—

1. हिन्दुस्तान बुलइंस पाटनर हरीकिशन बशीर बाग,
हैदराबाद (अन्तरक)

2. श्रीमती किशना देवी अग्रवाल नं० 21 3-710 घेलापुरा
हैदराबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति, द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में
यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति—शाप नं० 4 पहिला मनजिल थुनीटी होज—आबिद
रोड, हैदराबाद विस्तरे—242 वर्ग फीट।

के० एस० वेंकट रामन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 29-11-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस० — — —

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 26 नवम्बर 1975

निर्देश सं० XVI/12/75/75-76—यतः, मुझे, जी०

रामनातन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० ए०. सं० 310/2 सी० और 310/2 बी०,
तिरुमलै गिरि गांव, नामक्कल है, जो नामक्कल (पा सं० 392/
75) में स्थित है (और इसमें उभावद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मद्रास
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1808 (1908 का 16)
के अधीन 23-6-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से
कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और
मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के
लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है;

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने
में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम,
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए
था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम, की, धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-ब की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :-

1. श्री एस० एन० ऊमाशंकर और आदि, सेलम (अन्तरक)

2. श्री मुरुगेशन, नामक्कल (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सेलम जिल्ला, तिरुमलैगिरि गांव, सरने सं० 310/2 सी०
और 310/2 बी० में 3.67 1/2 एकर खेती की भूमि।

जी० रामानातन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास

तारीख : 26-11-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

1. सोनेदरराजा मिल्स लिमिटेड, पिन्डिगल-6 (अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

2. श्री एन० सोन्दरराजन और एस रन्जीत (अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, मद्रास

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

मद्रास, दिनांक 27 नवम्बर 1975

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

निवश सं० VI /13/5/75-76—यतः, मुझे, जी० रामनातन
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० 30/ए० 7 है, जो बालकृष्णपुरम, बिन्डीगल-4
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नागलनायकमण्ट्री
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन 25-4-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख
के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजारमूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल
का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के
लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त
अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम,' के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधि-
नियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

दिण्डुकल, बालकृष्णनपुरम गाँव जी० टी० एन० नायडु सालै
में "लक्ष्मी-सौन्दर" नाम का मकान (सर्वे सं० 39/ए० 7)।

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम,'
या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए।

जी० रामनातन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, मद्रास

अतः अथ 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अन्त-
रण में, मैं, 'उक्त अधिनियम,' की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

तारीख : 27-11-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 27 नवम्बर 1975

निर्देश सं० XIX/1/29/75-76—यतः, मुझे, जी० रामनातन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 38 और 38 ए० है, जो टी० एम० जी० बिल्डिंग, सिन्दुपून्दुरै, तिरुनेलवेली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, तिरुनेलवेली (पात्र सं० 1790/75) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 20-5-1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री टी० एम० जी० मोहम्मद अब्दुल रहिम राजतर, तिरुनेलवेली (अन्तरक)

2. श्रीमती टी० पी० मैमून बीबी, पेट्टै, तिरुनेलवेली (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

संशुद्धीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

तिरुनेलवेली, सिन्दुपून्दुरै शाप सं० 38 और 38 ए०, सर्वे सं० 1099/3 (भाग), 1096/4 (भाग) और 1100/1 बी० 2 (भाग) में 381 स्क्वयर फीट की भूमि और मकान।

जी० रामनातन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, I मद्रास

तारीख : 27-11-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 24 नवम्बर 1975

निर्देश सं० 200/अकणूजीशन/देहरादून/74-75—यतः, मुझे,
एफ० जे० बहादुर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम अधिकारी को
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो अनुसूची के
अनुसार में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, देहरादून
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन 5-4-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण
के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त
अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के
अन्तरक के दायित्व में कमी करने या
उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या धनकर अधिनियम, 1957 (1957
का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना
चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री सरन प्रसाद पुत्र श्री बेनी प्रसाद 14-ए०, तेग बहादुर
रोड, देहरादून (अन्तरक)

2. श्री एम० आर० तिरिखा पुत्र स्व० श्री दुर्गा दास तरीखा
निवासी 2223, किशन नगर, गुरुकुल कांगरी, कनखल, जिला
सहारनपुर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में
परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अचल सम्पत्ति नम्बर 14-ए०, तेग बहादुर रोड, देहरादून,
जिस का हस्तप्रन्तरण 90,000 रु० मूल्य में किया गया है।

एफ० जे० बहादुर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 24-11-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 24 नवम्बर 1975

निर्देश सं० 78/अक्यूजीशन/देहरादून/75-76—अतः मुझे
एफ० जे० बहादुर—

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है और
जिस की संख्या अनुसूची के अनुसार है तथा जो अनुसूची के
अनुसार स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय देहरादून
में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 18-4-1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है
और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति
का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया
गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त
अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11), या उक्त अधिनियम,
या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269 घ की उपधारा
(1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :-

- (1) श्रीमती एनट ब्रनाई पत्नी डा० जे० एस० ई० ब्रनाई
निवासी 16/5 आस बी, हचीनस रोड, बंगलौर।
(अन्तरक)
- (2) श्री एच० सी० मेहता, पत्नी श्री एस० डी० मेहता
सीनियर डिविजन मैनेजर लाईफ इन्सोरेन्स कार-
पोरेशन प्राप इन्डिया, अजमेर। (अन्तरिति)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सन्दर्भ में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा-
परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अचल सम्पत्ति खसरा नं० 602/2 जो बल रोड, ग्राम बारूवाला
कलेमैन्ट टाउन, देहरादून में स्थित है और जोकि 50,000) रु०
मूल्य में हस्तान्तरित की गई है।

एफ० जे० बहादुर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख 24-11-75
मोहर

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, तारीख 25 नवम्बर 1975

निर्देश सं० 122/अक्यूजीशन/देहरादून/75-76/2030—अतः
मुझे, एफ० जे० बहादुर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विष् करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है त जो अतः की के अनुसार
में स्थित है। (और इससे उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, देहरादून में, रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908) 1908 का 16 के अधीन तारीख
22-4-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से
कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और
मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण
के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से
उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिये, छिपाने में सुविधा के
लिए ;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित, व्यक्तियों प्रार्थित :—

(1) श्रीमती जी० पी० शेरी, पत्नी श्री आर० एन० शेरी
निवासी 100/88-89 प्रेम नगर दयालबाग, आगरा
(अन्तरक)

(2) श्री टी० रामा चन्द्रन भद्रन आई०सी० एस० पुत्र स्व०
श्री टी० बी० चारियन रिटायर्ड जज, इलाहाबाद हाई
कोर्ट (2) श्रीमती एम० रामा चन्द्रन पत्नी श्री
जस्टीस टी० रामाचन्द्रन दोनों निवासी न्यू कन्टोनमेंट
रोड, देहरादून
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

अचल सम्पत्ति जिस का नम्बर 3/14-बी है और जो तेग
बहादुर रोड, देहरादून में स्थित है, 90,000) रु० मूल्य में
हस्तअन्तरित की गई है।

एफ० जे० बहादुर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख 25-11-75

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, तारीख 22-11-75

निदेश नं० 204/अकयूजीशन/देहरादून/74-75—अतः मुझे
एफ० जे० बहादुर

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिस की सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो अनुसूची के
अनुसार नें स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, देहरादून
में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 18-4-1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल
का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के
लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त
अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269 घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री श्याम सुन्दर रेना पुत्र श्री एस० आर० रेना,
(2) श्रीमती कमला रेना पत्नी श्री एस० एस० रेना,
निवासी 153-बी, राजपुर रोड देहरादून,
(अन्तरक)

(2) श्री बीक्रम सिंह डिलों पुत्र श्री मेहर सिंह निवासी
28, माडलग्राम, लुधियाना
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम', के अध्याय 20-क में यथा-
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अचल सम्पत्ति म्युनिसिपल नं० 153-बी, स्थित राजपुर रोड
देहरादून जिस का क्षेत्रफल कवर्ड 737 स्कुयार फुट और खुली भूमि
43750 स्कुयार फुट है, 2,80,000) रु० मूल्य में हस्तान्तरित
की गई है।

एफ० जे० बहादुर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख 22-11-75

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय

अर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, तारीख 26-11-1975

निदेश सं० 299/एकुरे III/75.76/कलकत्ता--अतः मुझे
एल० के० बालसुब्रमनियम

आयकर अधिनियम, 1961 (1961
का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त
अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन
सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है और जिसकी सं० प्लॉट
और जिस की सं० 13 है तथा जो ब्रड स्ट्रीट, कलकत्ता में स्थित है
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 18-4-
1975 को पूर्वोक्त

सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के
लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल के, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं
किया गया था, या किया जाना चाहिए था,
छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री मन्मनाथ मुखर्जी 31, भोतिलाल नेहरू रोड कलकत्ता
में उत्तरा को० आपरेटिव हाउसिंग सोसाइटी लिमि०
12/2 पाथ एभिन्यु, कलकत्ता

(अन्तरक)

- (2) 1. श्री शेख साहजान
2. श्री कार्तिक राजक
3. शेख नासिरुद्दीन
4. शेख कामालुद्दीन
5. देस स्टोन प्रग दीक्षित
6. श्री रामचन्द्र साहा
7. मानिकलाल कर्मकार
8. सूर्य नारायण घोष

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां कला हूँ।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख
से 45 दिन की अवधि या तत्सम्यन्धी व्यक्तियों
पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि,
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख
से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति
में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो
उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

करीब 1 बिघा 10 कट्ठा 6 छटोंक जमीन साथ उस पर बनाया
स्ट्राक चार का 1/4 अभिभक्त अंश जो 13, ब्रड स्ट्रीट, कलकत्ता
पर अवस्थित और जो रजिस्ट्रार आफ एसुरेंस, कलकत्ता द्वारा
रजिस्ट्रीकृत दलील सं० 2227/1975 का अनुसार है।

एल० के० बालसुब्रमनियम

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज III

54, रफीअहमद किलवाई रोड,

कलकत्ता-16

तारीख : 26-11-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 26 नवम्बर 1975

निर्देश सं० 300/एकुरे III/75-76/कलकत्ता—अतः मुझे एल० के० बालसुब्रमनियम आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रु० से अधिक है और जिसकी सं० 13 है तथा जो ब्रड स्ट्रीट, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपरबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11), या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री सौरेन्द्र नाथ मुखर्जी 31, मोती लाल नेहरू रोड कलकत्ता मै० उत्तरा को० आपरेटिव हाउसिंग सोसाइटी लिमि० 12/2, पाम एभिन्यू, कलकत्ता (अन्तरक)

(2) 1. शेख साहजान
2. श्री कासिक राजक
3. शेख नासिरुद्दीन
4. शेख कामालुद्दीन
5. देस स्टोन प्रप० तीप्ति
6. श्री रामचन्द्रन साहा
7. श्री मानिकलाल कर्मकार
8. सूर्य नारायण घोष

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेषः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरणः— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

करीब 1 बीघा 10 कट्टा 6 छटाक जमीन साथ उस पर बनाया स्ट्राक चारस का 1/4 अविभक्त ग्रंथ जो 13, ब्रड स्ट्रीट कलकत्ता पर अवस्थित और जो रजिस्ट्रार आफ एसुरेन्सेस, कलकत्ता द्वारा रजिस्ट्रीकृत दलिल सं० 2225/1975 का अनुसार है

एल० के० बालासुब्रमनियम

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज III

54, रफीअहमद किदवाई रोड,

कलकत्ता-16

तारीख 26-11-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269(ब) (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, तारीख 26-11-1975

निदेश सं० 301/एकुरे III/75-76/कलकत्ता—अतः मुझे एल० के० बालसुब्रमनियन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक और जिस की सं० 13 है तथा जो ब्रड स्ट्रीट कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 198 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 18-4-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत बिलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) असीम कुमार मुखर्जी 31, मोति लाल नेहरू रोड
कलकत्ता

(अन्तरक)

(2) मे० उत्तरा कोआपरेटिव हाउसिंग सोसाइटी लिमि० 12/2 पाम एभिन्पू, कलकत्ता।

1. शेख साहजान
2. श्री कार्तिक राजक
3. शेख नासिसुद्दीन
4. श्री कामालुद्दीन
5. देस स्टोन प्रप०, तीप्ति
6. श्री रामचन्द्र साहा
7. श्री मानिकलाल कर्मकार
8. श्री सूर्य नारायण कोष

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर, उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

करोब 1 बीघा 10 कट्टा 6 छटाक जमीन साथ उस पर बनाया स्ट्राफ चार का 1/4 अविभक्त अंग जो 13, ब्रड स्ट्रीट, कलकत्ता पर अवस्थित और जो रजिस्ट्रार आफ एसुरेन्सेस कलकत्ता द्वारा रजिस्ट्रीकृत दलिल सं० 2223/1975 का अनुसार है।

एल० के० बालसुब्रमनियन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, III
54, रफी अहमद किदवाई रोड,
कलकत्ता-16

तारीख : 26-11-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन पुचन

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

54, रफी अहमद किदवाई रोड,

अर्जन रेंज-III कलकत्ता-16

कलकत्ता, दिनांक 26 नवम्बर 1975

निदेश नं० 302/एकुरे III/75-76/कलकत्ता—अतः मुझे
एल० के० बालसुब्रमनियन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया
है) की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिस की सं० 13 है तथा जो ब्रड स्ट्रीट कलकत्ता में स्थित है
(और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 18-4-75
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है
और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति
का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के
लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त
अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं
किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री बलराम मुखर्जी 31, मोतीलाल नेहरू रोड, कलकत्ता ।

(अन्तरक)

(2) मै० उत्तरा को० आपरेटिव हाउसिंग सोसाइटी लि०
12/2, पाम एभिन्यू, कलकत्ता । (अन्तरिती)

- (3) 1. शेख साहजान
2. श्री कार्तिक राजक
3. शेख नासिरुद्दीन
4. श्री कामालुद्दीन
5. देस स्टोन प्रप वीप्ति
6. श्री रामचन्द्र साहा
7. श्री भानिकलाल कर्मकार
8. श्री सुर्य नारायण घोष

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है) ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
एतद्वारा कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आपक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित
में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है ।

अनुसूची

करीब 1 बीघा 10 कट्टा 6 छत्रक जमीन साथ उस पर बनाया
ट्रकचरण चारस का 1/4 अविभक्त अंश जो 13, ब्रड स्ट्रीट कलकत्ता
पर अवस्थित और जो रजिस्ट्रार आफ एमुरेसेंस, कलकत्ता द्वारा
रजिस्ट्रीकृत दलिल सं० 2221/1975 के अनुसार है ।

एल० के० बालसुब्रमनियन,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
54, रफीअहमद किदवाई रोड,
अर्जन रेंज-III, कलकत्ता-16

तारीख : 26-11-1975

मोहर :

प्ररूप आई०टी०एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज धारवाड

धारवाड, दिनांक 20 नवम्बर 1975

निदेश सं० 86/75-76/एक्यू०—यतः मुझे पी० सत्यनारायण
राव, आयकर अधिनियम, 1961

(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम'
कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी
को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिस की प्लॉट सं० 6 है जो बेलगांव में म्युनिसिपल
सीमा की अन्दर स्थित है (और इससे उदाहरण अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बेलगांव
(डॉक्यूमेंट नं० 4429 के अन्तर्गत) में रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख
10-3-1975 के दिन

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत
अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के
अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे
बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों,
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

11—366GI/75

(1) श्री पिस्तोनजी कुरशेडजी बाँयस,
3934, काली अम्बाय,
बेलगांव । (अन्तरक)

(2) श्री चंवलाल मगनलाल दोशी,
मार्फत पीपल्स अटोमोबाईल्स,
फोर्ट रोड, बेलगांव । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

प्लॉट सं० 6 जो आर० एस० सं० 260ए०/2ए० में
बेलगांव म्युनिसिपल सीमा के अंदर, बेलगांव में स्थित है ।

पी० सत्यनारायण राव,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, धारवाड

तारीख : 20-11-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, धारवाड़

धारवाड़, दिनांक 20 नवम्बर 1975

निर्देश सं० 87/75-76/एफ्यू०—यतः, मुझे, पी० सत्यनारायण राव
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी प्लॉट सं० 1 है, जो बेलगांव में मुनिसिपल हद्दी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बेलगांव में (डायुमेंट सं० 4431 के अन्तर्गत) भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 12-3-1975 के दिन को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:-

1. पिस्तोनजी कुरसेटजी वाँयस, 3934, काली अम्नाय, बेलगांव ।
(अन्तरक)

2. श्रीमती चंद्रकला भीमगौडा पाटील, बेलगांव ।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

प्लॉट सं० 1 जो आर० एस० सं० 960ए०/2ए० में बेलगांव मुनिसिपल हद्दी में, बेलगांव में स्थित है ।

पी० सत्यनारायण राव,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, धारवाड़

तारीख : 20-11-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, धारवाड़

धारवाड़, दिनांक 20 नवम्बर 1975

निर्देश सं० 88/75-76/ए०सी०ए०—प्रतः, मुझे पी० सत्यनारायण राव आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी प्लॉट सं० 2 है, जो बेलगांव मुनिसिपल हद्दी में स्थित है (और इससे उभावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बेलगांव (डाक्यूमेंट सं० 4430 के अन्तर्गत) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 13-3-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिये;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री पिस्तोनजी कुरसेटजी बोंयस, 3934, काली अम्नाय, बेलगांव। (अन्तरक)

2. श्री बी० जी० जबली, सहायक वाणिज्यकर अधिकारी, कारवार।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट सं० 2 जो आर० एस० सं० 960ए०/2ए० में बेलगांव मुनिसिपल हद्दी में, बेलगांव में स्थित है।

पी० सत्यनारायण राव
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, धारवाड़

तारीख : 20-11-1975
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 2 दिसम्बर 1975

निर्देश सं० के०पी०एल०/202/75-76—यतः मुझे,
वी० आर० सगर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० भूमि है तथा जो गांव खोरावली में स्थित
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कपूरथला में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
दिनांक मार्च 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार
मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित
की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है
कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है
और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री रघबीर सिंह तथा नरिन्द्र सिंह सपुत्रान श्री केहर
सिंह वासी मोगा जिला फरीदकोट। (अन्तरक)

2. कुमारी रूपिन्द्र कौर सपुत्री श्री बलबीर सिंह रन्धावा
रिटायाई डी० सी० कोठी नं० 564 सैक्टर 8-बी० चण्डीगढ़।
(अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है तथा किराएदार यदि
हों।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में
सम्पत्ति है)

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता है।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वच्छीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त-
अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3013 मार्च
1975 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी कपूरथला में है।

वी० आर० सगर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 2-12-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 2 दिसम्बर 1975

निर्देश सं० के० पी० एल/203/75-76—प्रतः, मुझे,
वी० आर० सगर,

आयकर अधिनियम, 1961

(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रु० से अधिक है और जिसकी सं० भूमि है तथा जो गांव खीरावाली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कपूरथला में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक मार्च 1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री रघुबीर सिंह तथा नरिन्द्र सिंह सपुत्रान श्री केहर सिंह, बासी मोगा जिला फरीदकोट।

(अन्तरक)

2. श्रीमती निम्मी सपुत्री श्री बलबीर सिंह रन्धावा रिटायर्ड डी० सी० कोठी नं० 564, सैक्टर 8-बी०, चण्डीगढ़।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है तथा किरायेदार यदि हो।

(वह व्यक्ति, जिनके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता है।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से, किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत बिलेख नं० 3014 मार्च 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी कपूरथला में है।

वी० आर० सगर,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, अमृतसर।

तारीख : 2-12-75
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 2 दिसम्बर 1975

निर्देश सं० के०-पी०एल/204/75-76—यतः मुझे, बी०
आर० सगर,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिसकी सं० भूमि है तथा जो गांव खीरावाली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कपूरथला में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाय अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री रघबीर सिंह, नरिन्द्र सिंह सपुत्रान श्री केहर सिंह वासी मोगा जिला फरीदकोट। (अन्तरक)

2. श्रीमती सत्या जैन पत्नी श्री विजय कुमार वासी सरफा बाजार कपूरथला। (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है तथा किराएदार यदि हों।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता है।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3016 मार्च 1975 की रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी कपूरथला में है।

बी० आर० सगर,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, अमृतसर।

तारीख : 2-12-75
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 2 दिसम्बर 1975

निर्देश सं० के० पी० एल०/205/75-76—यतः, मुझे,
वी० आर० सगर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रु० से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि है तथा जो गांव खीरावाली में स्थित
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है)
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कपूरथला में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक मार्च
1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ध्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त
अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक
के दायित्व कम करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम',
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः अब 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-ब के
अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-ब की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री रघबीर सिंह, नरिन्द्र सिंह सपुत्रान श्री केहर
सिंह, बासी मोगा जिला फरीदकोट। (अन्तरक)

2. श्रीमती जसमेर कौर विधवा श्री नरिन्द्र सिंह बासी
धर्मकोट जिला फिरोजपुर। (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है तथा किराएदार यदि हो।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम' के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3015 मार्च 1975
को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी कपूरथला में है।

वी० आर० सगर,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, अमृतसर।

तारीख : 2-12-1975
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 2 दिसम्बर 1975

निर्देश सं० के०पी०एल०/206/75-76—यतः, मुझे,
वी० आर० सगर,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि है तथा जो गांव खीरावाली में स्थित है
(और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप में वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कपूरथला में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
मार्च 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से
कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की
गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है
और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्न-
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप
से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने
या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की
(उपधारा 1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री रघबीर सिंह, नरिन्द्र सिंह सपुत्रान श्री केहर सिंह,
बासी मोगा जिला फरीदकोट। (अन्तरक)

2. श्री कुलदीप सिंह सपुत्र श्री नरिन्द्र सिंह, बासी धर्मकोट
जिला फिरोजपुर। (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है तथा किराएदार यदि हों।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता है।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपेय :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3012 मार्च
1975 की रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी कपूरथला में है।

वी० आर० सगर,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, अमृतसर।

तारीख : 2-12-1975
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 2 दिसम्बर 1975

निदेश सं० कपूरथला/207/75-76:—यतः, मुझे, बी० आर०
सगर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी
को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० भूमि है तथा जो गांव खीरावाली में स्थित है (और
इससे उपायधन अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, कपूरथला में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च, 1975
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित

बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नाह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या धनकर अधिनियम, 1957 (1957
का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए
था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

12—366GI/75

1. श्री रघबीर सिंह, नरिन्द्र सिंह सपुत्रान श्री केहर सिंह,
वासी भोगा जिला फरीदकोट । (अन्तरक)

2. श्रीमती नरिन्द्र कौर सपुत्री श्री बलबीर सिंह रुन्धावा
रिटायर्ड डी० सी० कोठी नं० 564 सैक्टर 8-बी०, चण्डीगढ़ ।
(अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है तथा किराएदार यदि हो ।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है) ।

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता है ।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधो-
हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में
हितबद्ध है) ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्यद्धीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-
भाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3011 मार्च, 1975
की रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी कपूरथला में है ।

बी० आर० सगर,
सक्षम अधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, अमृतसर ।

तारीख : 2 दिसम्बर 1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 29 नवम्बर 1975

निदेश सं० अमृतसर/194/75-76:—यतः, मुझ, बी०

आर० सगर,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 1/2 सम्पत्ति है तथा जो कटड़ा शेर सिंह अमृतसर में स्थित है (और इससे उभावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती करम देवी विधवा श्री लछमन सिंह वासी 43 माल रोड अमृतसर द्वारा श्री गुलजार सिंह तथा श्रीमती कमला कुमारी पत्नी श्री बृज कुमार वासी आर० बी० प्रकाश चन्द रोड, अमृतसर। (अन्तरक)

2. श्री मंगत राम सपुत्र श्री तरलोक चन्द जैन अन्तर लोहगढ़ गेट, अमृतसर। (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है तथा किराएदार 1. मैसर्स फेयर फ्रेंड्स वाच कं० (2) श्री मोहन लाल (3) श्री मुनी लाल (4) श्री जोगिन्द्र सिंह (5) श्री प्रकाश दुआ (6) मैसर्स रेला राम तिलक राज, 48-ए० तथा 48-बी० कटड़ा शेर सिंह अमृतसर। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता है।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/2 भाग सम्पत्ति नं० 48-ए० तथा 48 बी० कटड़ा शेर सिंह अमृतसर, जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 64, अप्रैल, 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर में है।

बी० आर० सगर,
सक्षम अधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, अमृतसर।

तारीख : 29 नवम्बर 1975
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 29 नवम्बर 1975

निदेश सं० कपूरथला/195/75-76:—यतः, मुझे,
वी० आर० सगर,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और
और जिसकी सं० 1/4 कोठी है तथा जो कपूरथला में स्थित है (और
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, कपूरथला में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल 1975
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के
लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने
के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या
उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957
का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट
नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिये;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री सुरिन्दर नाथ पुत्र आर० बी० दुर्गा दास, वासी कपूर-
थला जी० ऐ० श्री दविंदर नाथ । (अन्तरक)
2. श्री जरनैल सिंह पुत्र श्री वग्गा सिंह, वासी खानोवाल ।
(अन्तरिती)
3. जैसा कि नं० 2 पर है ।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो ।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधो-
हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति
में हितबद्ध है) ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो
उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

1/4 कोठी जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 217 अप्रैल
1975 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, कपूरथला में लिखा है ।

वी० आर० सगर,
सक्षम अधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, अमृतसर ।

तारीख : 29-11-1975
मोहर :

प्रकृप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 29 नवम्बर 1975

निर्देश सं० कपूरखला/196/75-76:—यतः, मुझे, वी० आर० सगर, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 1/4 कोठी है तथा जो कपूरखला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कपूरखला में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल 1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से ऐसे दृश्यमान प्रतिकल के पम्ब्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के वायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तर्लिखी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री सुरिंदर नाथ पुत्र आर० वी० दुर्गा दास, वासी कपूर-खला जी० ऐ० आफ श्री दविंदर नाथ । (अन्तरक)

2. श्री मेजर सिंह पुत्र श्री बग्गा सिंह पुत्र श्री हरनाम सिंह, वासी खानोवाल । (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है ।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है) ।

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो ।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है) ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

1/4 कोठी जैसा कि रजिस्ट्रीकृत बिलेख नं० 139 अप्रैल, 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी कपूरखला में लिखा है ।

वी० आर० सगर,
सक्षम अधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण);
अर्जन रेंज, अमृतसर ।

तारीख : 29-11-1975
मोहर :

प्ररूप आई० टी० ए० ए०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 29 नवम्बर 1975

निदेश सं० पठानकोट/197/75-76:—यतः, मुझे,
वी० आर० सगर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० सम्पत्ति है तथा जो सखी मंडी ऐरिया हांगु रोड,
पठानकोट में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
पठानकोट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख अप्रैल, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त
अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या
घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री ख्वाजा अब्दुल घनी खान पुत्र अब्दुल अजीज खान
टिम्बर मरचैट पठानकोट अब अन्तत नाग (जे० एण्ड के०) ।

(अन्तरक)

2. मंसूर बाबू राम नागर मल सखी मण्डी, पठानकोट ।
(अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 पर है ।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है) ।

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो ।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधो-
हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में
हितबद्ध है) ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम', के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस
अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

सम्पत्ति सखी मण्डी, ऐरिया हांगु रोड पठानकोट जैसा कि
रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 66 अप्रैल 1975 की रजिस्ट्रीकर्ता अधि-
कारी पठानकोट में लिखा है ।

वी० आर० सगर,

सक्षम अधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण);

अर्जन रेंज, अमृतसर ।

तारीख: 29-11-1975

मोहूर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 29 नवम्बर 1975

निर्देश सं० फरीदकोट/198/75/76:—यतः, मुझे, श्री०
आर० सगर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० धरती है तथा जो जलियाना रोड, कोटकपुरा
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, फरीदकोट में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 17) के अधीन,
तारीख अप्रैल 1975।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए

अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त
अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया
है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री गुरबचन सिंह पुत्र श्री नत्था सिंह वासी गांव बुलेर
मस्ता। (अन्तरक)
2. श्रीमती पदमा रानी पत्नी श्री विजय कुमार वासी कोटक-
पुरा। (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 पर है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में
सम्पत्ति है)।

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधो-
हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में
हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 219 अप्रैल, 1975
को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी फरीदकोट में लिखा है।

श्री० आर० सगर,
सक्षम अधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 29-11-1975
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 29 नवम्बर 1975

निदेश सं० फरीदकोट/199/75-76:—यतः, मुझे, बी०
आर० सगर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से
अधिक है

और जिसकी सं० धरती है तथा जो जलियाना रीड़, कोटकपुरा में
स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, फरीदकोट में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
अप्रैल 1975

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त
अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों को,
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ
के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की
उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती परमवीर सिंह, हरजिन्दर सिंह, वासी कोटकपुरा।
(अन्तरक)
2. श्रीमती सीता रानी पत्नी श्री प्यारे लाल वासी कोटकपुरा।
(अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 पर है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में
में सम्पत्ति है)।

4. कोट्ट व्यक्ति जो सम्पत्ति रुचि रखता हो।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना को
तामीन से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 218 अप्रैल 1975
को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी फरीदकोट में लिखा है।

बी० आर० सगर,

सक्षम अधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, अमृतसर।

तारीख : 29 नवम्बर, 1975

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय,
अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 29 नवम्बर 1975

निदेश सं० मानसा/200/75-76:—यतः, मुझे, बी०
आर० सगर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० धरती है तथा जो चकारियां रोड़, मानसा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मानसा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल, 1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए

अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री आत्मा सिंह सीता सिंह हरनेक सिंह पुत्र श्री केहर सिंह, नरसी सिंह पुत्र बल सिंह गोल्ड स्मीथ वासी मानसा कलां।
(अन्तरक)

2. श्री विमल लाल पुत्र श्री मोहन लाल पुत्र वचना मल वासी गुरदावर चौक, मानसा श्री मुकंदी लाल पुत्र श्री वृक्षी राम पुत्र श्री मथरा दास वासी मानसा।
(अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 पर है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 133 और 134 अप्रैल, 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, मानसा में लिखा है।

बी० आर० सगर,
सक्षम अधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, अमृतसर।

तारीख : 29-11-1975

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 29 नवम्बर 1975

निदेश सं० अमृतसर/201/75-76:—यतः, मुझे, वी० आर०
सगर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया
है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को,
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार, मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और
और जिसकी सं० मकान नं० 395/10-913/X-5 ढाब खरीकों
अमृतसर है तथा जो ढाब खरीकों अमृतसर में स्थित है (और इससे
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम-
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल, 1975
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार
मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ध्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम,
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

13—366GI/75

1. श्रीमती लाल देवी पत्नी श्री गुज्जर मल खन्ना वासी
किशोर हाऊस शिमा मार्फत श्री राम लुभाया जनरल अटारनी।
(अन्तरक)

2. श्री रघुनाथ सेठी सपुत्र श्री लाल चन्द सेठी सवांक मण्डी
अमृतसर।
(अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में
सम्पत्ति है)।

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधो-
हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में
हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मकान नं० 395/10-913/X-5 ढाब खरीका अमृतसर
जैसा कि रजिस्ट्रीकृत बिलेख नं० 251 महीना अप्रैल 1975 का
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर में लिखा है।

वी० आर० सगर
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर।

तारीख : 29-11-75

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एम०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

चण्डीगढ़, दिनांक 28 नवम्बर 1975

निदेश सं० एम० एम०एन०/1194/85-76/—यतः
मुझे विवेक प्रकाश मिनोचा, सहायक आयकर आयुक्त
(निरीक्षण) अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम, कहा गया है),
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० प्लॉट नं० 57 है तथा जो समाना मण्डी
समाना जिला पटियाला में स्थित है (और इससे उपावद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय, समाना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन तारीख अप्रैल 1975
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित

बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित
की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त
अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर
अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती पुष्पी देवी विधवा श्री अरुड़ा मल पुत्र शूनी
लाल समाना मण्डी समाना, जिला पटियाला।

(अन्तरक)

2. (i) सर्व श्री दनेश कुमार } नबालग
(ii) सुरेश कुमार } द्वारा श्री जुगल किशोर
पिता और कुदरती संरक्षक

कपड़े के व्यापारी,

समाना मण्डी, समाना, जिला पटियाला

(अन्तरिती)

3. म० भगवान दाम चमन लाल तेल के व्यापारी समाना
मण्डी, समाना।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 57 समाना, मण्डी समाना जिला पटियाला।
(जैसे कि रजिस्ट्रीकर्ता के विलेख नं० 9 अप्रैल 1975 में सब-
रजिस्ट्रार समाना के कार्यालय में लिखा है।

विवेक प्रकाश मिनोचा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

तारीख: 28-11-1975

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

चण्डीगढ़, दिनांक 28 नवम्बर 1975

निर्देश सं० एम०एल०के०/10/75-76—यतः मुझे, विवेक प्रकाश मिनोचा सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, चण्डीगढ़ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और और जिसकी सं० भूमि, क्षेत्रफल 4 बिघे है तथा जो गांव बागड़िया तहसील मलेरकोटला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मलेरकोटला में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई 1975 पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. भाई अशोक सिंह पुत्र भाई अर्दमन सिंह, जनरल मैनेजर, दी बागड़िया को-अप्रेटिव फारमिंग सोसायटी, बागड़िया तहसील मलेरकोटला जिला संगरूर।

(अन्तरक)

2. श्री चितबंत सिंह पुत्र श्री गमदुर सिंह, निवासी गांव बागड़िया, तहसील मलेरकोटला जिला संगरूर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आपेक्ष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि क्षेत्रफल 4 बिघे, जोकि गांव बागड़िया तहसील मलेरकोटला जिला संगरूर में स्थित है। खसरा नं० 1320/4-0 (जैसे के रजिस्ट्रीकृत के विलेख नं० 283 मई 1975 में सब-रजिस्ट्रार मलेरकोटला के कार्यालय में लिखा है।

विवेक प्रकाश मिनोचा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

तारीख : 28-11-1975

मोहर :

प्ररूप आई०टी०एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

चण्डीगढ़, दिनांक 28 नवम्बर 1975

निर्देश सं० एम०एल०के०/11/75-76/—अतः मुझे
विवेक प्रकाश मिनोचा सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम,' कहा गया है), की धारा
269-169 के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि क्षेत्रफल 12 बिघे है तथा जो गांव
बागड़िया तहसील मलेरकोटला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय मलेरकोटला में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख मई 1975

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल
के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम'
के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम,'
या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए।

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. भाई अशोक सिंह पुत्र भाई अर्दमन सिंह निवासी
बागड़िया मुख्तयारे ग्राम श्रीमती बलजीत कौर, पत्नी श्री
कुलदीप सिंह, निवासी दिल्ली।

(अन्तरक)

2 श्री हरपाल सिंह पुत्र श्री गमदूर सिंह निवासी गांव
बागड़िया, तहसील मलेरकोटला जिला संगरूर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति, द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम,' के अध्याय 20-क में यथा-
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि क्षेत्रफल 12 बिघे जोकि गांव बागड़िया तहसील
मलेरकोटला जिला संगरूर में स्थित है।

खसरा नं० 1301/4-0, 1304/4-0, 1319/4-0

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत के विलेख नं० 284 मई, 1975 में
सब-रजिस्ट्रार मलेरकोटला के कार्यालय में लिखा है)

विवेक प्रकाश मिनोचा

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

तारीख: 28-11-1975

मोहर:

प्ररूप आई०टी०एन०एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

चण्डीगढ़, दिनांक 28 नवम्बर 1975

निर्देश सं० एम० एल० के० /12/75-76/—यतः मुझे विवेक प्रकाश मिनोचा, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज चण्डीगढ़ आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० भूमि क्षेत्रफल 8 विघे है तथा जो गांव बागड़िया, तहसील मलेरकोटला में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मलेरकोटला में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मई 1975 पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. भाई अशोक सिंह पुत्र भाई अर्दमन सिंह जनरल मैनेजर, दो बागड़िया को-ओपरेटिव फार्मिंग सोसायटी लिमिटेड गांव बागड़िया, तहसील मलेरकोटला जिला संगरूर।

(अन्तरक)

2. श्री हरी सिंह पुत्र श्री किशन सिंह निवासी गांव बागड़िया, तहसील मलेरकोटला जिला संगरूर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि क्षेत्रफल 8 विघे जोकि गांव बागड़िया तहसील मलेरकोटला जिला संगरूर में स्थित है।

खसरा नं० 1306/4-0, 1307/4-0

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत के विलेख नं० 286 मई 1975 को सब-रजिस्ट्रार मलेरकोटला के कार्यालय में लिखा है।

विवेकप्रकाश मिनोचा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

तारीख : 28-11-1975

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

चण्डीगढ़, दिनांक 28 नवम्बर 1975

निवेश सं० एम० एल० के०/21/75-76/—अतः मुझे, विवेक प्रकाश मिनोचा सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज चण्डीगढ़ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है जिसकी सं० भूमि क्षेत्रफल 8 विघे है तथा जो गांव बागड़िया तहसील मलेरकोटला में स्थित है (और इससे उपायद्व अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मलेरकोटला में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई 1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. भाई अशोक सिंह पुत्र भाई अर्दमन सिंह अन्तरल मैनेजर, दी बागड़िया को-अप्रेटिव फारेमिंग सोसायटी लिमिटेड, गांव बागड़िया, तहसील मलेरकोटला, जिला संगरूर। (अन्तरक)

2. श्रीमती राजेन्द्र कौर पुत्री श्री गमदूर सिंह निवासी-गांव बागड़िया तहसील मलेरकोटला जिला संगरूर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि क्षेत्रफल 8 विघे जोकि गांव बागड़िया तहसील मलेरकोटला जिला संगरूर में स्थित है।

खसरा नं० 1316/4-0, 1317/4-0

(जैसे के रजिस्ट्रीकृत के विलेख नं० 654 मई 1975 में सब-रजिस्ट्रार मलेरकोटला के कार्यालय में लिखा है।)

विवेक प्रकाश मिनोचा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

तारीख: 28-11-1975

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

चण्डीगढ़, दिनांक 28 नवम्बर 1975

निदेश सं० एम०के०एल०/22/75-76/ —यतः मुझे, विवेक प्रकाश मिनोचा, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज चण्डीगढ़ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० भूमि क्षेत्रफल 12 विघे है तथा जो गांव बागड़िया, तहसील मलेरकोटला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मलेरकोटला में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की

गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरण (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है: —

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. भाई अशोक सिंह पुत्र भाई अर्दमन सिंह गांव बागड़िया मुखतियार ग्राम श्रीमति बलजीत कौर पत्नी श्री कुलदीप सिंह दिल्ली। (अन्तरक)

2. श्री गम्दूर सिंह पुत्र श्री हरी सिंह निवासी गांव बागड़िया तहसील मलेरकोटला। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि क्षेत्रफल 12 विघे जोकि गांव बागड़िया तहसील मलेरकोटला जिला संगरूर में स्थित है।

खसरा नं० 1302/4-0, 1303/4-0, 1322/4-0

(जैसे के रजिस्ट्रीकृत के विलेख नं० 655 मई 1975 में सब-रजिस्ट्रार मलेरकोटला के कार्यालय में लिखा है।

विवेक प्रकाश मिनोचा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

तारीख: 28-11-1975

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

चण्डीगढ़, दिनांक 28 नवम्बर 1975

निर्देश सं० एम० एल० के०/26/75-76/—अतः मुझे, विवेक प्रकाश मिनोचा, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज चण्डीगढ़ आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० भूमि क्षेत्रफल 8 बिघे है तथा जो गांव बागड़िया, तहसील मलेरकोटला में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मलेरकोटला में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई 1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ के अनुसरण में मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. आई शणोक सिंह पुत्र आई शर्पण सिंह, निवासी बागड़िया मुख्तयारे आम श्रीमती बलजीत कौर पत्नी श्री कुलदीप सिंह निवासी-दिल्ली। (अन्तरक)

2. श्री चितवंत सिंह पुत्र श्री गमदूर सिंह निवासी गांव बागड़िया तहसील मलेरकोटला जिला संगरूर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि क्षेत्रफल 8 बिघे जोकि गांव बागड़िया तहसील मलेरकोटला जिला संगरूर में स्थित है।

खसरा नं० 1321/4-0, 1323/4-0

(जैसे के रजिस्ट्रीकृत क विलेख नं० 703 मई 1975 में सब-रजिस्ट्रार मलेरकोटला के कार्यालय में लिखा है।

विवेक प्रकाश मिनोचा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

तारीख: 28-11-75

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

चण्डीगढ़, दिनांक 28 नवम्बर 1975

निदेश सं० एम०एल०के०/27/75-76—यतः, मुझे, विवेक प्रकाश मिनोचा सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, चण्डीगढ़ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० भूमि क्षेत्रफल 12 बिघे है तथा जो गांव बागड़िया तहसील मलेरकोटला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मलेरकोटला में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई 1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या,
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—
14—366GI/75

1. भाई अशोक सिंह पुत्र भाई अर्दमन सिंह जनरल मैनेजर बी बागड़िया को-अप्रेटिव फार्मिंग सोसायटी बागड़िया, तहसील मलेरकोटला, जिला संगरूर। (अन्तरक)

2. श्रीमती अमर कौर पत्नी श्री गमदूर सिंह निवासी-गांव बागड़िया, तहसील मलेरकोटला, जिला संगरूर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि क्षेत्रफल 12 बिघे जोकि गांव बागड़िया तहसील मलेरकोटला, जिला संगरूर में स्थित है।

खसरा नं० 1300/4-0, 1305/4-0, 1318/4-0

(जैसे के रजिस्ट्रीकृत के विलेख नं० 704 मई 1975 में सब-रजिस्ट्रार मलेरकोटला के कार्यालय में लिखा है।

विवेक प्रकाश मिनोचा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

तारीख : 28-11-1975

मोहर,

प्ररूप आई०टी०एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

चण्डीगढ़, दिनांक 28 नवम्बर 1975

निदेश सं० जेडीआर/14/75-76/—अतः मुझे विवेक
प्रकाश मिनोचा सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० मकान नं० 604, ब्लॉक नं० V है तथा जो
सन्तपुरा गुरद्वारा रोड, माडल टाऊन यमुनानगर में स्थित है (और
इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, जगाधरी में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य
से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है
और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्नाह प्रतिशत से
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम,
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती सरला खन्ना पत्नी श्री एस०पी० खन्ना निवासी
3—ताल कटोरा रोड, नई दिल्ली । (अन्तरक)

(2) श्री वर्णन लाल लांबा पुत्र श्री रत्ना राम लांबा निवासी
मकान नं० 604, ब्लॉक नं० V सन्तपुरा माडल
टाऊन, यमुनानगर । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में
परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

मकान नं० 604, ब्लॉक नं० V सन्तपुरा गुरद्वारा रोड, माडल
टाऊन, यमुनानगर ।

विवेक प्रकाश मिनोचा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

तारीख : 28-11-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की 1रा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

चण्डीगढ़, तिथि 28-11-1975

निर्देश सं० जेडीआर/15/75-76—अतः मुझे, विवेक प्रकाश मिनोचा सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज चण्डीगढ़

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० 603, ब्लाक नं० V है तथा जो सन्तपुरा माडल टाऊन यमुनानगर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जगाधरी में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मई 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए

अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती सरला खन्ना पत्नी श्री एस० पी० खन्ना 3-ताल कटोरा रोड नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) (i) श्री अशोक कुमार, (ii) श्री विनोद कुमार पिसरान श्री दर्शन लाल लांबा

निवासी मकान नं० 603, ब्लाक नं० V सन्तपुरा गुरद्वारा रोड, यमुनानगर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर, उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

मकान नं० 603, ब्लाक नं० V, सन्तपुरा, माडल टाऊन यमुनानगर ।

विवेक प्रकाश मिनोचा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

तारीख 28-11-1975
मोहर :

प्ररूप० आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

चण्डीगढ़, तिथि 28-11-1975

निर्देश सं० एलडीएच/सी/56/75-76—अतः मुझे, विवेक प्रकाश मिनोचा, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज चण्डीगढ़

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 1/2 भाग प्लॉट नं० 171-1 है तथा जो सराभा नगर लुधियाना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री बहादुर सिंह, पुत्र श्री कुंदन सिंह गांव शंकर, तहसील और जिला जालंधर

(अन्तरक)

(2) सर्वश्री (i) किशन चन्द, पुत्र जय राम दास
(ii) विपन कुमार (iii) कंवल कुमार पुत्र श्री किशन चन्द

निवासी 74-डी, सराभा नगर, लुधियाना

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/2 भाग प्लॉट नं० 171-I, जोकि सराभा नगर लुधियाना में स्थित है।

विवेक प्रकाश मिनोचा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

तारीख 28-11-1975

मोहर :

प्ररूप आई०टी०एन०एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

चण्डीगढ़, तिथि 28-11-1975

निर्देश सं० एलडीएच/सी/58/75-76—अतः मुझे, विवेक प्रकाश मिनोचा, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज चण्डीगढ़

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 1/2 भाग प्लॉट नं० 171-I है तथा जो सराभा नगर लुधियाना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई 1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और / या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्री गमदूर सिंह पुत्र श्री भगवान सिंह गांव नारंगवाल,
तहसील लुधियाना (अन्तरक)

(2) सर्वश्री (i) किशन चन्द पुत्र जय राम दास
(ii) विपन कुमार } पुत्र श्री किशन चन्द
(iii) कवल कुमार } (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/2 भाग प्लॉट नं० 171-I जोकि सराभा नगर लुधियाना में स्थित है।

विवेक प्रकाश मिनोचा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

तारीख 28-11-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 22 नवम्बर 1975

Acq. File No. 269/WG

J. Nos. 15, 16, 17 & 18 WG/75-76—

यत्तः, मुझे, B. V. Subba Rao

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की

धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने

का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार

मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 34-38

है, तथा जो Sri Venkateswara Talkies, Tanuku

में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची

में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के

कार्यालय, Tanuku. में भारतीय रजिस्ट्रीकरण

अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 30-4-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम

के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और

मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त

सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल

से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और

अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के

बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित

उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं

किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) 1. Sri. Nallajarala Narayana Rao, S/o Vnkanna, Tanuku
2. Sri Nallajarala Ranga Rao, S/o Narayana Rao, Tanuku
3. Sri N. V. Satyanarayana Rao, Tanuku.
4. Sri N. Kumaraswamy, S/o Narayana Rao, Tanuku.

(अन्तरक)

- (2) Sri Akula Bulli Abbai, S/o Bhimanna, Tanuku.

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में ममाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

The schedule property as per document Nos. 751/75, 752/75, 753/75 and 754/75 of the SRO, Tanuku registered during the fortnight 30th April, 1975.

B. V. SUBBA RAO

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, Kakinada

तारीख : 22-11-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

1. Smt. Puppala Vijaya Laxmi
Smt. P. Radhakrishnamma, P.O. Chandurti.

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

2. Sri Petula Harikrishna,

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

अर्जन रेंज, काकीनाडा

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

काकीनाडा, दिनांक 20 नवम्बर 1975

Acq. File No. 266.

यतः मुझे, B. V. SUBBA RAO

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० S. No. 491/1 & 491/2 है तथा जो Dry land 11-00 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, Pratipadu में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 15-4-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

The property as per document No. 574/75 of the SRO, Pratipadu of E. G. Dt.

B. V. SUBBA RAO

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज,

Kakinada

अतः, अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

तारीख: 20-11-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 20 नवम्बर 1975

Acq. File No. 267
K. R. No. 18/75-76.

यतः, मुझे, B. V. SUBBA RAO,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है) की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 27-11-73
Mary Street, है तथा जो Governorpetta, VZA
में स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
Vijayawada में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, 30-4-1975 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है
और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक
है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से
कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) Paumarthi Sitaramavadhamulu. (2) P. Subramanya
Sastry, (3) P. Kurali Krishna, (4) P. Prabakara
Sastry, (5) P. Ramashendurudu. (6) P. Venkates-
wara Prasad. (7) P. Venkateswara swamy, Vijaya-
wada.

(अन्तरक)

(2) Smt. Pamidimukkala Basava Purnamma, W/o Dr. P.
Narasimha Rao, Kaneharapalem, Vizagpatam.

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम
के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ
होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

The scheduled property as per document No. 1339/75 of
the SRO, Vijayawada during the fortnight 30-4-75.

B. V. SUBBA RAO,
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, Kakinada.

तारीख : 20 नवम्बर, 1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

1. Sri. Vadlamani Subramanyam and (2) Madusudana
Dutt, Sons of Sri V. V. Subbaraidu, Visakhapatnam.

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 20 नवम्बर 1975

Acq. File No. 268/J. No. ME.28/EG/75-76.

यतः, मुझे, B. V. Subba Rao

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को,
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं०
26, 27/1, 27/2, 27/4, and 54/4 & 54/5. Total Ac-7-00 cents.
है तथा जो में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय, Ambajipeta

में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन 15-5-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया
गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से
उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम'
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिये;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के
लिए ;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

15—366GI/75

2. Sri. Surikuchi Ramachendrudu and Sri. Suikuchi
Subramanyam, Mukkamala.

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो
उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो
उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

The schedule property bearing documents 348 & 349 of
1975 of the SRO, Ambajipeta, registered during the fortnight
15-5-75.

B. V. SUBBA RAO

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकीनाडा

तारीख : 20-11-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

चण्डीगढ़, दिनांक 6 दिसम्बर 1975

निदेश सं० एल डी एच/1327/75-76—अतः मुझे विवेक प्रकाश मिनोचा, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

आयकर अधिनियम, 1961 (1961

का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 1/4 भाग जायदाद नं० बी-1/184 है तथा जो कैलाश चौक लुधियाना में स्थित है (और इससे उभावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च 1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री चमन लाल चौधरी,
पुत्र स्वर्गीय श्री गिरधारी लाल
50, दी माल, मेरठ कैट

(अन्तरक)

(2) श्री दौलत राम,
बी-1, 1371, छौनी चौक
लुधियाना

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/4 भाग जायदाद नं० बी-1/184 कैलाश चौक, लुधियाना (जैसे कि रजिस्ट्रीकृत के विलेख नं० 10538, मार्च 1975 को सब-रजिस्ट्रार लुधियाना के कार्यालय में लिखा है)।

विवेक प्रकाश मिनोचा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

तारीख : 6-12-1975

मोहर :

परूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

चण्डीगढ़, दिनांक 6 दिसम्बर 1975

निदेश सं० एलडीएच/1330/75-76—अतः मुझे, विवेक प्रकाश मिनोचा, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज चण्डीगढ़

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख (जिसे हममें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है और जिसकी सं० 1/4 भाग जायदाद नं० बी-1/184 कैलाश चौक है तथा जो कैलाश चौक लुधियाना में स्थित है (और इससे उपायुक्त अनुसूची में और पुन रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थातः—

(1) श्री चमन लाल चौधरी पुत्र स्वर्गीय
श्री गिरधारी लाल 50, दी माल,
मेरठ कैंट

(अन्तरक)

(2) श्रीमती सुरेन्द्र कौर पत्नी
श्री कृष्ण कुमार, आफ मै० रेखा लैंड
बी-1/793 छौनी मोहल्ला, लुधियाना

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/4 भाग जायदाद नं० बी-1/184 कैलाश चौक लुधियाना (जैसे कि रजिस्ट्रीकरण के विलेख नं० 10540 मार्च, 1975 को रजिस्ट्रार लुधियाना के कार्यालय में लिखा है।

विवेक प्रकाश मिनोचा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

तारीख : 6-12-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 5, बम्बई

बम्बई, दिनांक 25 नवम्बर 1975

निदेश सं० आई 5/307/75-76—अतः मुझे जे० एम० मेहरा सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 5 बम्बई, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० एस० नं० 142 हि० नं० 1 (अंश) है, जो नाहर (मुलुंड) में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 2-4-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/ या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) श्री/श्रीमती/कुमारी वसुवली ओमेन माईकल (अन्तरक)
- (2) दुलासी को० ओ० हाउ० सोसायटी लि० (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

बम्बई नगर और बम्बई उपनगर जिले के रजिस्ट्रेशन उपजिले बान्दो में नाहर (मुलुंड) में स्थित एवं अवस्थित भूमि का अथवा मैदान का वह तमाम भाग जो कि माप में 1243 वर्गगज अर्थात् 1039.309 वर्ग मीटर या उसके समकक्ष है तथा जिसकी प्लॉट सं० 9 है और सर्वे सं० 142 हिस्सा नं० 1 (अंश) सी० टी० (नगर) सर्वेक्षण संख्या 669 है तथा जो इस प्रकार से घिरा हुआ है कि उत्तर में उपविभाजित प्लॉट सं० 6 है दक्षिण में अथवा दक्षिण की ओर अंशतः उपविभाजित प्लॉट सं० 4 है और अंशतः उपविभाजित प्लॉट सं० 5 है, पश्चिम में अथवा पश्चिम की ओर उपविभाजित प्लॉट सं० 3 है तथा पूर्व में अथवा पूर्व की ओर रिक्विजेशन स्पेस (मनोरंजन स्थल) है।

जे० एम० मेहरा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज 5, बम्बई

तारीख : 25-11-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, तारीख 27 नवम्बर 1975

निर्देश सं० आई 1/1172-13/अप्रैल, 75—अतः, मुझे, व्ही० आर० अमीन सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1 बम्बई,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिस की सं० फायनल प्लॉट नं० 423 टी० पी० एस० 111 महिम है, जो माहिम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 15-4-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार

मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

(1) श्री त्रिसीनसीओ ए-फान्सीस गोन्सालविस उर्फ ग्रेसीग्रस गोन्सालविस तथा अन्य

(अन्तरक)

(2) माहिम लेन्ड मार्क को० ओप० हाऊसिंग सोसायटी लि०

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

बम्बई के रजिस्ट्रेशन उपजिले में स्थित फ्रीहोल्ड जमीन या मैदान का वह तमाम भाग अथवा टुकड़ा जिसकी टाउन प्लानिंग स्कीम सं० 111, माहिम की फाइनल प्लॉट सं० 423 है, तथा जो माप में 2,249 वर्गगज अथवा उसके करीब है अर्थात् 1880.5 वर्ग मीटर या उसके समकक्ष है, वह इस प्रकार घिरा हुआ है कि

उत्तर में अथवा उत्तर की ओर फाइनल प्लॉट सं० 424 या 424 ए है, दक्षिण में अथवा दक्षिण की ओर फाइनल प्लॉट सं० पूर्व में अथवा पूर्व की ओर तुलसी पाइप रोड है (अब सेनापति बापट मार्ग के नाम से जाना जाता है) और पश्चिम में अथवा पश्चिम की ओर फाइनल प्लॉट सं० 424 है।

व्ही० आर० अमीन

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई।

तारीख : 27 नवम्बर 1975

मोहर :

अरूप आई०टी०एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, तारीख 27 नवम्बर 1975

निर्देश सं० आई 1/1174-14/अप्रैल 75-अतः मुझे, व्ही० आर० अमीन, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बम्बई आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिस की सं० सी० एन० नं० 392, 1/392 मलबार और कंबला हिल डिब्रीजन है, जो शिरी रोड में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 15-4-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने को कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्री शांति कुमार चिरंजीलाल लोयालका और लिला देवी शांतीकुमार लोयालका
(अन्तरक)
- (2) शर्मा इस्टेट एण्ड बिल्डिंग प्रा० लि०
(अन्तरिती)
- (3) किराएदार
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

शिरी रोड, बम्बई में स्थित प्रापटी जो कि माप में लगभग 1363 जिसका मलबार हिल डिब्रीजन केडस्ट्राल सर्वेक्षण सं० 392 तथा 1/392 है, शिरी रोड बम्बई को दक्षिण पश्चिम साइड में स्थित प्रापटी का प्लोर स्पेस इंडेक्स जो कि माप में 572 वर्गमीटर है तथा जिन पर मलबार और कंबाला हिल डिब्रीजन की केडस्ट्राल सर्वेक्षण सं० 392 तथा 1/392 की पार्ट संख्या दी हुई है।

व्ही० आर० अमीन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख : 27 नवम्बर, 1975
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज 1, बम्बई

बम्बई, तारीख 27 नवम्बर 1975

निर्देश सं० आई 1/1168-9/एप्रिल 75—अतः मुझे व्ही० आर० अमीन सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बम्बई आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिस की सं० सी० एस० नं० 1120 माटूंगा डिब्रीजन है, जो प्लॉट नं० 153, दादर, माटूंगा में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 15-4-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्रीमती उषा अरुण राव सुपनेकर और अन्य (अन्तरक)
- (2) मेसर्स भद्रा एण्ड असोसिएट्स (अन्तरिती)
- (3) किराएदार (वह व्यक्ति जिसके अभिभाग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

केडेस्ट्राल सर्वेक्षण सं० 1120, माटूंगा डिब्रीजन, म्युनिसिपल कार्पोरेशन की दादर माटूंगा एस्टेट का प्लॉट सं० 153 जो माप में 605 वर्गगज है उस पर बनी इमारत जिसमें ग्राउंड फ्लोर और दो फ्लोर शामिल हैं।

व्ही० आर० अमीन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख : 27 नवम्बर, 1975
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, तारीख 27 नवम्बर 1975

निर्देश सं० आई 1/1161-2/एप्रिल 75—अतः मुझे व्ही०
आर० अमोन सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज,
बम्बई आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को,
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिस की सं० सी० एस० नं० 1605 फोर्ट डिब्बोजन है, जो
रजिस्ट्रीकर्ता, अधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 2-4-1975 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित
बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है
और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति
का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण
के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) डा० गुरुचरनसिंग दुगल और अन्य (अन्तरक)

(2) रामन एण्ड डिम लि० और अन्य (अन्तरिती)

(3) किराएदार
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के
अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

बम्बई टापू में, बम्बई के रजिस्ट्रेशन उपजिले में बेकवे रिक्ले-
मेशन में 17वीं, दिनशा बाच्छा रोड पर स्थित एवं अवस्थित
दुगल हाउस से जाना जाने वाला जमीन और उस पर बनी गृह-
वाटिकाओं, रिहायशी मकानों (टेनीमेंट्स आर ड्वेलिंग हाउस)
सहित, वह तमाम भाग जो कि पट्टे पर (लीजहोल्ड टेन्योर) पर
महाराष्ट्र सरकार के बेकवे रिक्लेमेशन इस्टेट के भागे के ब्लॉक-11
में प्लॉट सं० 169 से जाना जाता है तथा जो माप में 2050 वर्ग
गज अर्थात् 1714 वर्गमीटर अथवा उसके लगभग है तथा जो
बम्बई के कलक्टर की पुस्तकों में रेंट रोल नम्बर 10200 के अधीन
दर्ज है तथा जिसकी फोर्ट डिब्बोजन कोडीस्ट्रल सर्वेक्षण सं० 1605
तथा म्युनिसिपल दर आयकर का के ऐस्सेसर और कलक्टर की
पुस्तकों में ए-वार्ड सं० ए-1315 (92 ए) और स्ट्रीट सं० 17
बी के अधीन दर्ज है तथा इस प्रकार से धिरा हुआ है कि पूर्व में
अथवा पूर्व की ओर बेकवे रिक्लेमेशन ऐस्टेट की प्लॉट सं० 168,
पश्चिम में अथवा पश्चिम की ओर बेकवे रिक्लेमेशन की प्लॉट
सं० 170, उत्तर में अथवा उत्तर की ओर बेकवे रिक्लेमेशन ऐस्टेट
की प्लॉट सं० 122 है तथा दक्षिण में अथवा दक्षिण की ओर पचास
फुट की सड़क है।

व्ही० आर० अमिन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख : 27 नवम्बर, 1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

1. रुबि कन्स्ट्रक्शन कं०

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

2. श्री किरण जैन

(अन्तरिती)

भारत सरकार

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं।

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप—

अर्जन रेंज-I, कलकत्ता

कलकत्ता-16, दिनांक 22 नवम्बर 1975

निदेश सं० टी० आर० 5/सि० 5/कल०-I/75-76—

अतः मुझे, एस० के० चक्रवर्ती,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० 75 सी (यूनिट नं० 4ए) है तथा जो पार्क
स्ट्रीट, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपायध्व अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, 5
गवर्नमेंट प्रेस नार्थ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन दिनांक 25-4-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्त-
रको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक
के दायित्व में कमी करने या उससे घटने में
सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम
या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

16—366GI\$75

स्पष्टीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

75 सी पार्क स्ट्रीट कलकत्ता यूनिट नं० 4ए से अवस्थित
चार-तल्ला :

एम० के० चक्रवर्ती,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, 54 फिदवई रफी अहमद रोड़

कलकत्ता-16

तारीख : 21-11-1975

मोहर :

SUPREME COURT OF INDIA

New Delhi, the 12th November 1975

No. F.6/75-SCA(I).—The Hon'ble the Chief Justice of India has been pleased to appoint Shri Inder Jeet Sachdeva, Stenographer, as officiating Court Master with effect from 12 November 1975 until further orders.

R. SUBBA RAO,
Deputy Registrar (Admn.).

CABINET SECRETARIAT
DEPARTMENT OF PERSONNEL & A.R.

New Delhi, the 5th November 1975

(APPOINTMENT)

F. No. A-11/31/75.—Shri M. H. Khan, Inspector of Income Tax, Bombay, is appointed as Enforcement Officer at Bombay Zonal Office of this Directorate w.e.f. 24.10.75 (AN) and until further orders.

The 12th November 1975

No. F. A-11/30/75.—Shri T. G. Kazi, Inspector of Income Tax, Baroda (Gujarat), is appointed as Enforcement Officer at Ahmedabad Sub-Zonal Office of this Directorate with effect from 25.10.75 (A.N.) and until further orders.

NRIPEN BAKSI,
Deputy Director (Admn.).

(MINISTRY OF HOME AFFAIRS)
OFFICE OF THE INSPECTOR GENERAL
CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

New Delhi-110003, the 30th October 1975

No. E-38013(3)/24/75-Ad.I.—On transfer to New Delhi, Shri R. K. Murti, Assistant Commandant (JAO), Southern Zone, Madras relinquished the charge of the post with effect from the Afternoon of 15th October, 1975 and assumed the charge of the post of Assistant Commandant (JAO) Northern and Western Zone with Headquarters at New Delhi with effect from the Forenoon of 18th October, 1975.

L. S. BISHT,
Inspector General.

DIRECTORATE GENERAL CRP FORCE

New Delhi-110001, the 17th November 1975

No. A.VI-20/73-Estt.—The President is pleased to appoint on re-employment Capt. Mehar Singh (Retd) as Dy. SP Coy. Comdr/Qm) in the CRP Force in a temporary capacity until further orders.

2. He took over charge as Dy. SP (Coy. Comdr./QM) in the Group Centre, CRP Force, Rampur on the forenoon of 1st October, 1975.

N. S. SAKSENA,
Director General, CRPF.

MINISTRY OF FINANCE
(DEPARTMENT OF ECONOMIC AFFAIRS)
INDIA SECURITY PRESS

Nasik Road, the 8th October 1975

No. 1037/(A).—The undersigned hereby appoints Shri D. P. Jambotkar, an officiating Stamp Supply Officer, Central Stamp Store, Nasik Road, to officiate as Stores Officer in the India Security Press in the revised scale of Rs. 840—

40—100—EB—40—1200 on an *ad-hoc* basis with effect from the forenoon of 6th October, 1975 to 29th February, 1976 or till the post is filled on a regular basis whichever is earlier.

The 6th November 1975

No. 1170/A.—The undersigned is pleased to appoint on deputation Shri K. S. Srinivasan, Accounts Officer, office of the Deputy Director of Audit and Accounts, Posts and Telegraphs, Trivandrum, as Accounts Officer, India Security Press, Nasik Road with effect from the forenoon of 6th November 1975 for a period of three years in the first instance.

V. J. JOSHI, General Manager.

BANK NOTE PRESS

Dewas, the 14th November 1975

No. BNP/C/63/75.—Shri B. B. Sen, Officiating Shop Superintendent (Millwright) in the Central Railway Work Shops, Parel is appointed on deputation as Assistant Engineer (Mechanical) in the Bank Note Press, Dewas for a period of one year with effect from the afternoon of 12.11.1975.

D. C. MUKHERJEA,
General Manager.

SECURITY PAPER MILL

Hoshangabad, the 13th November 1975

No. PD-7/8609.—Further to this office Notification No. PD-7(1438/7046 dated 22.9.75, Shri Joy Peter, Foreman is allowed to continue to officiate as Assistant Works Manager in scale of Rupees 840—40—1000—EB—40—1200 for a further period from 24.10.75 to 2.11.75 vice Shri A. K. Ghosh, Assistant Works Manager on leave.

R. VISHWANATHAN,
General Manager.

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL
ORISSA

Bhubaneswar-751001, the 23rd October 1975

No. O.O.C.863.—The Accountant General has been pleased to appoint the following permanent Section Officers of this office to officiate as Accounts Officers with effect from the dates noted against each until further orders.

S/Shri

1. A. B. Mohanty—15-10-75 F.N.
2. A. Pradhan—15-10-75 F.N.
3. R. K. Sengupta—15-10-75 F.N.
4. Sushil Sengupta—15-10-75 F.N.

Their inter se seniority in the cadre of Account Officers is as indicated above.

V. S. BHARDWAJ,
Sr. Dy. Accountant General (Admn.)

OFFICE OF THE CHIEF AUDITOR EASTERN RAILWAY

Calcutta, the 1st September 1975

No. L/8/74.—On attaining the age of superannuation Shri J. N. Bose Offg. Audit Officer of the Office of the Chief Auditor, Eastern Railway, Calcutta has retired from service with effect from the mid night of 31st August, 1975.

No. L/8/74.—On attaining the age of superannuation, Shri A. K. Choudhury, Audit Officer of the Office of the Chief Auditor, Eastern Railway, Calcutta has retired from service with effect from the mid night of the 31st August, 1975.

No. L/8/74.—On attaining the age of superannuation, Shri G. Chatterjee, Offg. Audit Officer of the office of the Chief Auditor, Eastern Railway, Calcutta has retired from service with effect from the mid night of the 31st August 1975.

N. G. SEN,
Chief Auditor,
E. Rly. Cal.

DEFENCE ACCOUNTS DEPARTMENT
OFFICE OF THE CONTROLLER GENERAL OF DEFENCE ACCOUNTS

New Delhi-22, the 13th November 1975

No. 68018(2)/71-AN.II.—The President is pleased to appoint Shri Binod Bihari Ray, an officer of the Indian Defence Accounts Service (on deputation to Rehabilitation Industries Corporation Limited, Calcutta as F.A. & C.A.O.) to officiate in the Junior Administrative Grade (Rs. 1500—60—1800—100—2000) of that service with effect from 1.10.1975 (FN), until further orders, under the "Next Below Rule".

S. K. SUNDARAM,
Addl. Controller General of Defence Accounts (AN).

MINISTRY OF DEFENCE
INDIAN ORDNANCE FACTORIES

Calcutta, the 6th October 1975

No. 4/75/A/M.—The undersigned is pleased to appoint the following officer with effect from the date indicated against him until further orders :—

Name, Post, Posted at & Date

Dr. Gundumalla Radha Shyam Sundar. Temporary Assistant Surgeon Grade I—Ordnance Factory, Chanda—30.4.75 (FN).

R. M. MUZUMDAR,
Director General Ordnance Factories

INDIAN ORDENANCE FACTORIES SERVICE
DIRECTORATE GENERAL, ORDNANCE FACTORIES

Calcutta-16, the 13th November 1975

No. 42/75/G.—On attaining the age of superannuation, Shri M. S. Subramaniam, Permt. Manager, retired from service with effect from 31st August 1975 (AN).

No. 43/75/G.—The President is pleased to appoint Shri M. S. Subramaniam, on re-employment, as Tempy. Manager, for a period of one year with effect from 1st September, 1975.

M. P. R. PILLAI,
Asstt. Director General, Ordnance Factories.

ORDNANCE EQUIPMENT FACTORIES GROUP

Kanpur-208005, the 18th September 1975

No. 4/75/G/OEF.—On attaining the age of superannuation, Shri J. N. Agrwal, Dy. Manager retired from service, 28th February, 1975 (A.N.).

The 7th November 1975.

No. 5/75/G/OEF.—On attaining the age of superannuation Shri H. A. Singh, Offg. Asstt. Manager, retired from service, 30th Sept., 1975 (AN).

S. K. DUTT,
Asstt. Director General, Ordnance Factories.

MINISTRY OF COMMERCE
OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS AND EXPORTS

New Delhi, the 13th November 1975

IMPORT & EXPORT TRADE CONTROL (ESTABLISHMENT)

No. 6/1094/75-Admn(G)/11285.—The President is pleased to appoint Shri Arun Kumar, I.A.S. as Joint Chief Controller of Imports and Exports in the Office of the Chief Controller of Imports and Exports, New Delhi with effect from 15.10.1975 (forenoon), until further orders.

No. 6/1075/75-Admn(G)/11298.—The President is pleased to appoint Shri S. S. Saxena, I.A.S., formerly Secretary, Tariff Commission, Bombay as Jt. Chief Controller of Imports and Exports, in the Office of the Chief Controller of Imports and Exports, New Delhi with effect from 21.10.75 (forenoon), until further orders.

B. D. KUMAR,
Chief Controller of Imports & Exports.

OFFICE OF THE TEXTILE COMMISSIONER

Bombay-20, the 13th November 1975

No. EST-1-2(634).—The Textile Commissioner is pleased to appoint with effect from the forenoon of the 19th September, 1974 and until further orders Shri M. C. Pareek, Enforcement Inspector (Technical) in the Regional Office of the Textile Commissioner, Ahmedabad as Assistant Director Grade II (P&D) in the same office.

VIRENDRA B. VERMA,
Director.

Bombay-20, the 14th November 1975

No. CLB.I/1/6-G/75.—In exercise of the powers conferred on me by Clause 34 of the Cotton Textiles (Control) Order, 1948 and with the previous sanction of the Central Government, I hereby make the following amendment to the Textile Commissioner's Notification No. CLB I/1/6.G/71 dated the 13th January, 1972, namely.

In the table appended to the said Notification against S. No. 6, in column numbers 2, 3 and 4 for the existing entries at items (i), (ii) and (iii), the following entries shall be substituted, namely :—

- "(i) Director of Industries & Commerce Kerala, 12(6), 12(6A), 12(7A), 12(7AA), 12C and 12E.
- (ii) The District Industries Officers, Kerala, 12(7A) and 12(7AA)".

No. 18(1)/73-75-CLB.II :—In exercise of the powers conferred on me by clause 11 of the Textiles (Production by Powerloom) Control Order, 1956 and with the previous sanction of the Central Government I hereby make the following further amendment to the Textile Commissioner's Notification No. 15(2)/67-CLB II/B, dated the 13th January, 1972, namely :—

In the Table appended to the said Notification against S. No. 6, for the existing entry in column 2, the following shall be substituted, namely :—

"The Director of Industries & Commerce".

G. S. BHARGAVA,
Joint Textile Commissioner.

KANDLA FREE TRADE ZONE ADMINISTRATION

Kutch, the 10th November 1975

No. FTZ/ADMN/7/2/74/5131.—The Development Commissioner, Kandla Free Trade Zone, Gandhidham—Kutch, (Gujarat) hereby appoints Shri S. R. S. Iyengar, a permanent Section Officer of the office of the Accountant General, Gujarat, Rajkot as Accounts Officer, Kandla Free Trade Zone

Administration on deputation on usual deputation terms in the Pay Scale of Rs. 840—40—1000—EB—40—1200. With effect from the afternoon of 18. 10. 1975 (Eighteenth October Nineteen Seventy five) until further orders.

N. VITTAL,
Development Commissioner,
Kandla Free Trade Zone.

DEPARTMENT OF SUPPLY,
OFFICE OF THE CHIEF PAY & ACCOUNTS OFFICER
New Delhi, the 17th November 1975

No. A-32014/75-76/Admn(CDN)/4149-51.—The Chief Pay & Accounts Officer, Department of Supply & Rehabilitation and Ministry of Food & Agriculture, New Delhi has appointed Shri Ram Charan, Section Officer (Pay & Accounts) of his Organisations to officiate as Pay & Accounts Officer in the office of the Dy. Chief Pay & Accounts Officer, Department of Supply, New Delhi with effect from the forenoon of 22.10.75 till further orders.

His promotion is without prejudice to the rights and claims of his seniors in the panel.

The promotion is subject to conditions laid down in the Chief Pay & Accounts Officer's Organisation (Pay & Accounts Office) Recruitment Rules 1974.

ARUNA MAKHAN,
Dy. Chief Pay & Accounts Officer

DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES & DISPOSALS
(ADMINISTRATION SECTION A-1)

New Delhi-1, the 13th November 1975

No. A-1/1(948)/73.—On his reversion to the post of Senior Economic Investigator in the Dte. General of Supplies & Disposals, New Delhi, Shri Babu Lal relinquished charge of the post of Assistant Director (IR) in the office of the Director of Supplies & Disposals, Kanpur with effect from the afternoon of 30.9.1975.

The President is pleased to appoint Shri Babu Lal, Senior Economic Investigator in the Dte. General of Supplies & Disposals, New Delhi to officiate on *ad-hoc* basis as Assistant Director (IR) in the office of the Director of Supplies & Disposals, Bombay with effect from 18.10.75 (F.N.) vice Shri G. L. Chandna reverted as Machine Supervisor and transferred to the Directorate General of Supplies & Disposals, New Delhi.

K. L. KOHLI,
Deputy Director (Administration).

New Delhi-1, the 13th November 1975

No. A-1/1(1039).—The Director General of Supplies & Disposals hereby appoints Shri J. L. Shah, Superintendent (Supervisory Level II) in the office of Director of Inspection, Calcutta to officiate on *ad-hoc* basis as Assistant Director (Administration) (Grade II) in the Directorate of Supplies and Disposals, Calcutta with effect from the forenoon of 1st October, 1975 and until further orders.

K. L. KOHLI,
Deputy Director (Administration),
for Director General of Supplies & Disposals.

MINISTRY OF IRON & STEEL
(DEPARTMENT OF MINES)

Calcutta-13, the 14th November 1975

No. 2181(MS)/19B.—On reversion from the Collector of Customs, Bombay w.e.f. the afternoon of 21.6.1975, Dr. M. R. Sen Gupta has received charge of the post of Assistant Chemist in the Geological Survey of India with effect from the forenoon of the 1st September, 1975.

No. 2222(SB)/19A.—Miss Subhra Bhattacharya, Senior Technical Assistant (Geology), Geological Survey of India is appointed as Assistant Geologist in the same department on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 650—30—

740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 in a temporary capacity, with effect from the forenoon of 13th October, 1975, until further orders.

The 15th November 1975

No. 3(5)/71(SA)/19B.—Shri Sibdas Adhya, B.E., Senior Technical Assistant (Geophysics), Geological Survey of India, is appointed as Assistant Geophysicist Instrumentation in the Geological Survey of India on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200/- in an officiating capacity with effect from the forenoon of the 10th September 1975, until further orders.

V. K. S. VARADAN,
Director General.

DEPARTMENT OF SCIENCE & TECHNOLOGY
NATIONAL ATLAS ORGANISATION

Calcutta-19, the 13th November 1975

No. 29-10/72/Estt.—Shri Raj Kumar Biswas is appointed to the post of Assistant Manager in the National Atlas Organisation in a temporary capacity with effect from the forenoon of 1st November, 1975, until further orders. His initial pay is fixed at Rs. 680.00 P.M. in the scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 on the recommendation of the Union Public Service Commission.

No. 29-10/72/Estt.—Shri Bimal Chandra Garai relinquished charge of the post of Assistant Manager in the National Atlas Organisation with effect from 10.10.75 (AN) consequent on his proceeding on leave and reversion to non-gazetted post on the expiry of leave.

S. P. DAS GUPTA,
Director.

SURVAY OF INDIA

SURVEYOR GENERAL'S OFFICE

Dehra Dun, the 17th November 1975

No. E-5021/724-SOS.—Shri Chhotey Lal Kanoji is appointed to officiate as Assistant Stores Officer, Survey of India, in the General Central Service Class II, against a temporary post in the revised scale of pay of Rs. 550—25—750—EB—30—900 with effect from the forenoon of 15th October, 1975, until further orders.

No. E-5022/724-SOS.—Shri Thimmaraya Ramachandra Reddy is appointed to officiate as Assistant Stores Officer, Survey of India, in the General Central Service Class II, against a temporary post in the revised scale of pay of Rs. 550—25—750—EB—30—900 with effect from the forenoon of 16th October, 1975, until further orders.

HARI NARAIN,
Surveyor General of India.

Dehra Dun, the 13th November 1975

No. E1-5020/1117-LPR.—The Surveyor General of India is pleased to retire Dr. J. C. Bhattacharjee, Officer Surveyor of No. 69 (Computing) Party (G. & R.B.), Survey of India, Dehra Dun from the Government Service on superannuation with effect from 1st September, 1975.

J. K. DONALD,
Assistant Surveyor General.

DEPARTMENT OF EXPLOSIVES

Nagpur, the 12th November 1975

No. E11(7).—In this Department's Notification No. E11(7) dated the 11th July 1969, add the following, namely :

Under Class 3—Division 1

1. Add "NG-101 and NG-201 for carrying out trial manufacture, test and field trials at specified locations upto 31st March 1976" after the entry "IMPROVED BAL-LISTITE".

Under Class 6—Division 2

2. Add "GEOSHAPE" after the entry "FUSE IGNITERS".

I. N. MURTY,
Chief Controller of Explosive.

DEPARTMENT OF SPACE
INDIAN SPACE RESEARCH ORGANISATION
SPACE APPLICATIONS CENTRE

Ahmedabad-380009, the 21st October 1975

No. SAC/EST/1.1.56/75.—Consequent on the conversion of Indian Space Research Organisation into a Government body with effect from 1st April 1975, Shri H. P. Shrivastava, who is on foreign service with Indian Space Research Organisation will continue in the post of Scientist/Engineer SB (Sound Recordist), in Space Applications Centre, Ahmedabad, on deputation terms with effect from 1st April, 1975 and upto February 10, 1977.

This supersedes the Notification No. SAC/EST/1.1.56/75 date July 11, 1975.

No. SAC/EST/1.1.57/75.—Consequent on the conversion of the Indian Space Research Organisation into a Government body with effect from April 1, 1975, the Director is pleased to appoint Shri C. K. Kutty as Engineer SB on a basic pay of Rs. 710/- per month in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 in the Microwave Division of the Space Applications Centre of the Indian Space Research Organisation with effect from 1st April, 1975.

The 22nd October 1975

No. SAC/EST/1.1.56/75.—The Director is pleased to appoint Mrs. Meera S. Lakhia as Scientist/Engineer SB (Scenic Designer) on a basic pay of Rs. 650/- per month in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 in the Software Systems Group of the Space Applications Centre of Indian Space Research Organisation with effect from September 29, 1975 for a period upto July 31, 1976.

MAJOR R. C. SAMUEL (Retd.)
Administrative Officer-II.

DIRECTORATE GENERAL: ALL INDIA RADIO

New Delhi, the 14th November 1975

No. 6(150)/62-SI.—Shri S. N. Talagangi, *ad hoc* Programme Executive, All India Radio, Simla relinquished charge of his post on the afternoon of 15th October, 1975 on his reversion to the non-gazetted post of Transmission Executive at the same Station.

The 17th November 1975

No. 4(40)/75-SI.—The Director General, All India Radio hereby appoints Kumari Radha Warrior as Programme Executive, All India Radio, Trivandrum in a temporary capacity with effect from the 31st October, 1975 and until further orders.

No. 5(96)/67-SI.—The Director General, All India Radio hereby appoints Shri T. K. Thomas as Programme Executive, All India Radio, Bombay in a temporary capacity with

effect from the 5th November, 1975 and until further orders.

SHANTI LAL,
Deputy Director of Administration,
for Director General.

New Delhi, the 13th November 1975

No. 2/475-S III.—The Director General, All India Radio hereby appoints the following officers in the Cadre of Assistant Engineer in All India Radio in an officiating Capacity at the Stations/Offices of All India Radio as shown against their names with effect from the dates mentioned against each until further Orders :

Sl. No.	Name of officer	Office/Station where posted	Date of appointment
1.	Shri A. K. Bhatnagar	TV Centre, AIR, New Delhi.	9-10-75
2.	Sh. Surinder Singh	TV Centre, AIR, Srinagar	13-10-75

(PLANNING AND DEVELOPMENT UNIT)

No. 3(9)/68-D(S).—In partial modification of this Directorate's Notification No. 3(9)/68-D(S) dated 9.12.74, Shri P. Palit, Accounts Officer in the office of Accountant General, Central, Calcutta has been appointed on deputation, to the post of Accounts Officer in the scale of Rs. 840—40—1000—EB—40—1200 in the office of Regional Engineer (East), All India Radio, Calcutta with effect from 16.9.74 upto 15.9.77.

P. K. SINHA,
Deputy Director of Administration,
for Director General.

MINISTRY OF INFORMATION & BROADCASTING

FILMS DIVISION

Bombay-26, the 12th November 1975

No. A.19012/3/75-Est.I.—The Chief Producer, Films Division, has appointed Shri A. Nanda Gopal to officiate as Newsreel Officer in the Films Division, Bombay with effect from the 1st November, 1975 (forenoon) until further orders.

M. K. JAIN,
Asstt. Administrative Officer,
for Chief Producer

New Delhi-1, the 17th November 1975

No. A-31016/1/75-Admn./DS(I).—The President is pleased to appoint Shri A. K. Pattabiraman, a permanent Technical Officer (Sound) and Officiating Senior Technical Officer in the Directorate of Field Publicity, as Senior Technical Officer in the same Directorate in a substantive capacity with effect from 30th September, 1975.

S. GHOSE,
Deputy Secy.

MINISTRY OF HEALTH AND FAMILY PLANNING
(DEPTT. OF HEALTH)

New Delhi, the 17th October 1975

No. A.11016/1/74-M.C.—The president is pleased to appoint Dr. G. Saran to the post of Deputy Assistant Director (Non-Medical) at the Central Research Institute Kasauli in a substantive capacity with effect from the forenoon of the January, 1972.

N. S. BHATIA,
Under Secy.

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 24th October 1975

No. F. 16-42/74-SI.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Shri P. Kunhikrishnan, Office Supdt. Govt. Medical Store Dept, Hyderabad as Assistant Depot Manager in the Medical Store Organisation on temporary basis with effect from the forenoon of 24-7-75 at the Medical Store Depot, Hyderabad until further orders.

SANGAT SINGH,
Deputy Director Administration (Stores),
for Director General of Health Services.

New Delhi, the 14th November 1975

No. 6-9/74-Admn.-I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Shri K. N. Tandon, to the post of Veterinary Assistant Surgeon at the Central Research Institute, Kasauli, with effect from the forenoon of the 20th October, 1975, on an officiating basis, and until further orders.

S. P. JINDAL,
Deputy Director Administration.

MINISTRY OF AGRICULTURE AND IRRIGATION
(DEPARTMENT OF RURAL DEVELOPMENT)
DIRECTORATE OF MARKETING AND INSPECTION

Faridabad, the 17th November 1975

No. F1/170/71-AF.I.—Shri N. V. Sreekantiah ex-Deputy Senior Marketing Officer, is appointed substantively to the permanent post of Marketing Officer (Group I) in the Directorate of Marketing and Inspection with effect from 1st January, 1967.

E. S. PARTHASARTHY,
Agricultural Marketing Adviser.

MINISTRY OF LABOUR
LABOUR BUREAU

Simla-171004, the 6th December 1975

No. 23/3/75-CPI.—The All-India Consumer Price Index Numbers for Industrial Workers on base : 1960=100 decreased by Three points to reach 316 (Three hundred and sixteen) during the month of October, 1975. Converted to base : 1949=100 the Index for the month of October, 1975 works out to 384 (Three hundred eighty four).

A. S. BHARADWAJ
Joint Director

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY
(ATOMIC MINERALS DIVISION)

Hyderabad-500016, the 27th October 1975

No. AMD/1/18/75-Adm.—The Director, Atomic Minerals Division, hereby appoints Shri A. R. Nath as Scientific Officer/Engineer (Geology) Grade 'SB' in an officiating capacity in the Atomic Minerals Division with effect from the forenoon of 20th October, 1975 until further orders.

S. RANGANATHAN,
Sr. Administrative & Accounts Officer.

RAJASTHAN ATOMIC POWER PROJECT
Kota, the 14th November 1975

No. RAPP/00101/75-Adm/R/S/362.—The Chief Project Engineer, Rajasthan Atomic Power Project, is pleased to appoint Shri A. D. Gupta a quasi-permanent Scientific Assistant 'B' & officiating Scientific Assistant 'C' of this Project as Scientific Officer Engineer Grade SB in a temporary capacity in the same Project with effect from 1st Nov. 1975 until further orders.

GOPAL SINGH,
Administrative Officer (E).

HEAVY WATER PROJECTS

Bombay-400008, the 10th November 1975

No. Ref. HWP/Estt/1/V-22/7395—Officer-on-Special Duty,

Heavy Water Projects, appoints Shri Achyut Mukund Vaidya, a permanent Assistant Accountant and officiating Assistant Accounts Officer of Bhabha Atomic Research Centre now on deputation to Heavy Water Projects (Central Office) in the same grade to officiate as Accounts Officer II in the same office from October 15, 1975 (FN) to November 28, 1975 (AN) vice Shri M. M. Kasbekar, Accounts Officer II, promoted as Finance & Accounts Officer, Heavy Water Projects.

T. C. SATHYAKEERTHY,
Senior Administrative Officer.

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 13th November 1975

No. A.32013/8/74-ES.—The President has been pleased to appoint Shri I. S. Bhatnagar, Senior Aircraft Inspector, to the grade of Deputy Director/Controller of Aeronautical Inspection in the Civil Aviation Department on a regular basis with effect from the forenoon of 7th November, 1975 and until further orders.

The 15th November 1975

No. A.32013/14/75-EC.—In partial modification of this Department Notification No. A.32013/14/75-EC dated the 20th October, 1975, the items Nos. 1 and 2 thereof are amended to read as under :—

1. Shri P. B. Syamray, Communication Officer, Aeronautical Communication Station, Calcutta.
2. Shri P. Paulose, Communication Officer, Aeronautical Communication Station, Bombay.

H. L. KOHLI,
Deputy Director of Administration,
for Director General of Civil Aviation.

New Delhi, the 13th November 1975

No. A.12025/4/75-EC.—The President is pleased to appoint Shri Yashpal Batra as Technical Officer in the Radio Construction & Development Units, Safdarjung Airport, New Delhi on a temporary basis with effect from the 27th October, 1975 (F/N) until further orders.

The 15th November 1975

No. A.32014/1/74-EC.—The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint Shri G. D. Kulkarni, Technical Assistant at Aeronautical Communication Station, Bombay as Assistant Technical Officer on ad-hoc basis at the same station with effect from the 9th Sept., 1974 (F.N.) until further orders.

(The para. 2 of this office Notification No. A.32014/1/74-EC, dated the 3rd October, 74 is hereby cancelled.)

The 19th November 1975

No. A.32013/1/75-EC.—On expiry of the period of ad-hoc promotion as Deputy Director of Communication in the Civil Aviation Department, New Delhi Shri K. Anjaiah relinquished charge of the said post w.e.f. the 25th October, 1975 (A.N.); and the President is pleased to appoint him as Assistant Director of Communication in the same office with effect from the same date.

V. V. JOHRI,
Assistant Director (Admn.),
for Director General of Civil Aviation.

New Delhi, the 19th November 1975

No. A-32013/4/75-EA.—The President hereby promotes Shri Mir Anwar, Senior Aerodrome Officer to the grade of Deputy Director/Controller of Aerodromes in the Air Routes & Aerodromes Organisation of the Civil Aviation Deptt., in an officiating capacity with effect from the 4th November, 1975 and until further orders. Shri Mir Anwar is posted as Regional Controller of Aerodromes, Madras Region, Madras Airport, Madras.

V. V. JOHRI,
Assistant Director (Admn.).

MINISTRY OF TOURISM & CIVIL AVIATION
INDIA METEOROLOGICAL DEPARTMENT

New Delhi-3, the 13th November 1975

No. E(I)07159.—The Director General of Observatories hereby appoints Shri S. D. Prasad, Officiating Professional Assistant, Meteorologist Office, Babatpur, under the Director, Regional Meteorological Centre, New Delhi as Assistant Meteorologist in an officiating capacity with effect from the forenoon of 20th October, 1975 and until further orders.

Shri S. D. Prasad, Offg. Assistant Meteorologist has been posted in the Meteorological Office, Mohanbari under the Director, Regional Meteorological Centre, Calcutta.

No. E(I)07611.—The Director General of Observatories hereby appoints Shri L. K. Mallick, Officiating Professional Assistant, Central Seismological Observatory, Shillong, as Assistant Meteorologist in an officiating capacity with effect from the forenoon of 15th September, 1975 and until further orders.

Shri L. K. Mallick, Offg. Assistant Meteorologist remains posted in the Central Seismological Observatory, Shillong.

The 14th November 1975

No. E(I)04261.—The Director General of Observatories hereby appoints Shri B. Gopinatha Rao, Prof. Asstt., Office of the DDG.C. Poona as Asstt. Met. in an officiating capacity for a period of Seventy days with effect from the forenoon of 20.10.1975 to 28.12.1975.

Shri Gopinatha Rao Offg. A.M. has been transferred to the office of Dy. D.G.O. (F). Poona w.e.f. the forenoon of 20.10.1975

No. E(I)04227.—The Director General of Observatories hereby appoints Shri Amarendra Kumar Dutta, Prof. Asstt. Office of the Dir. RMC Calcutta, as Asstt. Met. in an officiating capacity for a period of forty two days with effect from the forenoon of 20.10.1975 to 30.11.1975.

Shri A. K. Dutta Offg. A.M. remains posted to the office of the Director, Regional Meteorological Centre, Calcutta.

No. E(I)04224.—The Director General of Observatories hereby appoints Shri S. N. Sen, Professional Assistant, Meteorological Centre, Ahmedabad under the Director, Regional Meteorological Centre, Bombay who was appointed to officiate on Assistant Meteorologist upto 18.10.1975 vide this Department Notification No. E(I)04224 dated 12th August 1975, as Assistant Meteorologist in an officiating capacity with effect from 19th October, 1975 and until further orders.

Shri S. N. Sen, Offg. Assistant Meteorologist remains posted at Meteorological Centre, Ahmedabad under the Director, Regional Meteorological Centre, Bombay.

No. E(I)07093.—The Director General of Observatories hereby appoints Shri V. K. Mittal, Professional Assistant, Headquarters Office of the Director General of Observatories, New Delhi as Assistant Meteorologist in an officiating capacity with effect from the forenoon of the 6th October 1975 and until further orders.

Shri V. K. Mittal, Officiating Assistant Meteorologist, remains posted to the Headquarters Office of the Director General of Observatories, New Delhi.

The 17th November 1975

No. E(I)04330.—The Director General of Observatories hereby appoints Shri S. K. Saha, Professional Assistant, Office of the Director, Regional Meteorological Centre, Nagpur as Assistant Meteorologist in an officiating capacity with effect from the forenoon of the 27th October, 1975 and until further orders.

Shri S. K. Saha, Assistant Meteorologist remains posted in the Office of the Director, Regional Meteorological Centre, Nagpur.

No. E(I)06389.—The Director General of Observatories hereby appoints Shri Ram Sanehi, Professional Assistant, Meteorological Centre, Lucknow under the Director, Regional Meteorological Centre, New Delhi as Assistant Meteorologist in an officiating capacity with effect from the forenoon of the 8th October, 1975 and until further orders.

Shri Ram Sanehi, Offg. Assistant Meteorologist has been posted to Meteorological Centre Gauhati under the Director, Regional Meteorological Centre, Calcutta.

No. E(I)07099.—The Director General of Observatories hereby appoints Shri C. K. Jain, Professional Assistant, Meteorological Office, Gwalior, under the Director, Regional Meteorological Centre, Nagpur as Assistant Meteorologist in an officiating capacity with effect from the afternoon of the 16th October 1975 and until further orders.

Shri C. K. Jain, Offg. Assistant Meteorologist has been posted to the Meteorological Centre, Gauhati, under the Director, Regional Meteorological Centre, Calcutta.

M. R. N. MANIAN,
Meteorologist,
for Director General of Observatories.

OVERSEAS COMMUNICATION SERVICE

Bombay, the 12th November 1975

No. 1/369/75-EST.—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri Bhagat Singh, Supervisor, New Delhi Branch as Deputy Traffic Manager in an officiating capacity in the same Branch, for the period from 5-5-75 to 13-10-75 (both days inclusive), against short-term vacancies.

No. 1/370/75-EST.—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri B. K. Suri, permanent Supervisor, New Delhi Branch as Deputy Traffic Manager, in an officiating capacity, in the same Branch, for the period from 28.7.75 to 30.9.75 (both days inclusive) against a short-term vacancy.

M. S. KRISHNASWAMY,
Administrative Officer,
for Director General.

COLLECTORATE OF CENTRAL EXCISE & CUSTOMS
OFFICE OF THE COLLECTOR OF CENTRAL EXCISE :
PATNA

Patna, the 13th November 1975

C. No. II(7)5-ET/75/10869.—Shri S. D. Choudhary, officiating Superintendent Class II, Central Excise and Customs Collectorate, Patna has retired from service on superannuation with effect from 31.10.75 (A.N.).

H. N. SAHU,
Collector,
Central Excise : Patna.

DIRECTORATE OF INSPECTION
CUSTOMS AND CENTRAL EXCISE

New Delhi, the 15th November 1975

No. 13/75.—Shri S. Ramoji, lately posted as Superintendent of Central Excise, Class II in the Hyderabad Central Excise Collectorate, assumed charge as Inspecting Officer (Customs and Central Excise) Class II in the Central Regional Unit of the Directorate of Inspection, Customs and Central Excise at Hyderabad on 1.11.75 (Forenoon).

No. 14/75.—The Director of Inspection, Customs and Central Excise, New Delhi regrets to announce the death of Shri N. Veerasalingam, Inspecting Officer (Customs and Central Excise) Class II in the Central Regional Unit of the Directorate of Inspection, Customs and Central Excise at Hyderabad on 30.10.75.

M. S. MEHTA,
Director of Inspection.

OFFICE OF THE CONTROLLER OF INSURANCE

Simla-4, the 13th November 1975

No. INS.19(1)-ADM/74.—S/Shri Suresh Anand and S. L. Jain who have been appointed as Senior Examiners in this office, in the scale of pay of Rs. 840—40—1000—EB—40—1200, assumed charge of their post on the forenoon of the 8th September 1975. They will be on probation for a period of two years.

G. S. DAMLE,
Controller of Insurance.

CENTRAL PUBLIC WORKS DEPARTMENT
OFFICE OF THE ENGINEER-IN-CHIEF

New Delhi, the 20th September 1975

No. 27-E/C(10)/69-ECIL.—Shri K. G. Chopra, Executive Engineer Central P.W.D. and on deputation to the Delhi Small Industries Development Corporation Ltd., New Delhi retired from service on 31-8-75 A.N. on attaining the age of superannuation.

The 3rd October 1975

No. 30/5/74-ECI.—The President is pleased to confirm the following Assistant Executive Engineers (Civil and Electrical) recruited as probationers to Central Engineering Service Class I and Central Electrical Engineering Service Class I in the Central Public Works Department on the basis of combined Engineering Services Examination 1970 on their appointment in the grade of Asstt. Executive Engineer with effect from the dates mentioned against their names :

Sl. No.	Name	Grade	Date
	S/Shri		
1.	K. S. Dilwari	A. E. E. (Civil)	27-11-73
2.	Prabash Singh	Do.	10-11-73
3.	K. Srinivasan	Do.	20-12-73
4.	H. S. Dogra	Do.	1-12-73
5.	Anant Ram	Do.	8-11-73
6.	K. Ramamurthy	Do.	24-11-73
7.	M. K. Kanchan	Do.	15-12-73
8.	Gunnu Lal	Do.	29-10-73 A.N.
9.	Surendra Mohan	A. E. E. (Elect.)	29-11-73
10.	S. Gopal	Do.	29-11-73

P. S. PARWANI, Dy. Dir. of Adm.

New Delhi, the 12th November 1975

No. 27-AE/C(2)/74-ECIL.—Shri Ashok Kumar Chaudhary, Assistant Executive Engineer, Gangtok Central Division Gangtok expired on 18th October, 1975.

P. S. PARWANI,
Dy. Director of Adm.
for Engineer-in-Chief.

OFFICE OF THE CHIEF ENGINEER
SALAL HYDRO ELECTRIC PROJECT

Jyotipuram, the 13th November 1975

No. CESP/EC-44/75/20583-91.—Shri Kulbhushan Sharma, Assistant Engineer of the J&K Government is appointed on deputation as Assistant Engineer (Eltc.) on ad-hoc basis with effect from 10th Nov., 1975 (F.N.) for a period of six months.

No. CESP/EC-44/75-20592-99.—Shri A. K. Kanjwal, Assistant Engineer (Elec.) of the J&G Government is appointed on deputation as Assistant Engineer (Elec.) on ad-hoc basis with effect from, 10th Nov., 1975 (F.N.) for a period of six months.

Sd. ILLEGIBLE,
CHIEF ENGINEER

NORTHERN RAILWAY

New Delhi, the 31st July 1975

No. 728E/146(Eia)—Shri Harbilas Singh Asstt. Controller of Stores (Class II) of this Rly has finally retired from Railway service w.e.f. 31st May 1975 A.N.

V. P. SAWHNEY,
General Manager

DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS
OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

*In the matter of the Companies Act 1956 and of
Naharkatia Brick Works Limited*

Shillong, the 14th November 1975

No. 1208/560/3452.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Naharkatia Brick Works Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

S. P. VASHISHTHA,
Registrar of Companies,
Assam, Meghalaya, Manipur, Tripura, Nagaland,
Arunachal Pradesh & Mizoram, SHILLONG.

*In the matter of the Companies Act 1956 and of
M/s. Central Mines Limited*

Bombay-2, the 12th November 1975

No. 9282/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956 that the expiration of three months from the date thereof the name of the Central Mines Limited, unless causes is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

S. NARAYANAN,
Addl. Registrar of Companies,
Maharashtra, Bombay

OFFICE OF THE INCOME-TAX APPELLATE TRIBUNAL

Bombay-20, the 14th November 1975

No. F.48-Ad(AT)/75-P.II.—Shri K. B. Srivastava, Senior Superintendent, Income-tax Appellate Tribunal, Bombay Benches, Bombay is appointed to officiate as Assistant Registrar, Income-tax Appellate Tribunal, Bombay Branches, Bombay in the scale of pay Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 on ad-hoc basis in a temporary capacity for a period of six months with effect from 15-11-1975 (Afternoon) to 15-5-1976 (Afternoon) vice Shri S. R. Verma or till the post is filled up by regular appointment of a nominee of the U.P.S.C. whichever is earlier.

HARNAM SHANKAR,
President

INCOME TAX ESTABLISHMENT GAZETTED

No. 758—In exercise of the powers conferred by the sub-section (2) of the Section 117 of the Act, 1961 (Act 43 of 1961), I Shri O. V. Kuruvilla, Commissioner of Income-tax, Bombay, City I, Bombay have appointed the undermentioned Inspectors of Income tax to Officiate as Income-tax Officer, Class II with effect from the date shown against their name and until further orders.

1. Shri R. D. Pareira, Inspector, Spl. Range I, Bombay. 26-5-75 (F.N.)
2. Shri L. K. Joshi, Inspector, Central, Bombay 29-5-75 (F.N.)
3. Shri P. Narayanan, Inspector, Chief Auditors/office, Bombay. 26-5-75 (F.N.)
4. Shri K. P. D. Nair, Inspector, Acqn. Range, Bombay. 28-7-75 (A.N.)
5. Shri V. P. Daniel, Inspector, Central, Bombay. 31-7-75 (A.N.)
6. Shri B. B. Patil, Inspector, C-III Ward, Bombay 28-7-75 (F.N.)
7. Miss M. B. Naik, Inspector, C.I.T's office Bombay. 28-7-75 (A.N.)
8. Shri M. K. Udasi, Inspector, Sr. A.Rs. Office, Bombay. 28-7-75 (F.N.)
9. Shri T. D. Patil, Inspector, S-B-II, Bombay. 28-7-75 (F.N.)
10. Mrs. Laxmi Srinivasan, Inspector, C.A.'s Office, Bombay. 28-7-75 (A.N.)
11. Shri Y. V. S. S. Bhaskar Rao, Inspector CIT's Office, Bombay. 29-7-75 (F.N.)
12. Shri H. H. Vazirani, Inspector, A-IV Ward, Bombay. 30-7-75 (F.N.)
13. Shri K. T. Joseph, Inspector, Mkt. Ward, Bombay. 28-7-75 (A.N.)
14. Shri D. R. Banot, Inspector, D-I Ward, Bombay. 28-7-75 (F.N.)
15. Shri R. S. Mahajan, Inspector, DDI Office, Bombay. 29-7-75 (F.N.)

16. Shri P. S. Patil, Inspector, C.A.'s Office, Bombay. 28-7-75 (A.N.)
17. Shri P. A. Abraham, Inspector, Com. Gir-I, Bombay. 28-7-75 (F.N.)
18. Shri P. B. Kulkarni, Inspector, B-III Ward, Bombay. 29-7-75 (F.N.)
19. Shri M. Madhavan, Inspector, C-I Ward, Bombay. 30-7-75 (A.N.)
20. Shri M. C. Makhija, Inspector, Com. Cir. IV Bombay. 28-7-75 (A.N.)
21. Shri R. B. Ahuja, Inspector, C-IV Ward, Bombay. 29-7-75 (F.N.)
22. Shri V. C. Bhola, Inspector, Com. Cir. I, Bombay. 29-7-75 (F.N.)
23. Shri J. Mathia, Inspector, B-I Ward, Bombay. 31-7-75 (F.N.)
24. Shri C. T. Thomas, Inspector, A-III Ward, Bombay. 31-7-75 (F.N.)
25. Shri Rengarajan, Inspector, CIT's Office, Bombay. 28-7-75 (F.N.)
26. Shri D. P. Rathod, Inspector, DDIs Office, Bombay. 28-7-75 (F.N.)
27. Shri D. K. Kamwal, Inspector, D-II Ward, Bombay. 29-7-75 (F.N.)

2. They will be on probation for a period of two years in terms of letter F. No. 22/3/64-Ad. V dated 25-4-75 from the Government of India, Ministry of Finance (Deptt. of Revenue), New Delhi. The Period of probation may, if necessary be extended beyond the above period. Their confirmation and or retention in the post will depend upon successful completion of the probationary period.

3. Their appointments are made on a purely temporary and provisional basis and liable to terminate at any time without notice.

O. V. KURUVILLA,
Commissioner of Income-tax,
Bombay City I, Bombay.

FORM ITNS—

(1) Shri S. K. Bajoria, Police Bazar, Shillong.
(Transferor)NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Shri S. K. Chopra, Lachumiario, Shillong.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, SHILLONG

Shillong, the 28th October 1975

Ref. No. A-110/SHG/75-76/3682-90.—Whereas, I, Egbert Singh, being the competent authority under section 269B of the Income tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 74(i) covered by D.C.'s Patta No. 45(i) situated at G. S. Road, Police Bazar Ward, Shillong, (and more fully described in the Schedule annexed hereto has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Shillong on 5-6-75, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 8206 Sqr. ft. covered by plot No. 74(i), D.C.'s patta No. 45(i) along with a temporary structure standing thereon. Situated at G.S. Road, Police Bazar, ward, Shillong in Khasi Hills, District of Meghalaya, State.

EGBERT SINGH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Shillong.

Date : 28-10-75.

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Jal Parkash, s/o Shri Raja Ram, R/o Rajpura Road, Civil Lines, Ludhiana.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Prem Nath, s/o Shri Kulwant Rai, R/o Mandi Ahmedgarh, (Sangrur).

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Chandigarh, the 22nd November 1975

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. LDH/C/1174/75-76.—Whereas, I, V. P. Minocha, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Vacant plot of land measuring 605 sq. yds. on Sheep Shank Road, Civil Lines, situated at Ludhiana, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana, in May, 1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the 'Said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

THE SCHEDULE

Vacant plot of land measuring 605 sq. yds. situated on Sheep Shank Road, Civil Lines, Ludhiana.
(Property as mentioned in the Registered Deed No. 1430 of May, 1975 of the Registering Officer, Ludhiana, (C).

V. P. MINOCHA

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax

Acquisition Range, Chandigarh.

Date : 22-11-75.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Jagdish Prasad, s/o Shri Mool Raj, Yamunanagar, Tehsil Jagadhri.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) (i) Shri Vidya Sagar, s/o Shri Chaman Lal, (ii) Shri Pradeep Kumar, s/o Shri Vidya Sagar, Residents of Yamunanagar, Tehsil Jagadhri.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH

(3) M/s Everest Plastic and Chemicals, c/o E-28 and 29, Industrial Area, Yamunanagar.
[Person in occupation of the property](4) (i) Shri Sudesh Kumar Soangal, s/o Shri Damodar Dass, R/o Jagadhri. (ii) Shri Sudesh Kumar, s/o Shri Damodar Dass, R/o Jagadhri.
[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Chandigarh, the 22nd November 1975

Ref. No. JDR/8/75-76.—Whereas, I, V. P. Minocha, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and having No. 1/4th share in Plot No. E-28 and 29, Industrial Area, Yamunanagar, situated at Yamunanagar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jagadhri on May, 1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/4th share in property on Plot No. E-28 and 29, Industrial Area, Yamunanagar.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 682 of May, 1975 of the Registering Officer, Jagadhri.

V. P. MINOCHA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Chandigarh.

Date : 22-11-75.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH

Chandigarh, the 22nd November 1975

Ref. No. JDR/9/75-76.—Whereas, I, V. P. Minocha, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the competent authority under section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1/4th share in property on Plot No. E-28 and 29, Industrial Area, situated at Yamunanagar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jagadhri in May, 1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the 'Said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'Said Act' to the following persons, namely :—

- (1) (i) Shri Ranjan Parkash, s/o Shri Ram Prashad,
(ii) Shri Danesh Kumar, s/o Shri Ishwar Parkash,
R/o Village Ladva, Tehsil Thanesar. (Transferor)
- (2) Shri Sudesh Kumar Soangal, s/o Shri Damodar Dass, R/o Jagadhri. (Transferee)
- (3) M/s Everest Plastic and Chemicals, c/o E-28 and 29, Industrial Area, Yamunanagar.
[Person in occupation of the property]
- (4) (i) Shri Vidya Sagar, s/o Shri Chaman Lal, (ii) Shri Pradeep Kumar, s/o Shri Vidya Sagar, (iii) Shri Sudesh Kumar, s/o Shri Damodar Dass, Residents of Yamunanagar.

[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/4th share in property on Plot No. 28 and 29, Industrial Area, Yamunanagar.

(Property as mentioned in the Registered deed No. 683 of May, 1975 of the Registering Officer, Jagadhri.)

V. P. MINOCHA
Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Chandigarh

Date : 22-11-75.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH

Chandigarh, the 22nd November 1975

Ref. No. JDR/10/75-76.—Whereas, I, V. P. Minocha, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1/4th share in property on Plot No. E-28 and 29, Industrial Area, situated at Yamunanagar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jagadhri in May, 1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Avdeash Kumar, s/o Shri Ram Parshad, R/o Village Ladva, Tehsil Thanesar, District Kurukshetra.

(Transferor)

(2) Shri Sudesh Kumar, s/o Shri Damodar Dass, R/o Jagadhri.

(Transferee)

(3) M/s Everest Plastic and Chemicals, C/o E-28 and 29, Industrial Area, Yamunanagar.

[Person in occupation of the property]

(4) (i) Shri Vidya Sagar, s/o Shri Chaman Lal, (ii) Shri Pradeep Kumar, s/o Shri Vidya Sagar, (iii) Shri Sudesh Kumar Soangal, s/o Shri Damodar Dass, Residents of Jagadhri.

[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/4th share in property on Plot No. E-28 and 29, Industrial Area, Yamunanagar.
(Property as mentioned in the Registered Deed No. 686 of May, 1975 of the Registering Officer, Jagadhri.)

V. P. MINOCHA

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Chandigarh.

Date : 22-11-75.

Seal :

FORM ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH

Chandigarh, the 22nd November 1975

Ref. No. DLI/139/75-76.—Whereas, I, V. P. Minocha, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Factory shed at Village Dundihera, Tehsil and District Gurgaon, (Haryana), situated at Village Dundihera, Teh. & Distt. Gurgaon, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Delhi in May, 1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and

- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) The Principal Officer, M/s Raja Mechanical Company Private Ltd; 33-Deputy Ganj, Sadar Bazar, Delhi-6.

(Transferor)

- (2) The Principal Officer, M/s Export India Corporation Private Ltd; B 1/30-A, Hauz Khas Enclave, New Delhi-16.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Factory shed at Village Dundihera, Tehsil and District Gurgaon, (Haryana).
(Property as mentioned in the Registered Deed No. 593 of May, 1975 of the Registering Officer, Delhi).

V. P. MINOCHA

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Chandigarh.

Date : 22-11-75.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH

Chandigarh, the 22nd November 1975

Ref. No. CHD/29/75-76.—Whereas, I. V. P. Minocha, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1/2 share in Shop-cum-flat No. 3, Sector 27-D, situated at Chandigarh, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at Chandigarh in May, 1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act,' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following person, namely :—

- (1) Shri Randhir Singh, s/o Shri Sarwan Singh, Village Dhanasu, District Ludhiana. (Transferor)
- (2) Sarvashri Sarbjit Singh, s/o Parshan Singh, R/o Shri Karampur, District Sri Ganganagar, (Rajasthan) (Transferee)
- (3) General Manager, Punjab State Cooperative Bank, Chandigarh. [Person in occupation of the property]
- (4) (i) Shri Sham Singh, H. No. 6, Sector 16-A, Chandigarh.
(ii) Shri Darshan Singh, s/o Kartar Singh, R/o Village & P.O. Jandiali, District Jullundur.
(iii) Shri Jasvir Singh, s/o Shri Jagat Singh, R/o Village & P.O. Kot Grewal, District Jullundur. [Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/2 share in Shop-cum-flat No. 3, Sector 27-D, Chandigarh.

V. P. MINOCHA

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range, Chandigarh

Date : 22-11-1975,

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH
156, SECTOR 9-B

Chandigarh, the 22nd October 1975

Ref. No. CHD/53/75-76.—Whereas, I, V. P. Minocha, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1/2 share in Shop-cum-flat No. 3, Sector 27-D, situated at Chandigarh, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in June, 1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of in any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

18—366GI\$75

(1) Shri Randhir Singh, s/o Shri Sarwan Singh,
Village Dhanansu, District Ludhiana,
(Transferor)

(2) Sarvshri
(i) Darshan Singh, s/o Shri Kartar Singh,, R/o Village & P.O. Jandiali, District Jullundur.
(ii) Jasvir Singh, s/o Jagat Singh, R/o Village & P.O. Kot Grewal, District Jullundur.
(Transferee)

(3) General Manager,
Punjab State Cooperative Bank, Chandigarh.
(Person in occupation of the property)

(4) (i) Shri Sarbjit Singh, s/o Shri Parshan Singh, R/o Shri Karanpur, District Sri Ganganagar.
(ii) Shri Sham Singh, H. No. 6, Sector 16-A, Chandigarh.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/2 share in Shop-cum-flat No. 3, Sector 27-D, Chandigarh.

V. P. MINOCHA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Chandigarh

Date : 22-11-1975.
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 1975

Ref. No. AP 1387.—Whereas, I, RAVINDER KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing door No. As per schedule situated at H. No. 323, 324/G, G.T. Road, Basti Chowk, Jullundur, (and more fully described in the Schedule annexed thereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jullundur on March 1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of.—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Pal Singh, Attorney Sunder Kaur, Jasbir Kaur, Pritpal Kaur Successors of Dr. Santokh Singh of Jullundur. (Transferor)
- (2) Shri Mohinder Singh, Gurdevi, Balbir Kaur, Jaswal Singh of W.G. 323, 324, G.T. Road, Near Basti Chowk, Jullundur. (Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2 above. [Person in occupation of the property].
- (4) Any other person interested in the property. [Person whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property as mentioned in Registered deed No. 10570 of March, 1975 of S. R. Jullundur,

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Jullundur.

Date : 1975
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Tarsem Lal Bhardwai,
R/o Jullundur.

(Transferor)

(2) Shri Om Parkash S/O Mela Ram,
36, Sodal Nagar
Jullundur.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(3) As per Sr. No. 2 above.
[Person in occupation of the property].

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
JULLUNDUR.

Jullundur, the November 1975

Ref. No. AP 1388.—Whereas, I, RAVINDER KUMAR, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule Situated at Sodel Road, Jullundur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in March 1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income Tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(4) Any other person interested in the property.
[Person whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property as mentioned in Registered Deed No. 1388 of March, 1975 of S. R. Jullundur.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range,
Jullundur.

Date : November, 1975
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Kuldip Chand, Kapoor Chand R/o
Jullundur.

(Transferor)

(2) Shri Randhir Singh S/o Jagdev Singh,
R/o 36-A/2, Central Town,
Jullundur.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
JULLUNDUR.

Jullundur, the November 1975

(3) As per Sr. No. 2 above.
[Person in occupation of the property].(4) Any other person interested in the property.
[Person whom the undersigned knows to be inter-
ested in the property].Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

Ref. No. AP 1389.—Whereas I, RAVINDER KUMAR, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing As per schedule Situated at Central Town, Jullundur. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in March 1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

Property as mentioned in Registered Deed No. 10583 of March, 1975 of S. R. Jullundur.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range,
Jullundur.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 1975
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE.
JULLUNDUR.

Jullundur, the November 1975

Ref. No. AP 1390.—Whereas, I, RAVINDER KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/1 and bearing No.

As per schedule

Situated at Mohalan, Jullundur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nwanshahr on March 1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri Jagdish Pal S/o Bala Singh,
R/o Mohalan, Teh. Nwanshahr. (Transferor)
- (2) Shri Jagjit Singh s/o Bhagwan Singh,
Shri Satpal Singh Narinder Pal Singh s/o
Shri Jagit Singh,
R/o Rampur, Teh. Phawara. (Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2 above.
[Person in occupation of the property].
- (4) Any other person interested in the property.
[Person whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in Registered Deed No. 4727 of March, 1975 of S. R. Nwanshahr.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range,
Jullundur.

Date : November, 1975
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
4-A/14, ASAF ALI ROAD, 3RD FLOOR
NEW DELHI.

New Delhi, the 28th November 1975

Ref. No. IAC/Acq. II/308(946)/75-76.—Whereas, I, S. N. L. AGARWALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. C/24, situated at Navin Shahdara, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi on 29/3/1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Ram Parsad s/o Shri Bhola Nath,
R/o House No. 2830, Gali No. 5 Qutab Road,
Delhi. (Transferor)
- (2) Smt. Amrit Arora w/o Shri Kailash Chander,
R/o X/18, Navin Shahdara (C-24)
Delhi-32. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A house on plot No. C/24 measuring 172 sq. yds bearing old No. 1586/24 and New House No. X/18 situated in Navin Shahdara Extn. Illaqa Shahdara, Delhi.

S. N. L. AGARWALA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi.

Date : 28-11-1975

Seal :

FORM ITNS—

(1) Smt. Veena Gupta w/o Shri Rajeshwar Nath Gupta,
R/o 73, Ansari Road,
Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Smt. Savita Gupta w/o Shri R. K. Gupta,
R/o 16-B/4, Asaf Ali Road,
New Delhi-1.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
4-A/14, ASAF ALI ROAD, 3RD FLOOR
NEW DELHI.

New Delhi, the 28th November 1975

Ref. No. IAC/ACQ. II/1877(947)/75-76.—Whereas, I,
S. N. L. AGARWALA,
being the competent authority under section 269B of the
Income Tax Act, 1961 (43 of 1961)
(hereinafter referred to as the 'said Act'),
have reason to believe that the immovable property, having
a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. 1/3 of 1/6 share of Hotel Tourist, situated at Ram
Nagar, Pahar Ganj Delhi,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has
been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908)
in the office of the Registering Officer at
Delhi on 31-3-1975,
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the
aforesaid property and I have reason to believe that the fair
market value of the property as aforesaid exceeds the apparent
consideration therefor by more than fifteen per cent of such
apparent consideration and that the consideration for such
transfer as agreed to between the parties has not been truly
stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1972
(11 of 1922) or the Said Act or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by issue of this notice under sub-section
(1) of section 269D of the said Act, to the following persons,
namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a
period of 45 days from the date of publication
of this notice in the Official Gazette or a
period of 30 days from the service of notice
on the respective persons, whichever period
expires later;

- (b) by any other person interested in the said
immovable property within 45 days from the
date of the publication of this notice in the
Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used here-
in as are defined in Chapter XXA of
the said Act, shall have the same meaning
as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/3rd portion of the 1/6th share (ground floor) of three
storeyed building (constructed on a plot of land measuring
1803.23 sq. yds) known as Hotel Tourist situated at Ram
Nagar New Delhi and bounded as under :

North : Portion of the building owned by Madhu Gupta
South : Portion of the building owned by Vimla Goel
East : Grassy Lawn and Road
West : Several Buildings

S. N. L. AGARWALA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi.

Date : 28-11-1975

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
4-A/14, ASAF ALI ROAD, 3RD FLOOR
NEW DELHI.

New Delhi, the 28th November 1975

Ref. No. IAC/Acq. II/1996(948)/75-76.—Whereas, I, S. N. L. AGARWALA, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 2/3 of 1/6 share of Hotel Tourist, situated at Ram Nagar, Pahar Ganj Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi on 7/5/1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'Said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'Said Act', to the following persons, namely :—

(1) Smt. Veena Gupta w/o Shri Rajeshwar Nath Gupta,
R/o 73, Ansari Road, Darya Ganj,
Delhi-6.

(Transferor)

(2) Smt. Savita Gupta w/o Shri R. K. Gupta,
R/o 16-B/4, Asaf Ali Road,
New Delhi-1.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the Service of notice on the respective persons whichever period expires later ;

(h) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

2/3rd portion of the 1/6th share (1st & 2nd floor) of three storeyed building (constructed on a plot of land measuring 1803.23 sq. yds) known as Hotel Tourist situated at Ram Nagar, New Delhi and bounded as under :

North : Portion of the building owned by Madhu Gupta
South : Portion of the Property owned by Vimla Goel
East : Grassy Lawn and Road
West : Several buildings.

S. N. L. AGARWALA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi.

Date : 28-11-1975
Seal :

FORM ITNS ———

(2) Shri Vas Dev Sarna s/o
L. Chet Ram Sarna r/o
Shop No. 343, Lajpat Rai Market,
Delhi-6.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
4-A/14, ASAF ALI ROAD, 3RD FLOOR
NEW DELHI.

New Delhi, the 28th November 1975

Ref. No. IAC/Acq. II/293(941)/75-76.—Whereas, I,
S. N. L. AGARWALA,
being the competent authority under Section 269B of the
Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing Dag
No. A-18, situated at West Azad Nagar, Illaqa Shahdara,
Delhi, (and more fully described in the
schedule annexed hereto), has been transferred under the
Registration Act 1908 (16 of 1908)
in the office of the Registering Officer at
Delhi on 4-3-1975
for an apparent consideration which is less
than the fair market value of the aforesaid property and
I have reason to believe that the fair market value of the
property as aforesaid exceeds the apparent consideration
therefor by more than fifteen per cent of such apparent
consideration and that the consideration for such transfer
as agreed to between the parties has not been truly stated
in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transfer to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—

- (1) Shri Kehar Singh s/o
S. Partap Singh R/o
10/123, West Azad Nagar, Near Krishan Nagar,
Delhi-51.

(Transferor)

19—366GI/75

Objections, if any, in the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a
period of 45 days from the date of publication
of this notice in the Official Gazette or a period of
30 days from the service of notice on the respective
persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

A single storeyed house constructed on a plot of land mea-
suring 115.1/2 sq. yds at No. 18 in Block A (A-18) situated
in the abadi of West Azad Nagar, Illaqa Shahdara Delhi and
bounded as under :—

North : Gali
South : Road
East : Gali

West : Portion of property No. A-18.

S. N. L. AGARWALA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi.

Date : 28-11-1975

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
4-A/14, ASAF ALI ROAD, 3RD FLOOR
NEW DELHI.

New Delhi, the 28th November 1975

Ref. No. IAC/Acq. II/1870(939)/75-76.—Whereas, I,
S. N. L. AGARWALA,
being the competent authority under section 269B
of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter
referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the
immovable property having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing
4559 situated at Kucha Bibi Gohar Charkewalan, Delhi-6.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
Delhi on 22/3/1975
for an apparent consideration which is less than
the fair market value of the aforesaid property and I have
reason to believe that the fair market value of the property
as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration and
that the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of
the transferor to pay tax under the 'said Act', in
respect of any income arising from the transfer;
and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or
any moneys or other assets which have not
been or which ought to be disclosed by the
transferee for the purposes of the Indian
Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the
'said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the
'said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of
the aforesaid property by the issue of this notice under
sub-section (1) of section 269D of the 'said Act', to the
following persons, namely :—

- (1) Sv/Shri 1. Jagdish Parsad,
2. Jajeshwar Prasad,
3. Mahesh Chand,
4. Om Parkash,
5. Satya Parkash,
6. Prem Parkash,

7. Jai Parkash,
8. Vinod Parkash,
9. Chaman Parkash,
all sons of L. Suraj Parshad and residents of
A-5 Saus Khas, New Delhi.
10. Smt. Krishna Kanta w/o Sh. Umrao Singh,
r/o G-7, Hauz Khas, New Delhi.
11. Smt. Sushila Devi w/o Sh. Ramakant Agarwal,
r/o G-55, Green Park, New Delhi.
(Transferor)

- (2) Shri Gopal Kishan Mathur,
s/o Shri Wazir Chand,
r/o 4559, Kucha Bibi Gohar, Charkewalan
Delhi-6.
2. Smt. Shakuntala Rani w/o Sh. Wazir Chand,
r/o 4559, Kucha Bibi Gohar, Charkewalan,
Delhi-6.
(Transferee)

- (3) Sv/Shri 1. Raghubir Chand
2. Dinesh Chand
3. Rakesh Chand
4. Harish Chand
5. Sandeep
6. Rajeev
7. Ramesh Chand
8. Chhotu 9. Suresh Chand
10. Smt. Reishwari Devi
11. Smt. Kashmiran 12. Mrs. Usha 13. Mrs. Madhu
14. Sonu Rani d/o Sh. Suresh Chand
15. Mrs. Mahadevi w/o L. Mool Chand
all residents of 4559, Kucha Bibi Gohar,
Delhi-6.
[Person in occupation of the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said pro-
perty may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of
30 days from the service of notice on the res-
pective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said
immovable property within 45 days from the
date of the publication of this notice in the
Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the 'Said
Act,' shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

A three storeyed building constructed on a plot of land
measuring 268 sq. yds situated at 4559, ward VI, Kucha Bibi
Gohar, Charkewalan, Delhi.

S. N. L. AGARWALA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant
Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi.

Date : 28-11-1975

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
4-A/14, ASAF ALI ROAD, 3RD FLOOR
NEW DELHI.

New Delhi, the 28th November 1975

Ref. No. IAC/Acq. II/1857(938)/75-76.—Whereas, I, S. N. L. AGARWALA, being the competent authority under section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Tenament No. 1 & 2 Block : 25 situated at Ramesh Nagar, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 19/3/1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Sita Ram Chadha s/o
Sh. Salig Ram Chadha r/o
House No. C-11, Sect. B & C. Vishal Enclave,
Najafgarh Road,
New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Ramesh Lal Madaan,
2. Shri Hira Lal Madaan,
Sons of Shri Amar Nath Madaan r/o
25/1-2, Double storyed, Ramesh Nagar,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A double storyed house constructed on a plot of land measuring 125.66 sq. yds. at tenament No. 1 & 2 in Block 25 25-1-27, Ramesh Nagar, New Delhi.

S. N. L. AGARWALA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi.

Date : 28-11-1975

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
4-A/14, ASAF ALI ROAD, 3RD FLOOR
NEW DELHI.

New Delhi, the 28th November 1975

Ref. No. IAC/Acq. II/304(940)/75-76.—Whereas, I, S. N. L. AGARWALA, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 10 situated at Village Uldanpur, Shahdara, Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 22/3/1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Hans Raj Jain s/o Shri Attar Chand Jain,
R/o 3726, Gali Churiwala Katra Dhuni Mall
Kagzi, Chawri Bazar, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Rameshwar Dass Bansal,
s/o Sh. Suraj Bhan Bansal,
r/o 76, Mohan Park Shahdara,
Delhi-32.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A piece of land measuring 200 sq. yds out of Khasra No. 351 situated at Plot No. 10 in Village Uldhanpur in the abadi known as Rohtas Nagar, Illaqa Shahdara, Delhi and bounded as under :—

North : Plot owned by Sh. Ghisaram
South : Passage
East : Road 24'
West : Road 16'

S. N. L. AGARWALA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi.

Date : 28-11-1975

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I,
4/14A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI.

New Delhi, the 24th November 1975

Ref. No. IAC/Acq. I/SRIII/741(7)/75-76.—Whereas, I,
C. V. GUPTE,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S 343 (296 Sq yds) situated at Greater Kailash-II, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 5/5/1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

- (1) Smt. Prem Vatl w/o Late Shri Ram Kishan Dass and Shri Sunil Kumar s/o Late Shri Ram Kishan r/o 163, Jorbagh, New Delhi-3.
(Transferor)

- (2) Shri Hira Lal Behl son of Shri Uttam Chand Bhel and Virinder Behl all sons of Sh. Hira Lal Behl and Sarvashr Jawar Lal Behl Surinder Lal Behl, Katra Subhash, Chandni Chowk, Delhi-6.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A free-hold plot of land bearing No. 343 in Block No. 'S' measuring 296 sq. yds. situated in the residential colony known as Greater Kailash-II, New Delhi-19 in the revenue records of Village Bahapur, Union Territory of Delhi within the limits of Village Bahapur Union Territory of Delhi within the limits of Delhi Municipal Corporation, Delhi and bounded as under :—

East—Road
West—S. Lane
North—Plot No. S/341
South—Plot No. S/345.

C. V. GUPTE,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi.

Date : 24-11-1975

Seal :

FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-1,
4/14A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 24th November 1975

Ref. No. IAC/Acq.I/SRIII/754(28)/75-76.—Whereas, I, C. V. Gupta, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. M-81 (½ undivided share) situated at Greater Kailash-II, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 7-5-1975, than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration on such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the 'said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :—

- (1) Miss Krishna Sood,
d/o Sh. Asa Nand Sood,
r/o 651C, Laxmi Bai Nagar, New Delhi-23
Now at H/3 Green Park, New Delhi-16.

(Transfer)

- (2) Smt. Sushila Talwar
w/o Sh. Jia Lal Talwar r/o 4753/23 Ansari Road,
Darya Ganj, Delhi-6.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

½share of undivided free-hold shop plot No. 81 in Block 'M' Market, situated in the residential colony known as Greater Kailash-II, New Delhi having an area of 195 sq. yds. and in the Village of Bahapur in the Union Territory of Delhi state and within the limits of Delhi Municipal Corporation and bounded as under :—

East : Shop Plot No. M-80
North : Road
West : Shop Plot No. M-82
South : Road.

C. V. GUPTA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-Tax
Acquisition Range-I, New Delhi

Date : 24-11-1975

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE-1,
4/14A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 24th November 1975

Ref. No. IAC/Acq.I/SRII/May-I/753(27)/75-76.—Whereas I, C. V. Gupta, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. M-81 Greater Kailash-II situated at New Delhi ($\frac{1}{4}$ undivided share) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 7-5-1975, for an apparent consideration which is less than fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Miss Vimla Sood
d/o Sh. Asa Nand Sood,
r/o 651C, Laxmi Bai Nagar, New Delhi.
Now at H/3, Green Park, New Delhi-16.
(Transferor)
- (2) Shri Anil Kumar Rakhi
s/o Sh. Rajeshwar Kumar Rakhi through his
guardian and mother Smt. Usha Rekhi wife of
Sh. Rajeshwar Kumar Rakhi,
r/o S-215, Greater Kailash-I, New Delhi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA, of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Half share of undivided free-hold shop plot No. 81 in Block 'M' Market, situated in the residential colony known as Greater Kailash-II, New Delhi having an area of 195 sq. yds. in the Village of Bahapur in the Union Territory of Delhi state and within the limits of Delhi Municipal Corporation and bounded as under :—

East : Shop Plot No. M-80
North : Road
West : Shop Plot No. M-82
South : Road.

C. V. GUPTE,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, New Delhi

Date : 24-11-1975

Seal :

FORM ITNS—

(1) M/s. D. L. F. United (P.) Ltd.,
40 F, Connaught Place, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sh. Surinder Kumar Gupta
s/o Sh. Ram Bhaj,
r/o 14, Ajit Arcade,
Kailash Colony, New Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I,
4/14A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

New Delhi, the 24th November 1975

Ref. No. IAC/Acq.I/SRIII/796(43)/75-76.—Whereas, I,
C. V. Gupte,
being the competent authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing
Plot No. M-63, (Shop Plot),
situated at Greater Kailash, New Delhi
(and more fully described
in the Schedule annexed hereto), has been transferred under
the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the
Registering Officer at
New Delhi on 28-5-1975,
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the
liability of the transferor to pay tax under the said
Act, in respect of any income arising from the
transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the
said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition
of the aforesaid property by the issue of this notice under
sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons, namely :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said
immovable property, within 45 days from the
date of the publication of this notice in the
Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used here-
in as are defined in Chapter XXA of the
said Act, shall have the same meaning as
given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All the rights, title and interest of the shop plot No. 63
Block No. 'M' measuring 195 sq. yds. in the residential colony
known as Greater Kailash-II, situate at village Bahapur, in
the Union Territory of Delhi, bounded as under :—

North : Shop Plot No. M/62
South : Shop Plot No. M/64
East : Road
West : Road.

C. V. GUPTE,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-I, New Delhi

Date : 24-11-1975

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
4-A/14, ASAF ALI ROAD, 3RD FLOOR,
NEW DELHI

New Delhi, the 24th November 1975

Ref. No. IAC/Acq. II/1868(935)/75-76.—Whereas, I, S. N. L. Agarwala, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1/3rd of 7/20 situated at East Patel Nagar, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 26-3-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the 'Said Act'. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'Said Act', to the following persons namely :—

20—366GI/75

(1) Shri Swinder Singh Sahni
s/o Shri Kishan Singh Sahni,
r/o 7/20, East Patel Nagar,
New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Ranjit Singh Sahni
s/o Sh. Gurbachan Singh Sahni,
r/o H-459, New Rajinder Nagar,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or or period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires, later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/3rd share of a single storeyed house constructed on a plot of land measuring 200 sq. yds. situated at 7/20, East Patel Nagar, New Delhi and bounded as under :—

East : House No. 7/21
West : House No. 7/19
North : Main Road
South : Service Lane.

S. N. L. AGARWALA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-II, Delhi/ New Delhi

Date : 24-11-1975

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISS-
SIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
NEW DELHI

New Delhi, the 24th November 1975

Ref. No. IAC/Acq. II/1867(934)/75-76.—Whereas, I, S. N. L. Agarwala, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1/3rd of 7/20 situated at East Patel Nagar, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 26-3-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Gurcharan Singh Sahni
s/o Shri Kishan Singh Sahni,
r/o 1312 Sector No. 34-C, Chandigarh through
his general Attorney S. Kishan Singh s/o
Hari Singh Sahni r/o
7/20, East Patel Nagar,
New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Ranjit Singh Sahni
s/o Late S. Charan Singh Sahni,
r/o H-459, New Rajinder Nagar,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/3rd share of a single storeyed house constructed on a plot of land measuring 200 sq. yds situated at 7/20, East Patel Nagar, New Delhi and bounded as under :—

East : House No. 7/21
West : House No. 7/19
North : Main Road
South : Service Lane.

S. N. L. AGARWALA,
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-II, Delhi/ New Delhi

Date : 24-11-1975

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
4-A/14, ASAF ALI ROAD, 3RD FLOOR,
NEW DELHI

New Delhi, the 24th November 1975

Ref. No. IAC/Acq. II/1866(936)/75-76.—Whereas, I, S. N. L. Agarwala, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to the Said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1/3rd of 7/20 situated at East Patel Nagar, N. Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Sub-Registrar's Office, Delhi on 26-3-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Randhir Singh Sahni,
s/o S. Kishan Singh Sahni,
r/o 7/20, East Patel Nagar, New Delhi now in
New York (USA) through his general Attorney
Shri Kishan Singh s/o
Sh. Hari Singh Sahni r/o
7/20, East Patel Nagar,
New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Ranjit Singh Sahni s/o Late S. Gurcharan
Singh Sahni r/o H-459, New Rajinder Nagar,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, in the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/3rd share of a single storeyed house constructed on a plot of land measuring 200 sq. yds situated at 7/20, East Patel Nagar, New Delhi and bounded as under :—

East : House No. 7/21
West : House No. 7/19
North : Main Road
South :—Service Lane.

S. N. L. AGARWALA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax,
Acquisition Range-II, Delhi/ New Delhi

Date : 24-11-1975
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE II
4-A/14, ASAF ALI ROAD, 3RD FLOOR,
NEW DELHI

New Delhi, the 24th November 1975

Ref. No. IAC/Acq. II/305(937)/75-76.—Whereas, I, S. N. L. Agarwala, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Western portion of A-4/19 situated at Krishan Nagar, Shahdara, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 28-3-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'Said Act', to the following persons, namely:—

(1) Shri Shiv Mohan Kappor, S/o
Shri Ved Parkash Kappor,
r/o 533, Gandhi Nagar, Delhi-31.

(Transferor)

(2) 1. Shri Kehar Singh s/o
Shri Partap Singh
r/o 10/123, West Azad Nagar, Delhi-31.

2. Shri Ram Lal Dogra s/o Pandit Hira Lal
r/o A-4/19, Krishan Nagar, Delhi-51.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A piece of land measuring 116.5 sq. yds being the half portion (western) of plot No. A-4/19, out of Khasra No. 352 situated in Village Ghondli, in the abadi known as Krishan Nagar, Shahdara, Delhi and bounded as under:—

North : Plot No. A-3/19
South : Road
East : Remaining half portion of plot No. A-4/19
West : Plot No. A-4/18.

S. N. L. AGARWALA,
Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-II, Delhi/ New Delhi

Date : 24-11-1975

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 20th November 1975

Ref. No. R.A.C. 164/75-76.—Whereas, I, K. S. Venkataraman,
being the competent authority under section 269B of the
Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe
that the immovable property, having a fair market value
exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.
16-9-571/1

situated at Old Malakpet, Hyderabad
(and more fully described in the
Schedule annexed hereto), has been transferred under the
Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
Joint Sub Registrar, Hyderabad on 31-3-1975
for an apparent consideration which is less than the fair market
value of the aforesaid property and I have reason to believe
that the fair market value of the property as aforesaid exceeds
the apparent consideration therefor by more than fifteen per
cent of such apparent consideration and that the consideration
for such transfer as agreed to between the parties has not
been truly stated in the said instrument of transfer with the
object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act
in respect of any income arising from the transfer;
and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or which
ought to be disclosed by the transferee for the pur-
poses of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957
(27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—

- (1) Shri Syed Moinuddin son of Syed Meeran Quadri,
presently put up at Canada through G.P.A.
S. M. Maqdoom Hussain,
residing at 8-2-596/4, Road No. 10, Banjara Hills,
Hyderabad.

(Transferor)

- (2) Smt. Khaja Begum wife of Ashraf Ali Khan,
H. No. 22-4-562 Inside Yakootpura,
Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are
defined in Chapter XXA of the said Act
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

Property : M. No. 16-9-571/1 situated at Old Malakpet,
Hyderabad Ground floor of the building and
land.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 20-11-1975

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 24th November 1975

Ref. No. RAC. No. 165/75-76.—Whereas, I, K. S. Venkataraman, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Portion No. 6-2-25 situated at Jagtial, Jagtial Tq.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kareemnagar on 16-4-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) 1. Shri Dharma Raj Gopal Rao,
2. Sri Krishna Bhoopal Rao,
3. Sri Ram Bhoopal Rao,
All 3 R/o Chelgal Village, Jagtial Tq.,
Kareemnagar Dist.

(Transferor)

- (2) 1. Sri Pendiyala Satyanarayana,
2. Smt. Basetti, Shakuntala,
Tagityala, Tq.
Kareemnagar Dist.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property : Portion of House No. 6-2-25 at Brahimiwadi, Jagtial Tq, Kareemnagar Dist.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 24-11-1975

Seal :

FORM ITNS—

(1) M/s Hintustan Builders, through its partner
Sri Hari Kishen, at Abid Road,
Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Smt. Vatsala Y. Patel W/o Sri Y. K. Patel,
H. No. 15-1-664 at Goshamahal, Hyderabad.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 24th November 1975

Ref. No. RAC. No. 166/75-76.—Whereas, I, K. V. Venkata-
raman,
being the competent authority under Section 269B of the
Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act')
have reason to believe that the immovable property, having
a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.
Shop No. One
situated at On "Unity House" at Abid Road, Hyderabad
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act,
1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer
at Hyderabad on 9-4-1975
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said
instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11
of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under Sub-sec-
tion (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said
immovable property, within 45 days from the
date of the publication of this notice in the
Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are
defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that chapter.

THE SCHEDULE

Property : Shop No. One, on ground floor of "UNITY
HOUSE" at Abid Road, Hyderabad.
Area : 242 Sq. Feet.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 24-11-1975
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE
HYDERABAD

Hyderabad, the 24th November 1975

Ref. No. RAC. No. 167/75-76.—Whereas, I. K. S. Venkata-
raman,
being the competent authority under Section 269B of the
Income-tax, Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing
No. 4-1-834
situated at Abid Road, Hyderabad
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the Office of the Registering Officer
at Hyderabad on 11-4-1975
for an apparent consideration which
is less than the fair market value of the aforesaid property and
I have reason to believe that the fair market value of the
property as aforesaid exceeds the apparent consideration
therefor by more than fifteen per cent of such apparent consi-
deration and that the consideration for such transfer as agreed
to between the parties has not been truly stated in the said
instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the 'Said Act' in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or
any moneys or other assets which have not
been or which ought to be disclosed by the
transferee for the purposes of the Indian
Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said
Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the 'Said
Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of section 269D of the 'Said Act', to the follow-
ing persons, namely :—

(1) 1. Smt. Sarla W/o Sri Bhagwandas Thadani,
2. Bharati W/o Murlidhar Thadani,
R/o 3-5-594/1 at Narayan Guda,
Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri Waliram W/o Dayaram,
R/o Malakunta,
Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a
period of 45 days from the date of publication
of this notice in the Official Gazette or a
period of 30 days from the service of notice
on the respective persons whichever period
expires later.

(b) by any other person interested in the said
immovable property within 45 days from the
date of the publication of this notice in the
Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used here-
in as are defined in Chapter XX-A of
the said Act, shall have the same meaning
as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property : First and Second floor of the Mulgi bearing
No. 4-1-834 at Abid Road, Hyderabad.
Area : 66 Sq. Yds.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 24-11-1975

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 24th November 1975

Ref. No. RAC. 1 No. 168/75-76.—Whereas, I, K. S. Venkataraman being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

14-11-52

situated at Mangaloat, Hyderabad (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Hyderabad on 7-4-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

21—366GI/75

(1) Sri G. Krishna S/o G. Ramswamy,
R/o H. No. 14-11-53 at Kamati Pura Mangalhat,
Hyderabad.

(Transferor)

(2) 1. Sri Narayenlal Yadu S/o Babaramyadulal,
2. Sri Amerchandlal Yadu S/o Babaram Yadu,
R/o 14-8-129 at Chowdibazar,
Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property : House No. 14-11-52 at Kamatipura, Mangalhat, Hyderabad.
Area : 112.87 Sq. Mets.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income Tax, Acquisition Range,
Hyderabad.

Date : 24-11-1975

Seal:

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE
HYDERABAD

Hyderabad, the 24th November 1975

Ref. No. RAC. No. 169/75-76.—Whereas, I, K. S. Venkataraman, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Portion of plot No. 5-4-92/1 situated at Ranigunj, Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Secunderabad on 15-4-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) 1. Shri Ghiasuddin Babukhan,
2. Smt. Shahzadi Begum,
3. Sultanuddin Babukhan,
4. Bashiruddin Babukhan,
5. Farida Banu,
6. Turab Banu,
7. Bader Banu,
8. Syeeda Banu,
9. Jameela Banu,
10. Dilawer Banu,
11. Nusrath Banu,
all residing at M. G. Road,
H. No. 5-4-86 at M.G. Road,
Secunderabad.

(Transferor)

- (2) Master Surender Kumar Agarwal, Guardian
Sri Pahlad Rai Agarwal,
H. No. 1-1-20 at S.P. Road,
Secunderabad.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any of the person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property : Portion of Plot No. 5-4-92/1 at Ranigunj, Secunderabad.
Area : 373.33 Sq. Yds.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 24-11-1975

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 26th November 1975

Ref. No. RAC. N. 170/75-76.—Whereas, I, K. S. Venkataraman, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 5-8-25 situated at Nampally, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 7-4-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Shri Mir Ahammed Sulthan S/o Fateh Sulthan, H. No. 5-8-23 at Fateh Sulthan lane, Nampally, Hyderabad.
- (2) Smt. Kosaraju Lakshmikanthamma W/o Suryanarayana, H. No. 5-8-27 and 28 at Fateh Sulthan Lane, Nampally, Hyderabad.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property : Building M. No. 5-8-25 situated at Fateh Sultan Lane, Nampally, Hyderabad.
Area : 749 Sq. Yds.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad

Date: 26-11-1975
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR,
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 22nd November 1975

Ref. No. P.R. No. 266 Acq.23-503/13-1/75-76.—Whereas, I, P. N. Mittal, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. C, S. No. 394 Vithal Udyognagar, situated at Cyto Compd., Near Karamsad Rly. Crossing, Tal. Anand, Dist. Kaira

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Anand on 29-4-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby situate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) The Principal Officer,
Cyto Private Ltd.
Cyto Compd.,
Anand-Sojitra Road Vallabh Vidyanagar,
Tal. Anand, Dist. Kaira.

(Transferor)

- (2) The Principal Officer,
Japsaw Private Limited,
Anand-Sojitra Road, Vallabh Vidyanagar,
Tal. Anand, Dist. Kaira.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

THE SCHEDULE

All the piece or parcel of land on ground situate lying and being at Vithal Udyognagar in the Registration Sub-District of Anand, Dist. Kaira being sub plot No. C, admeasuring 777 Sq. metres, of the land out of the land survey No. 394 of Vithal Udyognagar, Tal. Anand, Dist. Kaira and bounded as under :—

East by : Private Road of Cyto Pvt. Ltd.
West by : Sub-plot No. 'D' Sur. No. 394/1+2+3+4.
North by : Sur. No. 391.
South by : Private Road of Cyto Pvt. Ltd.

P. N. MITTAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date : 22-11-1975

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR,
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 22nd November 1975

Ref. No. P.R. No. 267 Acq. 23-504/13-1/75-76.—Whereas, I, P. N. Mittal, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. F, Sur. No. 397 Vithal Udyognagar situated at Cyto Compd. Near Karamsad Rly. Crossing, Tal. Anand, Dist. Surat, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Anand on 29-4-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) The Principal Officer,
Cyto Private Ltd.
Cyto Compound, Near Karamsad Rly. Crossing,
Vallabh Vidyanagar,
Tal. Anand, Dist. Kaira. (Transferor)
- (2) The Principal Officer,
M/s. Moulplast Pvt. Ltd.
Post Box No. 8, Cyto Compd.,
Near Karamsad Rly. Crossing,
Vallabh Vidyanagar, Tal. Anand,
Dist. Kaira. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All the piece or parcel of land or ground situate lying and being at Vithal Udyognagar in the Registration Sub-District of Anand, District Kaira being sub-plot No. 'F' ad-measuring 8665.54 Sq. metres of the land out of the land being Sur. No. 397 of Vithal Udyognagar (Karamsad in the Registration Sub-District of Anand and Dist. Kaira and bounded as under :—

North : By sub-plot Nos. Pvt. Road of Cyto Pvt. Ltd.
South : by property of G.I.D.C.
East : By Sur. No. 396.
West : By Sur. No. 393.

P. N. MITTAL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date : 22-11-1975

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR,
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 22nd November 1975

Ref. No. P.R. No. 268 Acq.23-505/13-7/75-76.—Whereas,
I, P. N. Mittal,
being the competent authority under section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe
that the immovable property having a fair market value
exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.
Sur. No. 326, 327A and 327-B paiki open land
situated at Mehmadabad Dist. Kaira
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Regis-
tering officer at
Mehmedabad on 7-5-1975
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the 'said
Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section
(1) of section 269D of the 'said Act' to the following per-
sons, namely:—

- (1) Mehboob Ilahi Abdullahhai Rushnaiwala
Mohmedyusuf Abdullahhai Rushnaiwala
Abdulmajid Abdullahhai Rushnaiwala
Gulam Mohiyuddin Abdullahhai Rushnaiwala
Gulamhussein Abdullahhai Rushnaiwala,
through Power of Attorney Holder Mehbub Ilahi
Abdullahhai, Kagdiwad, Kochrab,
Ahmedabad.

(Transferor)

- (2) Shri Umakant Jethalal Parikh,
885, Tokersha-ni-pole,
Raikhad, Ahmedabad,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said
immovable property within 45 days from the
date of the publication of this notice in the
Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

An open land bearing S. No. 326 & 327 A Paiki admeasur-
ing 1 acre and 14 gunthas and 327B paiki 0.04 gunthas
(i.e. in all 1 acre and 18 gunthas) situated at Ahmedabad,
Dist. Kaira as fully described in sale-deed registered under
No. 417 of May 1975 in Registering Office, Ahmedabad.

P. N. MITTAL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 22-11-1975

Seal:

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR,
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 22nd November 1975

Ref. No. P.R. No. 269 Acq. 23-415/6-2/75-76.—Whereas, I, P. N. Mittal, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. B-Tika No. 13/1, Sur. No. 42, admeasuring 230 Sq. yds. situated at Dandia Bazar, Baroda (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Baroda on 14-5-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Ramdas Ramkrushna Kurane,
Dandia Bazar,
Baroda.

(Transferor)

(2) Smt. Minaxi Chandrakant Amin,
Mani Nivas, Dandia Bazar,
Baroda.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building S. No. 42, B Tika No. 13/1 situated at Babajipura Dandia Bazar, Baroda. Land admeasuring 230 Sq. yds. alongwith structures as mentioned in the registered deed No. 2997/75 of May 1975 of the registering Officer, Baroda.

P. N. MITTAL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date : 22-11-1975

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Thakorbhai Bhikhabhai,
Zanda Sheri, Sagrampara,
Surat.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR,
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 22nd November 1975

Ref. No. P.R. No. 270 Acq.23-419/19-7/75-76.—Whereas,
I, P. N. Mittal,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing
S. No. 71 paiki open land
situated at Village Majura Taluka Choryasi, Dist. Surat
(and more fully described in the Schedule annexed
hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
Surat on 14-5-1975
for an apparent consideration which is
less than the fair market value of the aforesaid property
and I have reason to believe that the fair market value of the
property as aforesaid exceeds the apparent consideration there-
for by more than fifteen per cent of such apparent considera-
tion and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said
instrument transfer with object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer;
and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or
any moneys or other assets which have not been
or which ought to be disclosed by the transferee
for the purposes of the Indian Income-tax Act,
1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-
Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section
(1) of section 269D of the said Act, to the following persons,
namely :—

(2) Shri Radhakrishna Industrial Cooperative Services
Society Ltd. through its
Chairman—Shri Dalsukhbhai Laxmichand Kansara
Hon. Manager : Shri Jayantilal Ratilal Mandvivala
Committee Member—Shri Jayantilal Ratilal,
Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of
30 days from the service of notice on the res-
pective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said
immovable property, within 45 days from the date
of the publication of this notice in the Official
Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
Chapter.

THE SCHEDULE

An open plot of land bearing Sur. No. 71 paiki admeasur-
ing 20110 Sq. yds. situated at village Majura, Taluka
Choryasi, Dist. Surat as fully described in sale deed registered
No. 2552 of May, 1975 by Registering Officer, Surat.

P. N. MITTAL
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date : 22-11-1975

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I,
MADRAS-6

Madras-6, the 22nd November 1975

Ref. No. F. X IV/1/11/75-76.—Whereas, I, G. Ramanathan being the competent authority under section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

34 & 34A

situated at T.M.G. Building, Sindupundurai, Tirunelveli (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Tirunelveli on April, 1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'Said Act', to the following persons, namely :—
22—366GI/75

- (1) Shri T. M. G. Mohamed Abdul Rahim Rowther, Mohamed Naina Pallivasal Keezha Theru, Petti, Tirunelveli.
(Transferor)
- (2) Mrs. M. S. M. Kathceja Beevi, W/o T. M. G. Mohamed Abdul Saboor Rowther, 61, Mohamed Naina Pallivasal Sannathi Street, Petti.
(Transferee)
- (3) M/s. Royal Medical Stores & M/s. Arasan Brick Works.
[Person in occupation of the property].
- (4) Shri T. M. K. P. Mohamed Gani, S/o T. M. K. Peer Mohamed, Mohamed Naina Pallivasal Keezha Theru, Petti, Tirunelveli.
[Person whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 286 sq. ft. with buildings thereon at T.S. No. 1099/3 (part) T.S. 1100/1B2 (part) & No. 1096/4 (part) (Shop Nos. 34 and 34A) Sindupundurai, Tirunelveli.

G. RAMANATHAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-1, Madras-6

Date : 22-11-1975
Seal :

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
MADRAS-6

Madras-6, the 19th November 1975

Ref. No. F. 2462/75-76.—Whereas, I, G. V. Jhabakh, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 9/36, situated at Sivasamy Road, Ramnagar, Coimbatore (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at JSR III, Coimbatore (Doc. No. 1900/75) on 13-5-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri G. N. Ratnaswami,
S/o Shri Narayana Iyer,
Type IV, Door No. 27, H.P.F. Colony,
Indu Nagar P.O., Ootacamund (The Nilgiris).
(Transferor)
- (2) Smt. S. Meenakshi Ammal,
W/o Shri Sodalimuthu,
No. 9/36, Sivasamy Road,
Ramnagar, Coimbatore.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons which ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 28 cents (with building) situated at Door No. 9/36, Sivasamy Road, Ramnagar, Coimbatore (New T.S. No. 9/573).

G. V. JHABAKH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-6

Date : 19-11-1975

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
MADRAS-6

Madras-6, the 19th November 1975

Ref. No. 2496/75-76.—Whereas, I, G. V. Jhabakh, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Site No. 11, situated at Cross Cut Road, Coimbatore (T.S. No. 9/7/2) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at JSR III, Coimbatore (Doc. No. 2038/75) on 23-5-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri R. Lakshmanan,
S/o Shri Rangaswamy,
78, Tatabad 11th Street,
Coimbatore-12.

(Transferor)

(2) Shri M. Vaman,
S/o Shri Veerappa Nayak,
9/24, Senguptha Street, Ramnagar, Coimbatore-9.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 7 cents and 351 Sft. (with building) situated at Site No. 11, Cross Cut Road, Coimbatore (T.S. No. 9/7/2).

G. V. JHABAKH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Madras-6

Date : 19-11-1975
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
MADRAS-6

Madras-6, the 24th November 1975

Ref. No. 1844/75-76.—Whereas, I, G. V. Jhabakh, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 2/144 Mount Road, situated at Madras-6 (Ground, Ground floor and First floor) (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at T. Nagar, Madras (Doc. No. 1117/75) on 19-3-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri H. Gulam Mohamed;
Shri Mohamed Hussan,
Smt. Jameela Begum,
No. 3, Bishop Lane, Madras-7.

(Transferor)

(2) Shri P. P. Musthafa,
Shri M. P. Purshothaman,
No. 2/144, Mount Road,
Madras-6.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Ground, Ground Floor and First Floor bearing Door No. 2/144, Mount Road, Madras-6.

G. V. JHABAKH,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-6

Date : 24-11-1975

Seal :

FORM ITNS—

(1) Smt. Shyamkunwari Widow Sri Tikam Singh, R/o Tapakhurd, Par. & Teh. Firozabad, Distt. Agra.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 12th November 1975

Ref. No. 71/Acq./Firozabad/75-76/1936.—Whereas, I, F. J. Bahadur being the Competent Authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per schedule situated at As per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Firozabad on 6-3-75

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(2) 1. Shri Tilak Singh, 2. Mulayam Singh, 3. Ajaipal Singh, all sons of Tursi Ram, 4. Lal Singh s/o Nathoo Singh, 5. Megh Singh s/o Bhole Singh, and 6. Banwari Lal, 7. Sukhpal, Sons of Harikishan, R/o Nagladuwari, Vill. & Post Bhadana, Teh. Jasrana, Distt. Mainpuri.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein, as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act', shall have the same meaning is given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immoveable property consisting of land 268 Rakva III 3, 270, 4113, 277, 2113, 283, 11113, 304, 611, 337 & B, 11, 373, 1112, 380A, 1, 375, 3, 1, 574, 1112, 589 & B, 114, 372 & 12 303, 1+2, 589, 1, 2 situated at Vill. Tapa Khurd, Teh. Firozabad transferred for an apparent consideration of Rs. 80,000/-.

F. J. BAHADUR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Kanpur

Date : 12th Nov. 1975.

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Ravindra Kumar Khanna S/o Sri Madan Lal Khanna, R/o 28, Rajpur Road, Dehradun.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) 1. Sri Sardari Lal Oberoi S/o Sri Jiwan Singh, and
2. Sri Rakesh Kumar Oberoi, and 3. Amrish Kumar Oberoi, sons of Sri Sardari Lal Oberoi R/o 2A, Race Course Road, Dehradun.
(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER
OF INCOMETAX, ACQUISITION RANGE, KANPUR.

Kanpur, the 12th November 1975

Ref. No. 198/Acq/D. Dun/74-75/1937.—Whereas, I, F. J. Bahadur being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at As per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Dehra Dun on 1-4-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immoveable property comprised in Khasra Plot Nos, 425 area 0.39 acre, 426 area 0.76 acre, 428 area 0.49 acre, 430 area 0.69 acre, 431 area 0.42 acre, 432 area 0.30 acre, 433 area 0.48 acre, 434 area 0.43 acre, 435 area 0.70 acre, 436 area 0.32 acre, total measuring 4.98 acres situated in Vill. Harrawala, Paragana Parwa, Distt. Dehradun transferred for an apparent consideration of Rs. 52,425/-.

F. J. BAHADUR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date : 12th Nov. 1975.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE
INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIST. COMMISSIONER
OF INCOMETAX, ACQUISITION RANGE, KANPUR.

Kanpur, the 7th November 1975

Ref. No. 284/Acq/Kanpur/1938.—Whereas, I, F. J. Bahadur being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per schedule situated at As per schedule (and more fully described in the Schedule annexed here to) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kanpur on 2-4-75

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby, initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Said Act, to the following persons namely :—

- (1) Shri Devi Das Kapoor, Manager, Jeetmal Kapoor Trust, R/o Gaya Pd. Lane, Kanpur,
 2. Shri Madho Ram Batham S/o Sri Karta Ram R/o 133/38, Juhi, Kanpur.
 3. Shri Raja Ram S/o Shri Karta Ram R/o 133/39, Juhi, Kanpur.
- (Transferor)

- (2) 1. Shri Ram Lubhaya Arora S/o Sri Sobha Ram, and
 2. Shri Ramesh Chandra S/o Sri Ram Lubhaya Arora, R/o 111A/102, Ashok Nagar, Kanpur.
- (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immoveable property consisting of Plot No. 9 of Plot No. 64, Block 'O' situated at Govindnagar, Kanpur transferred for an apparent consideration of Rs. 36,205/-.

F. J. BAHADUR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date : 7th Nov. 1975.
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOMETAX ACQUISITION RANGE, KANPUR.

Kanpur, the 7th November 1975

Ref. No. 285/Acq/Kanpur/1339.—Whereas, I, F. J. Bahadur being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per schedule situated at As per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Kanpur 2-4-75

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) 1. Shri Jeetmal Kapoor Trust Through Devi Das Kapoor R/o 45/62, Gaya Pd. Lane, Kanpur.
2. Madho Ram Batham S/o Karta Ram R/o 133/38, Jubi, Kanpur.
3. Raja Ram Batham S/o Karta Ram R/o 133/39, Jubi Kanpur.

(Transferor)

- (2) Km. Savitri Devi Gupta, 2. Km. Sita Devi Gupta, 3. Km. Vinita Devi Gupta, U/g of Sri Satish Chandra Gupta, and 4. Satish Chandra Gupta S/o Devi Pd. Gupta, R/o 49/48, Naughara, Kanpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immoveable property consisting of plot No. 4, of plot No. 64 Block 'O' Scheme I, situated at Govind Nagar, Kanpur, transferred for an apparent consideration of Rs. 24,000/-.

F. J. BAHADUR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of,
Income-Tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date : 7th Nov. 1975.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOMETAX. ACQUISITION RANGE. KANPUR.

Kanpur, the 6th November 1975

Ref. No. 286/Acq/Kanpur/1340.—Whereas, I, F. J. Bahadur being the competent authority under section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at As per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kanpur on 2-4-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

23—366 GI/75

- (1) 1. Shri Jeetmal Kapoor Trust Through Devi Das Kapoor Manager 45/62 Gaya Pd. Lane, Kanpur.
2. Madho Ram Batham S/o Karta Ram R/o 133/38, Juhi, Kanpur.
3. Raja Ram Batham S/o Karta Ram R/o 133/39, Juhi Kanpur.
(Transferor)

- (2) 1. Shajlesh Chandra Gupta S/o Sri Devi Pd. Gupta.
2. Prem Chandra Gupta S/o Sri Devi Pd. Gupta, R/o 49/18 Naughara, Kanpur.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice to the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used here in as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immoveable property consisting of plot No. 3 of Plot No. 64, Block 'O', Scheme I, situated at Govind Nagar, Kanpur transferred for an apparent consideration of Rs. 24,000/-.

F. J. BAHADUR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date : 6th November 1975.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
(TAX ACT, 1961 (43 OF 1961))

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 6th November 1975

Ref. No. 288/Acq/Kanpur/1342.—Whereas, I, F. J. Bahadur being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. C-22/8A, No. As per schedule situated at As per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kanpur on 4-4-75 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Shri Jeetmal Kapoor Trust Through Devi Das Kapoor R/o Gaya Pd. Lane, Kanpur.
2. Sri Madho Ram Batham S/o Sri Karta Ram 133/38, Juhi, Kanpur.
3. Sri Raja Ram Batham S/o Sri Karta Ram 133/39, Juhi Kanpur.
(Transferor)

- (2) 1. Sri Ramesh Chand, 2. Sri Ram Chand, 3. Sri Rejesh Kumar (Minors) U/g of Krishna Chand Gupta R/o 49/106, Badshahi Naka, Kanpur.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immoveable property consisting of sub-plot No. I, of plot No. 64, situated at Govind Nagar, Kanpur, transferred for an apparent consideration of Rs. 34,534/-.

F. J. BAHADUR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date : 6th November 1975.
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 7th November 1975

Ref. No. 287/Acq/Kanpur/1341.—Whereas, I. F. J. Bahadur

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per schedule situated at As per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Kanpur on 2-4-75

for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) 1. Shri Jeetmal Kapoor Trust Through Devi Das Kapoor R/o Gaya Pd. Lane, Kanpur.
2. Madho Ram Batham S/o Karta Ram R/o 133/38, Juhi, Kanpur.
3. Raja Ram Batham S/o Karta Ram R/o 133/39, Juhi Kanpur.

(Transferor)

- (2) 1. Shri Shrish Chandra Gupta S/o Sri Devi Pd. Gupta, and
2. Smt. Maya Devi Gupta D/o Sri Devi Pd. Gupta R/o 49/18, Naughara, Kanpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immoveable property consisting of sub-plot No. 2 of plot No. 64, situated at Govind Nagar, Kanpur transferred for an apparent consideration of Rs. 24,000/-.

F. J. BAHADUR

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date : 7th Nov. 1975.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE II

4-A/14, Asaf Ali Road, 3rd Floor, New Delhi

New Delhi, the 3rd December 1975

Ref. No. IAC/Acq. II/1869(952)/75-76.—Whereas, I, S. N. L. Agarwala, being the Competent Authority under section 269B of the Income-Tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 89-A situated at Kamla Nagar, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 28-3-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Smt Gendi Devi Bindawala w/o Shri Tara Chand Bindawala r/o 6, Hans Pukar First Lane, Calcutta-7 through her special attorney Shri Sohan Lal Sharma s/o Banarshi Dass Sharma, r/o 3948, Naya Bazar, Delhi-6.
(Transferor)
- (2) Shri Amar Nath and 2. Gordhan Dass s/o Lala Bishamber Dayal r/o 4064, Naya Bazar, Delhi.
(Transferee)
- (3) Shri Jagdish Prasad 2. Shri Jamna Dass 3. Shri Sat Narian 4. Shri Banarsi Dass 89-A, Kamla Nagar, Delhi.
(Person(s) in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The entire property bearing No. 89A, Kamla Nagar, Subzi Mandi, Delhi with the entire super-structure standing on the land measuring 371 sq. yds with all rights, title, interest, privileges, easement options together with all the fittings and fixtures and other rights and bounded as under :—

North : Road	East : Road
South : Road	West : House No. 88A.

S. N. L. Agarwala
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,
Acquisition Range II, New Delhi

Date : 3rd December, 1975

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, II, NEW DELHI

New Delhi, the 3rd December 1975

Ref. No. IAC/Acq. II/301(953)/75-76.—Whereas I, S. N. L. Agarwala, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 6 Block No. 14 situated at Krishan Nagar, Illaqa Shahdara, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 25/3/1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Joginder Pal s/o Shri Beli Ram Handa r/o B-1-657, Kundanpuri, Ludhiana. (Punjab).
(Transferor)
- (2) Smt. Uma Rani w/o Shri Om Parkash Handa, r/o B-14/6, Krishan Nagar, Delhi-51.
(Transferee)
- (3) Shri Om Parkash Handa r/o B-14/6, Krishan Nagar Delhi.
(Person(s) in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1½ storeyed house constructed on a plot of land measuring 245½ sq. yds situated at plot No. 6 Block B-14 part of Khasra No. 516/482 in the approved colony known as Krishan Nagar, Village Gandhi Illaqa Shahdara, Delhi 51 bounded as under :

North : Plot B-13/6 Built	East : Plot No. B-14/5 Built
South : Road	West : B-14/7

S. N. L. Agarwala
Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range II, New Delhi

Date : 3rd December, 1975
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Ratilal Meghji Shah, 34, Tukaram Jawaji Road, Grant Road, Bombay-7.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) 1. Smt. Pawan Rajendra Jain 2. Smt. Hemlata Raj Bhushan Jain, 1, Govind Kuhi, Nehru Road, Mulund—Bombay-80.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, 60/61,
ERANDAWANA, KARVE ROAD, POONA-411004(3) 1. Asvinkumar Devraj, 2. Keshavjee Govindjee, 3. Jai Mal Hazarimal, 4. Ramesh Kumar Gandhi, 5. Babulal Purshotam, 6. Vilas Balkrishna Verhe, 7. Mismal Bhikamchand 8. Ambika Tea Bhandar 9. Nirmalaben K. Shah 10. Chanderkant Javerchand 11. Dhirajlal Jivraj Outka, 12. Jayantibhai, 13. Keshavji Virpal, 14. Nemchand Khetshi 15: A. D. Galya 16. Ramjee Velji Lala—all At S. No. 43, Plot No. 2, Mouje Kamatghar, Bhiwandi, Thana Road.
(Person in occupation of the Property)

Poona-411004, the 22nd November 1975

Ref. No. C.A.5/Bombay(Bhiwandi)/June '75/256/75-76.—
Whereas, I H. S. Aulakh,
being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S. No. 43/7, Plot No. 2, situated at Mouje Kamatghar, Bhiwandi (Thana) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 19-6-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons which ever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property bearing S. No. 43/7 plot No. 2, Registration Sub District Bhiwandi, at Mouje Kamatghar, Bhiwandi Thana Road, Bhiwandi.

Freehold—

Area : 1337.76 sq. mtrs. Ground floor...222 Sq. yds.
Approx. first floor ..177 Sq. Yds."

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferor for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

H. S. Aulakh

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range, Poona

Date : 22-11-1975

Seal :

FORM ITNS ———

(1) Shri Raju Sidhu Shetty

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Chembur Roopkala Co. op. Housing Soc. Ltd.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE VSmt. Kamladevi Gauri Dutt Mittal Punarvasu Ayurvedic
Hospital Bldg., Netaji Subhash Road, Bombay-2,

Bombay-2, the 24th November 1975

Ref. No. AR. V/318/27/75-76-27.—Whereas, I J. M. Mehra, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 25, sector No. 4 S. No. 320 situated at Chembur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 4-4-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece or parcel of land or ground situate lying and being at Chembur, Greater Bombay, in Bombay Suburban District in the Registration sub-district of Bandra and now Registration Sub-District and District Bombay City and Suburban being plot No. 25 in sector No. 4 admeasuring 752.52 sq. metres (900 sq. yards) being a portion of the land bearing S. No. 320 and bounded as follows that is to say, on or towards the East by 44 feet proposed Municipal Road between sector Nos. 3 and 4 on or towards the West by 44 feet proposed Municipal Road between sector Nos. 1, and 4 on or towards the North by 44 feet proposed Municipal Road and on or towards the south by plot Nos. 36 and 35 in sector No. 4 and property bearing C.T.S. No. 661/C I.

J. M. Mehra
Competent Authority,
Inspecting Assistant
Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-V, Bombay.

Date : 24-11-75

Seal :

FORM ITNS—

(1) Sri Nawab Bohajath Jah Bahadur, R/o 3-5-141/2/7 at Eden Bagh, Hyderabad, (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri Nawab Imdad Jah Bahadur, R/o 3-5-121/F/1 at Eden Bagh, Hyderabad.

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 1st December 1975

Ref. No. RCA. No. 174/75-76:—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Portion-No. 3-5-141/2/7 situated at Eden Garden, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Hyderabad on 8-4-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in

the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'said Act' the following persons, namely:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the 'said Act,' shall have the same meaning as given in that Gazette.

THE SCHEDULE

Property : Portion of House No. 3-5-141/2/7, at Eden Garden, King Kothi, Hyderabad. Area : 200 Sq. Yds.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 1-12-75
Seal:

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 28th November 1975

Ref No. RAC. No. 171/75-76.—I, K. S. VENKATARAMAN,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,00/- and bearing No. 4-5-8 to 10 situated at Lalaguda Bazar, Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed here to), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Secunderabad on 3-4-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act,' in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :—

24-366G1/75

- (1) 1. Smt. E. Pochamma, 2. Mamidi Naniamma, W/o Chenniah, 3. Eraswami S/o Latchmiah, 4. Madhu Sudhan S/o Latchmiah, 5. Phalguna S/o Chenniah, 6. M. Chenniah S/o Late Mr. Raniah, All residing at H. No. 2058 at Lalaguda, Bazar, Secunderabad.
(Transferor)

- (2) Sri D. J. Parekh S/o late Mr. J. D. Parekh, R/o M. No. 6-at Jeera, Secunderabad.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within the period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property : Building M. No. 2058 (Now No. 4-5-8 to 10) at Lalaguda Bazar, Secunderabad, Area : 388 Sq. Mts.

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-Tax
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 28-11-1975

Seal :

FORM ITNS

(1) M/s Hindustan Builders, its partner Sri Hari Kishen,
R/o Basheerbagh, Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD.

Hyderabad, the 29th November 1975

Ref. No. RAC. No. 172/75-76.—Whereas, I, K. S. VEN-
KATARAMAN,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Shop No. 11 of Unity House, situated at Abid Road, Hyd. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 or 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 2-4-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act' or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act,' to the following persons, namely :—

(2) 1. Smt. Geeta Bai, W/o Sri Jagdishpershad, 2. Smt. Kasushalya Bai, W/o Sri Dharamchand 3. Smt. Gayatri Bai, W/o Sri Bajrang Pershad, 4. Smt. Nand Dulari Bai, W/o Sri Kailash Pershad, All residing at one place M. No. 21-2-522 at Charkaman, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the 'said Act,' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property : Shop No. 1 on the ground floor, of Unity House, at Abid Road, Hyderabad. Area: 242, Sq. Feet.

K. S. VENKATARAMAN

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,

Acquisition Range, Hyderabad

Date: 29-11-1975

Seal :

FORM ITNS

(1) M/s Hindustan Builders, its partner Sri Hari Kishen,
R/o Basheerbagh, Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Smt. Krishna Devi Agarwal, H. No. 21-3-710 at
Chelapura, Hyderabad.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 29th November 1975

Ref No. RAC. No. 173/75-76.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Shop No. 4 of Unity House, at Abid Road, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 26-4-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act,' in respect of any Income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely:

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the 'said Act,' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property : Shop No. 4 on the ground floor of Unity House at Abid Road, Hyderabad. Area: 242 Sq. Feet.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 29-11-1975.
Seal :

FORM ITNS—

(1) M/s. S. N. Umashankar, S. N. Pranatharthiharan
& S. N. Seshadri, 174, Second Agrharam, Salem-1.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Murugesan, S/o. Shri M. Kuppuswamy, Thirumalaigiri village, Namakkal,
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6

Madras-6, the 26th November 1975

Ref. No. XVI/12/75/75-76.—Whereas, I. G. RAMANATHAN being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 310/2C & 310/2B situated at Thirumalaigiri village, Namakkal and more fully described in the Schedule annexed hereto, has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Namakkal (Doc. No. 392/75) on 23-6-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the 'said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural lands measuring 3 acres and 67½ cents in Survey Nos 310/2C (3 acres and 60 cents) and 310/2B (7½ cents), Thirumalaigiri village, Salem District.

G. RAMANATHAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-6.

Date : 6-11-1975
Seal:

FORM ITNS—

(1) Soundararaja Mills (P) Ltd., Soundararaja Mills Road, Dindigul-624 006. (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

(2) Shri N. Soundararajan & Minor S. Ranjit, "Lakshmi-Soundra", G.T.N. Naidu Salai, Dindigul-624 004, (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6

Madras-6, the 27th November 1975

Ref. No. VI/13/5/75-76.—Whereas, I, G. RAMANATHAN, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 39/A-7

situated at Balakrishnapuram, G.T.N. Naidu Salai, Dindigul-4 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nagalnayammaknpatti, Dindigul (Doc. No. 754/75) on 25-4-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act,' in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act,' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act,' to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act,' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Superstructures known as "Lakshmi-Soundara" built in Survey No. 39/A7, G.T.N. Naidu Salai, Balakrishnapuram Village, Dindigul.

G. RAMANATHAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-6.

Date: 27-11-1975
Seal:

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE-I,
MADRAS-6

Madras-6, the 27th November 1975

Ref No. XIX/1/29/75-76.—Whereas, I, G. RAMANATHAN

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

38 & 38A, situated at T.M.G. Building, Sindupundur, Tirunelveli

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Tirunelveli (Doc. No. 1790/75) on 20-5-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act,' in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act,' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act,' to the following persons, namely:—

(1) Shri T.M.G. Mohamed Abdul Rahim Rowther, S/o T.H. Mohamed Gani Rowther Mohamed Naina Pallivasal East Street, Pettai, Tirunelveli.

(Transferor)

(2) Smt. T. P. Mymoon Beevi, W/o T.M.G. Mohamed Samsudeen Rowther, Mohamed Naina Pallivasal East Street, Pettai.

(Transferee)

(3) M/s Bala Ganesan Co., M/s. Arasan Brick Works (Persons in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act,' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 381 sq. ft. with buildings thereon at T.S. Nos. 1099/3 (part), 1096/4 (part) and 1100/1B2 (part)—Shop Nos. 38 & 38A, Sindupundur, Tirunelveli.

G. RAMANATHAN,
Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-6.

Date: 27-11-1975
Seal:

FORM ITNS

(1) Shri Saran Prasad S/o Shri Beni Prasad 14-A, Teg Bahadur, Road Dehradun.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Shri M. R. Trikha S/o Late Sri Durga Dass Trikha
R/o 2223, Kishan Nagar, Gurukul Kangri, Kankhal,
Distt. Saharanpur.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE,
KANPUR

Kanpur, the 24th November 1975

Ref. No. 200/Acq./D.Dun/74-75/2028.—Whereas, I, F. J. BAHADUR

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at As per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dehra Dun on 5-4-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated

in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under, the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property bearing No. 14-A, Teg Bahadur Road, Dehradun, transferred for an apparent consideration of Rs. 90,000/-.

F. J. BAHADUR,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 24-11-1975,
Seal :

FORM ITNS ———

(2) Shri H. C. Mehta S/o Shri M. D. Mehta, Presently
Cross, B. Hutchins Road, Bangalore
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri H. C. Mehta S/o Shri M. D. Mehta, Presently
posted as Senior Divisional Manager, Life Insurance
Corp. of India, Ajmer.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Objections, if any, to the acquisition of the said pro-
perty may be made in writing to the undersigned—

Kanpur, the 24th November 1975

Ref No. 78/Acq./D.Dun/75-76/2029.—Whereas, I, F. J. BAHADUR

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per schedule, situated at As per schedule

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dehradun on 18-4-75

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the

apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the

parties has not been truly in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act,' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act,' in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

Immovable property consisting of all that piece and parcel of land bearing Khasra Plot No. 606 min (Now 602/2) measuring .91 acre on which four rooms, two bath rooms, a small back room and kitchen are built with electric and other fittings and a water pump, situated at Bell Road in Village Bharuwala, Clement Town, Dehradun transferred for an apparent consideration of Rs. 50,000/-.

F. J. BAHADUR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act,' to the following persons namely :—

Date : 24-11-75,
Seal ;

FORM ITNS—

(1) Srimati G. P. Sherry W/o Sri R. N. Sherry, R/o
100/88-89, Prem Nagar, Dayalbagh, Agra.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 25th November 1975

Ref. No. 122/Acq./D.Dun/75-76/2030.—Whereas, I, F. J.
BAHADUR

being the competent authority

under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)
(hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to be-
lieve that the immovable property having a fair market value
exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per schedule
situated at As per schedule

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has
been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the
Registering Officer at

Dehradun on 22-4-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market
value of the aforesaid property and I have reason to believe that
the fair market value of the property as aforesaid exceeds the
apparent consideration therefor by more than fifteen per cent
of such apparent consideration and that the consideration
for such transfer as agreed to between the parties has not
been truly stated in the said instrument of transfer with the
object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the 'said Act,'
in respect of any income arising from the trans-
fer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or
any moneys or other assets which have not
been or which ought to be disclosed by the
transferee for the purposes of the Indian
Income-tax 1922 (11 of 1922) or the 'said Act'
or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said
Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the follow-
ing persons, namely :—

25--366 GI/75

(2) (1) Shri T. Ramabhadran, ICS, S/o Late Sri
T. V. Charya, Retd. Judge, Allahabad High
Court,

(2) Mrs. M. Ramabhadran W/o Mr. Justice T.
Ramabhadran, both R/o 4, New Cantonment
Road, Dehradun.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said
immovable property within 45 days from the
date of the publication of this notice in the Official
Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are
defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

THE SCHEDULE

Immoveable property bearing No. 3/14-B, Tegh Bahadur
Road, Dehradun transferred for an apparent consideration of
Rs. 90,000/-.

F. J. BAHADUR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 25-11-75.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Shyam Sunder Raina S/o Shri S. R. Raina, and
2. Smt. Kamla Raina W/o Shri S. S. Raina, R/o
153-B, Rajpur Road, Dehradun.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Bikram Singh Dhillon s/o Shri Mehar Singh
R/o 28, Modelgram, Ludhiana.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 22nd November 1975

Ref. No. 204/Acq/D.Dun/74-75/2031.—Whereas, I, F. J. BAHADUR

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per schedule situated at As per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dehradun on 18-4-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property bearing Municipal No. 153-B, Rajpur Road, Dehradun with covered area of 7372 sft. and open land of 43750 sft. transferred for an apparent consideration of Rs. 2,80,000/-.

F. J. BAHADUR,

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range, Kanpur.

Date : 22nd Nov. 1975.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Manmatha Nath Mukherjee, 31 Motilal Nehru Road, Calcutta.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Uttara Co-operative Housing Society Ltd., 12/2, Palm Avenue, Calcutta.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE-III,
54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD, CALCUTTA-16

(3) 1. Sk. Sahajan.
2. Sri Kartick Rajak.
3. Sk. Nasiruddin.
4. Sk. Kamaluddin.
5. Dey's Stone Prop., Tripty.
6. Sri Ram Chandra Saha.
7. Sri Manik Lal Karmokar.
8. Sri Surya Narayan Ghosh.

(Person in occupation of the property)

Calcutta, the 26th November 1975

Ref. No. 299/Acq.R-III/75-76/Cal/ .—Whereas, I, L. K. Balasubramanian, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 13, situated at Broad Street, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 18-4-75 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

Undivided 1/4th share in all the piece and parcel of land measuring 1 bigha 10 cottahs 6 chittacks more or less together with structures standing thereon at 13, Broad Street, Calcutta as per deed No. 2227 of 1975 registered before the Registrar of Assurances, Calcutta.

L. K. BALASUBRAMANIAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-III,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely :—

Date : 26-11-75

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-III,

54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD, CALCUTTA-16

Calcutta, the 26th November 1975

Ref. No. 300/Acq. R-III/75-76/Cal/ .—Whereas, I, L. K. Balasubramanian, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 13, situated at Broad Street, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 18-4-75

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and than the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act,' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely :—

- (1) Shri Sourendra Nath Mukherjee, 31, Motilal Nehru Road, Calcutta.
(Transferor)
- (2) M/s. Uttara Cooperative Housing Society Ltd., 12/2, Palm Avenue, Calcutta.
(Transferee)
- (3) 1. Sk. Sahajan.
2. Sri Kartick Rajak.
3. Sk. Nasiruddin.
4. Sk. Kamaluddin.
5. Dey's Stone Prop., Tripty.
6. Sri Ram Chandra Saha.
7. Sri Manik Lal Karmokar.
8. Sri Surya Narayan Ghosh.
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Undivided 1/4th share in all the piece and parcel of land measuring 1 bigha 10 cottahs 6 chittacs more or less together with structures standing thereon at 13 Broad Street, Calcutta as per deed No. 3225 of 1975 registered before the Registrar Assurances, Calcutta.

L. K. BALASUBRAMANIAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Date : 26-11-75
Seal :

FORM ITNS—

(1) Ashim Kumar Mukherjee, 31, Motilal Nehru Road, Calcutta.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Uttara Cooperative Housing Society Ltd., 12/2, Palm Avenue, Calcutta.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-III,
54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD, CALCUTTA-16

- (3) 1. Sk. Sahajan.
2. Sri Kartick Rajak.
3. Sk. Nasiruddin.
4. Sk. Kamaluddin.
5. Dey's Stone Prop., Triply.
6. Sri Ram Chandra Saha.
7. Sri Manik Lal Karmokar.
8. Sri Surya Narayan Ghosh.

(Person in occupation of the property)

Calcutta, the 26th November 1975

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Ref. No. 301/Acq. R-III/75-76/Cal/ —Whereas, I, L. K. Balasubramanian, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

13, situated at Broad Street, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 18-4-75

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Undivided 1/4th share in all the piece and parcel of land measuring 1 bigha 10 cottahs 6 chittacs more or less together with structures standing thereon at 13 Broad Street, Calcutta as per deed No. 2223 of 1975 registered before the Registrar of Assurances, Calcutta.

L. K. BALASUBRAMANIAN
Competent Authority

Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Date : 26-11-75

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Balaram Mukherjee, 31, Motilal Nehru Road, Calcutta,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Uttara Cooperative Housing Society Ltd., 12/2, Palm Avenue, Calcutta,

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-III,

54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD, CALCUTTA-16

Calcutta, the 26th November 1975

- (3) 1. Sk. Sahajan.
2. Sri Kartick Rajak.
3. Sk. Nasiruddin.
4. Sk. Kamaluddin.
5. Dey's Stone Prop., Tripty.
6. Sri Ram Chandra Saha.
7. Sri Manik Lal Karmokar.
8. Sri Surya Narayan Ghosh.

(Person in occupation of the property)

Ref. No. 302/Acq. R-III/75-76/Cal/ .—Whereas, I. L. K. Balasubramanian, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 13, situated at Broad Street, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 18-4-75

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Undivided 1/4th share in all the piece and parcel of land measuring 1 bigha 10 contas 6 chittacks more or less together with structures standing thereon at 13 Broad Street, Calcutta as per deed No. 2221 of 1975 registered before the Registrar of Assurances, Calcutta.

L. K. BALASUBRAMANIAN

Competent Authority

Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range-III,

54, Rafi Ahmad Kidwai Road, Calcutta-16.

Date : 26-11-75

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Pestonji Cursetji Boyce,
3934, Kali Ambrai,
Belgaum.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Chandulal Maganlal Doshi,
C/o Peoples Automobiles,
Fort Road, Belgaum.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, DHARWAR

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Dharwar, the 20th November 1975

No. 86/75.76/ACQ—Whereas, I, P. Satyanarayana Rao, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Dharwar being the competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 6, situated at Belgaum within the limits of Belgaum Municipality (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of at Belgaum, under document No. 4429 on 10-3-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act,' in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth-Act, 1957 (27 of 1957).

Plot No. 6 In R.S. No. 960A/2A Situated at Belgaum within Municipal Limits.

P. SATYANARAYANA RAO,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Dharwar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'said Act', to the following persons namely :—

Date : 20-11-1975
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Pestonji Gursetji Boyce,
3934, Kali Ambrai,
Belgaum.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shrimati Chandrakala Bhimgouda Patil,
Belgaum.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, DHARWAR

Dharwar, the 20th November 1975

No. 87/75.76/ACQ—Whereas, I. P. Satyanarayana Rao, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Dharwar being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 1 situated at Belgaum within Municipal Limits (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering at Belgaum under Document No. 4431 on 12-3-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act,' in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section ((1 of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely :

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this Notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 1 in R. S. No. 960 A/2A situated at Belgaum within Municipal Limits.

P. SATYANARAYANA, RAO
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Dharwar

Date : 20-11-1975
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Pestonji Cursetji Boyce,
3934, Kali Ambrai,
Belgaum.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, DHARWAR

(2) Shri B. G. Javali,
Asst. Commercial Tax Officer,
Karwar.

(Transferee)

Dharwar, the 20th November 1975

No. 88/75.76/ACQ—Whereas, I, P. Satyanarayana Rao,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Dharwar

being the competent authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
Plot No. 2, situated at Belgaum within Municipal Limits
(and more fully described in the Schedule
annexed hereto), has been transferred
under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
Belgaum under Document No. 4430 on 13-3-1975
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the 'said Act' in
respect of any income arising from the transfer; and/
or
- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said
Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section
(1) of section 269D of the 'said Act', to the following
persons, namely :—

26—366GI/75

Objections if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons, which-
ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. In R. S. No. 960 A/2A situated at Belgaum with-
in Municipal Limits.

P. SATYANARAYANA, RAO
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Dharwar

Date 20-11-1975

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 2nd December 1975

Ref. No. ASR/202/75-76.—Whereas, I, V. R. SAGAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Land, situated at V. Khirawali, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kapurthala in March 1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely :—

(1) S/Shri Raghbir Singh and Narinder Singh
ss/o Shri Kehar Singh,
R/o Moga District Faridkot.

(Transferor)

(2) Smt. Bhupinder Kaur d/o
Shri Balbir Singh Randhwa, Retired DC,
Kothi No. 564, Sector 8-B, Chandigarh.

(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above and tenant(s), if any.
[Person whom the undersigned knows to be inter-

(4) Any person interested in the property.
[Person whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 3013 of March, 1975 of the Registering Authority, Kapurthala.

V. R. SAGAR,
Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Amritsar.

Date : 2-12-1975.

Seal :

FORM ITNS—

(1) S/Shri Raghbir Singh and Narinder Singh
Ss/o Shri Kehar Singh,
R/o Moga District Faridkot.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
AMRITSAR.

Amritsar, the 2nd December 1975

Ref. No. KPL/203/75-76.—Whereas, I, V. R. SAGAR, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Land, situated at V. Khirawali, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Kapurthala in March 1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act,' to the following persons, namely :—

(2) Smt. Nimi d/o
Shri Balbir Singh Randhwa, Retired D.C.
Kothi No] 564, Sector 8-B,
Chandigarh.

(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above and tenant(s), if any,
[Person in occupation of the property]

(4) Any person interested in the property.
[Person whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 3014 of March, 1975 of the Registering Authority, Kapurthala.

V. R. SAGAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Amritsar.

Date : 2-12-1975.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 2nd December 1975

Ref. No. KPL/204/75-76.—Whereas, I, V. R. SAGAR, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Land, situated at V. Khirawali, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kapurthala in March 1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act,' in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely :—

- (1) S/Shri Raghbir Singh and Narinder Singh
Ss/o Shri Kehar Singh,
R/o Moga District Faridkot.
(Transferor)
- (2) Smt. Satya Jain W/o Shri Vijay Kumar R/o
Sarafa Bazar, Kapurthala.
(Transferee)
- (3) As at S. No. 2 above and tenant(s), if any.
[Person in occupation of the property]
- (4) Any person interested in the property.
[Person whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 3016 of March, 1975 of the Registering Authority, Kapurthala.

V. R. SAGAR,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Amritsar.

Date : 2-12-1975.
Seal :

FORM ITNS—

(1) S/Shri Raghbir Singh and Narinder Singh
Ss/o Shri Kehar Singh,
R/o Moga District Faridkot.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1), OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Jasmer Kaur Wd/o Shri Naginder Singh r/o
Dharamkot. District Ferozepur.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
AMRITSAR.

(3) As at S. No. 2 above and tenant(s), if any.
[Person in occupation of the property].

(4) Any person interested in the property.
[Person whom the undersigned knows to be inter-
ested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

Amritsar, the 2nd December 1975

Ref. No. KPL/205/75-76.—Whereas, I, V. R. SAGAR, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land, situated at V. Khirawali, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kapurthala in March 1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act,' in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 3015 of March, 1975 of the Registering Authority, Kapurthala.

V. R. SAGAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Amritsar.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely :—

Date : 2-12-1975.

Seal :

FORM ITNS ———

(1) S/Shri Raghbir Singh and Narinder Singh
Ss/o Shri Kehar Singh,
R/o Moga District Faridkot.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Kuldip Singh
S/o Shri Narinder Singh,
r/o Dharamkot, District Ferozepur.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) As at S. No. 2 above and tenant(s), if any.
[Person in occupation of the property].

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

(4) Any person interested in the property.
[Person whom the undersigned knows to be interested in the property].

Amritsar, the 2nd December 1975

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

Ref. No. KPL/206/75-76.—Whereas, I, V. R. SAGAR, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Land, situated at V. Khirawali, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kapurthala in March 1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective reasons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 3012 of March, 1975 of the Registering Authority, Kapurthala.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely :—

V. R. SAGAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Amritsar.

Date : 2-12-1975.

Seal :

FORM ITNS—

(1) S/Shri Raghbir Singh and Narinder Singh
Ss/o Shri Kehar Singh,
R/o Moga District Faridkot.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Narinder Kaur d/o
Shri Balbir Singh Randhwa, Retired D.C.,
Kothi No. 654, Sector 8-B,
Chandigarh.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

(3) As at S. No. 2 above and tenant(s), if any.
[Person in occupation of the property].

(4) Any person interested in the property.
[Person whom the undersigned knows to be inter-
ested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said pro-
perty may be made in writing to the undersigned :—

Amritsar, the 2nd December 1975

Ref. No. KPL/207/75-76.—Whereas, I. V. R. SAGAR,
being the competent authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing No.
Land, situated at V. Khirawali,
(and more fully described in the Schedule annexed here-
to), has been transferred under
the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the
Registering Officer at
Kapurthala in March 1975
for an apparent consideration which is less than the
fair market value of the aforesaid property and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said
instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the 'said
Act', shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the 'said Act', in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 3011 of
March, 1975 of the Registering Authority, Kapurthala.

(b) facilitating the concealment of any income or
any moneys or other assets which have not
been or which ought to be disclosed by the
transferee for the purposes of the Indian
Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said
Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

V. R. SAGAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Amritsar.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said
Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section
section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the follow-
ing persons, namely :—

Date : 2-12-1975.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR.

Amritsar, the 29th November 1975

Ref. No. ASR/194/75-76.—Whereas, I, V. R. SAGAR, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1/2 Property, situated at Kt. Sher Singh, Amritsar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amritsar in April, 1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely :—

(1) Smt. Karam Devi Wd/o Shri Lachhman Singh r/o 43, Mall Road, Amritsar through Shri Gulzar Singh and Smt. Kamla Kumari, w/o Shri Brij Kumar r/o R. B. Parkash Chand Road, Amritsar. (Transferor)

(2) Shri Mangat Ram s/o Shri Tarlok Chand Jain, In Lohgarh Gate, Amritsar. (Transferee)

(3) As at S. No. 2 above and tenant(s), if any. [Person in occupation of the property].

(4) Any person interested in the property. [Person whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/2 share of property No. 48A & 48B, Kt. Sher Singh, Amritsar as mentioned in the Registered Deed No. 64 of April, 1975 of the Registering Authority, Amritsar.

V. R. SAGAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Amritsar.

Date : 29-11-1975,

Seal :

FORM ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 29th November 1975

Ref. No. KPL/195/75-76.—Whereas, I, V. R. SAGAR, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1/4th Kothi, situated at Kapurthala (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kapurthala in April, 1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition at the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :—

27—366GI/75

(1) Shri Surinder Nath s/o
R. B. Durga Dass r/o
Kapurthala GA of Shri Dapinder Nath.
(Transferor)

(2) Shri Jarnail Singh
s/o Shri Bagga Singh,
r/o Khanowal.
(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above and tenant(s), if any.
[Person in occupation of the property].

(4) Any person interested in the property.
[Person whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/4th Kothi as mentioned in the Registered Deed No. 217 of April, 1975 of the Registering Authority, Kapurthala.

V. R. SAGAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Amritsar.

Date : 29-11-1975.

Sgl :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 29th November 1975

Ref. No. KPL/196/75-76.—Whereas, I, V. R. SAGAR, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1/4th Kothi situated at Kapurthala, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kapurthala in April, 1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Surinder Nath s/o
R. B. Durga Dass r/o
Kapurthala GA of Shri Dapinder Nath.
(Transferor)

(2) Shri Major Singh,
s/o Shri Bagga Singh,
s/o Shri Harnam Singh,
r/o Khanowal.
(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above and tenant(s), if any.
[Person in occupation of the property].

(4) Any person interested in the property.
[Person whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/4th Kothi as mentioned in the Registered Deed No. 139 of April, 1975 of the Registering Authority, Kapurthala.

V. R. SAGAR,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Amritsar.

Date : 29-11-1975.
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 29th November 1975

Ref. No. PK1/197/75-76.—Whereas, I, V. R. SAGAR, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Property, situated at Sabzi Mandi Area, Dhangu Road, Pathankot, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Pathankot in April 1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated

in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion or the liability of the transferor to pay under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely :—

(1) Khwaja Abdul Ghani Khan
s/o Abdul Aziz Khan,
Timber Merchant, Pathankot
now r/o Anant Nag (J & K).

(Transferor)

(2) M/s. Babu Ram Nagar Mal,
Sabzi Maadi, Pathankot.

(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above and tenant(s), if any.
[Person in occupation of the property].

(4) Any person interested in the property.
[Person whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property in Sabzi Mandi area on Dhangu Road, Pathankot as mentioned in the Registered Deed No. 66 of April, 1975 of the Registering Authority, Pathankot.

V. R. SAGAR,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Amritsar.

Date : 29-11-1975.

Seal :

FORM ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 29th November 1975

Ref. No. FDK/198/75-76.—Whereas, I, V. R. SAGAR, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land, situated at Jalliana Road, Kot Kapura. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Faridkot in April 1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said Act' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :—

(1) Shri Gurbachan Singh s/o
Shri Natha Singh,
r/o V. Bulair Masta.

(Transferor)

(2) Smt. Padma Rani,
w/o Shri Vijay Kumar,
r/o Kot Kapura.

(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above and tenant(s), if any,
[Person in occupation of the property].

(4) Any person interested in the property,
[Person whom the undersigned knows to be inter-
ested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 219 of April, 1975 of the Registering Authority, Faridkot.

V. R. SAGAR,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Amritsar.

Date : 29-11-1975.
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 29th November 1975

Ref. No. FDK/199/75-76.—Whereas, I, V. R. SAGAR, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land, situated at Jalliana Road, Kot Kapura, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Faridkot in April 1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the 'said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Parmvir Singh,
Harjinder Singh,
r/o Kot Kapura.

(Transferor)

(2) Smt. Sita Rani,
w/o Shri Piare Lal,
r/o Kot Kapura.

(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above and tenant(s), if any.
[Person in occupation of the property].

(4) Any person interested in the property.
[Person whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 218 of April, 1975 of the Registering Authority, Faridkot.

V. R. SAGAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range,
Amritsar.

Date :29-11-1975.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 29th November 1975

Ref. No. MNS/200/75-76.—Whereas, I, V. R. SAGAR, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land, situated at Chakarian Road, Mansa. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mansa in April 1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this Notice under sub-section (1) of section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :—

(1) S/Shri Atma Singh, Sita Singh,
Harnek Singh s/o Shri Kehar Singh,
Narsi Singh s/o Bant Singh,
Goldsmith, r/o Mansa Kalan.

(Transferor)

(2) Shri Chiman Lal s/o
Shri Mohan Lal s/o Bachna Mal,
r/o Gurdwara Chowk, Mansa.
Shri Mukandi Lal s/o Shri Buti Ram
s/o Shri Mathra Dass
r/o Mansa.

(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above and tenant(s), if any.
[Person in occupation of the property].

(4) Any person interested in the property.
[Person whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deeds Nos. 133 and 134 of April, 1975 of the Registering Authority, Mansa.

V. R. SAGAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Amritsar.

Date: 29-11-1975.
Seal :

FORM ITNS—

(1) Smt. Lal Devi w/o
Shri Gujjar Mal Khanna
r/o Kishore House, Simla
through Shri Ram Lubhaya, GA.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Raghunath Sethi
s/o Shri Lal Chand Sethi,
Swank Mandi,
Amritsar.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

(3) As at S. No. 2 above and Shri Harbans Lal s/o Shri
Shvaditta Mal and Shri Ram Gopal s/o Shri Mani
Ram, Licencees.

[Person in occupation of the property]

Amritsar, the 29th November 1975

(4) Any person interested in the property.
[Person whom the undersigned knows
to be interested in the property].

Ref. No. ASR/201/75-76.—Whereas, I, V. R. SAGAR, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House No. 395/10-913/X-5 situated at Dhab Khatikan, Amritsar,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Amritsar in April, 1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated

in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons which ever period expires later;

(b) by any other person interested in the immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

House No. 395/10-913/X-5, Dhab Khatikan, Amritsar as mentioned in the Registered Deed No. 251 of April, 1975 of the Registering Authority, Amritsar.

V. R. SAGAR,

Competent Authority

Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range,

Amritsar.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :—

Date : 29-11-1975.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Smt. Punni Devi, wd/o Shri Arora Mul, S/o Chuni Lal, Samana Mandi, Samana, Distt. Patiala.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, 156, SECTOR 9-B, CHANDIGARH

Chandigarh, the 28th November 1975

Ref. No. SMN/1194/75-76.—Whereas, I, V. P. Minocha, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 57 situated at Samana Mandi, Samana, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in office of the registering officer at Samana in April, 1975,

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disposed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely:—

(1) Sarvashri
(i) Danesh Kumar, (ii) Suresh Kumar, Minors through Shri Jugal Kishore father and Natural guardian, Cloth merchants, Samana Mandi, Samana, Distt. Patiala.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:

(b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 57, Samana Mandi, Samana.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 9 of April, 1975 of the Registering Officer, Samana).

V. P. MINOCHA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Chandigarh

Date : 29-11-1975.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, 156, SECTOR 9-B, CHANDIGARH

Chandigarh, the 28th November 1975

Ref. No. MLK/10/75-76.—Whereas, I, V. P. Minocha,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition
Range, Chandigarh,being the competent authority under Section 269B of the
Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act') have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing No.Land, measuring 4 bighas, situated at Village Bagrian, Tehsil
Malerkotla,(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
Malerkotla in May, 1975.for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of—(a) facilitating the reduction or evasion of the lia-
bility of the transferor to pay tax under the
'said Act' in respect of any income arising from
the transfer; and/or(b) facilitating the concealment of any income or
any moneys or other assets which have not
been or which ought to be disclosed by the
transferee for the purposes of the Indian
Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said
Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the
said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition
of the aforesaid property by the issue of this notice
under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act'
to the following persons, namely :—

28—366GI/75

(1) Shri Bhai Ashok Singh, s/o Bhai Ardaman Singh,
General Manager, The Bagrian Cooperative
Farming Society, Bagrian, Tehsil Malerkotla,
District Sangrur.

(Transferor)

(2) Shri Chitbant Singh, s/o Shri Gamdur Singh,
Resident of Village Bagrian, Tehsil Malerkotla,
District Sangrur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are
defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

THE SCHEDULE

Land, measuring 4 bighas, situated in Village Bagrian,
Tehsil Malerkotla, District Sangrur.

Khasra No. 1320/4-0

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 283
of May, 1975 of the Registering Officer, Malerkotla).

V. P. MINOCHA

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,

Acquisition Range, Chandigarh,

Date : 28-11-1975.

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, 156, SECTOR 9-B, CHANDIGARH

Chandigarh, the 28th November 1975

Ref. No. MLK/11/75-76.—Whereas, I, V. P. Minocha, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land measuring 12 bighas, situated at Village Bagrian, Tehsil Malerkotla, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Malerkotla in May, 1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :—

- (1) Bhai Ashok Singh s/o Bhai Ardaman Singh,
R/s Vill. Bagrian, Tehsil Malerkotla.
General Attorney of Smt. Baljit Kaur, w/o
Shri Kuldip Singh, Resident of Delhi. (Transferee)
- (2) Shri Harpal Singh, s/o Shri Gamdur Singh,
Resident of Village Bagrian, Tehsil, Malerkotla.
District Sangrur. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 4 bighas, situated in Village Bagrian, Tehsil Malerkotla, District Sangrur.

Khasra Nos. 1301/4-0, 1304/4-0, 1319/4-0.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 284 of May, 1975 of the Registering Officer, Malerkotla).

V. P. MINOCHA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Chandigarh

Date : 28-11-1975.
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, 156, SECTOR 9-B, CHANDIGARH

Chandigarh, the 28th November 1975

Ref. No. MLK/12/75-76.—Whereas, I. V. P. Minocha, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land, measuring 8 bighas, situated Village Bagrian, Tehsil Malerkotla, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Malerkotla in May, 1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Bhai Ashok Singh, s/o Bhai Ardaman Singh, General Manager, The Bagrian Cooperative Farming Society Ltd.; village Bagrian, Tehsil Malerkotla, District Sangrur. Road, Ahmedabad (Transferor)

(2) Shri Hari Singh, s/o Shri Kishan Singh, Resident of Village Bagrian, Tehsil Malerkotla, District Sangrur. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall, have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land, measuring 4 bighas, situated in Village Bagrian, Tehsil Malerkotla, District Sangrur.

Khasra Nos. 1306/4-0, 1307/4-0.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 286 of May, 1975 of the Registering Officer, Malerkotla.

V. P. MINOCHA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Chandigarh

Date : 28-11-1975.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Bhai Ashok Singh, s/o Bhai Ardaman Singh,
General Manager, The Bagrian Cooperative
Farming Society Ltd.; Village Bagrian, Tehsil
Malerkotla, District Sangrur.

(Transferor)

(2) Smt. Rajinder Kaur, d/o Shri Gurdur Singh,
Resident of Village Bagrian, Tehsil Malerkotla,
kotla, District Sangrur.

(Transfree)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, 156, SECTOR 9-B, CHANDIGARH

Chandigarh, the 28th November 1975

Ref. No. MLY/21/75-76.—Whereas, I, V. P. Minocha,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition
Range, Chandigarh.

being the competent authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe
that the immovable property, having a fair market value
exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land, measuring 8 bighas, situated at Village Bagrian, Tehsil
Malerkotla,

(and more fully described in the Schedule annexed
hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the
Malerkotla in May, 1975.

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons which-
ever period expires later;

(b) by any other person interested in the said
immovable property, within 45 days from the
date of the publication of this notice in the
Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used
herein as are defined in Chapter
XXA of the said Act, shall have the same
meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land, measuring 8 bighas, situated in Village Bagrian,
Tehsil Malerkotla, District Sangrur.

Khasra Nos. 1316/4-0, 1317/4-0.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 654
of May, 1975 of the Registering Officer, Malerkotla).

V. P. MINOCHA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Chandigarh.

Date : 28-11-1975.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Bhai Ashok Singh, s/o Bhai Ardaman Singh,
R/o Vill. Bagrian
General Attorney of Smt. Baljit Kaur w/o
Shri Kuldip Singh, Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Gamdur Singh s/o Shri Hari Singh,
Resident of Village Bagrian, Tehsil Malerkotla.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
ACQUISITION RANGE, 156, SECTOR 9-B, CHANDIGARH

Chandigarh, the 28th November 1975

Ref. No. MKL/22/75-76.—Whereas, I. V. P. Minocha,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition
Range, Chandigarh,

being the competent authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing No.

Land measuring 12 bighas, situated at Village Bagrian, Tehsil
Malerkotla,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
Malerkotla in May, 1975.

for an apparent

consideration which is less than the fair market value of
the aforesaid property and I have reason to believe that the
fair market value of the property as aforesaid exceeds the
apparent consideration therefor by more than fifteen per cent
of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or
any moneys or other assets which have not
been or which ought to be disclosed by the
transferee for the purposes of the Indian Income-tax
Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act or the
Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under
sub-section (1) of section 269D of the said Act to the fol-
lowing persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said prop-
erty may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of
30 days from the service of notice on the res-
pective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said,
immovable property, within 45 days from the
date of the publication of this notice in the
official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 12 bighas, situated in Village Bagrian,
Tehsil Malerkotla, District Sangrur.
Khasra No. 1302/4-0, 1303/4-0, 1322/4-0.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 655
of May, 1975 of the Registering Officer, Malerkotla).

V. P. MINOCHA

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Chandigarh.

Date : 28-11-1975.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, 156, SECTOR 9-B, CHANDIGARH

Chandigarh, the 28th November 1975

Ref. No. MLK/26/75-76.—Whereas, I, V. P. Minocha, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land, measuring 8 bighas, situated at Village Bagrian, Tehsil Malerkotla,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Office at Malerkotla in May, 1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

(1) Bhai Ashok Singh, s/o Bhai Ardaman Singh,
R/o Vill. Bagrian
General Attorney of Smt. Baljit Kaur w/o
Shri Kuldip Singh, Resident of Delhi. (Transferor)

(2) Shri Chitbant Singh, s/o Shri Gamdur Singh,
Resident of Village Bagrian, Tehsil Malerkotla,
District Sangrur. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land, measuring 4 bighas, situated in Village Bagrian, Tehsil Malerkotla, District Sangrur.
Khasra No. 1321/4-0, 1323/4-0.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 703 of May, 1975 of the Registering Officer, Malerkotla).

V. P. MINOCHA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Chandigarh.

Date : 28-11-1975.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, 156, SECTOR 9-B, CHANDIGARH

Chandigarh, the 28th November 1975

Ref. No. MLK/27/75-76.—Whereas, I, V. P. Minocha, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land measuring 12 bighas, situated at Village Bagrian, Tehsil Malerkotla (and more fully

described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Malerkotla in May, 1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the 'said Act' or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Bhaj Ashok Singh, s/o Bhaj Ardaman Singh, General Manager, The Bagrian Cooperative Farming Society Bagrian, Tehsil Malerkotla District Sangrur.

(Transferor)

(2) Smt. Amar Kaur, w/o Shri Gamdur Singh, Resident of Village Bagrian, Tehsil Malerkotla, District Sangrur.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land, measuring 12 bighas, situated in Village Bagrian, Tehsil Malerkotla, District Sangrur.

Khasra No. 1300/4-0, 1305/4-0, 1318/4-0.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 704 of May, 1975 of the Registering Officer, Malerkotla).

V. P. MINOCHA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Chandigarh

Date : 28-11-1975.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Smt. Sarla Khanna, w/o Shri S. P. Khanna,
Resident of 3-Tal Katora Road,
New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Darshan Lal Lamba, s/o
Shri Ralla Ram Lamba,
Resident of House No. 604, Block No. V, Santpura,
Model Town, Yamunanagar.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, 156, SECTOR 9-B, CHANDIGARH

Chandigarh, the 28th November 1975

Ref. No. JDR/14/75-76.—Whereas, I, V. P. Minocha, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House No. 604, Block No. V, Santpura, Guddwara Road, Model Town, situated at Yamunanagar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jagadhri in May, 1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The term and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

House No. 604, Block No. V, Santpura, Gurdwara Road,
Model Town, Yamunanagar.

V. P. MINOCHA

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Chandigarh.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :

Date : 28-11-1975.
Seal :

FROM ITNS

(1) Smt. Sarla Khanna, w/o Shri S. P. Khanna,
Resident of 3-Tal Katora Road,
New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE, 156, SECTOR 9-B, CHANDIGARH

Chandigarh, the 28th November 1975

Ref. No. JDR/15/75-76.—Whereas, I, V. P. Minocha, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing House No. 603, Block No. V, Santpura, Model Town, situated at Yamunanagar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Jagadhri in May, 1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :—
29—366G1/75

- (1) 1. Shri Ashok Kumar, 2. Shri Vinod Kumar, sons of Darshan Lal Lamba, Residents of House No. 603, Block No. V, Santpura, Gurdwara Road, Yamunanagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 603, Block No. V, Santpura, Model Town, Yamunanagar.

V. P. MINOCHA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Chandigarh

Date : 28-11-1975.

Seal :

FORM I.T.N.S. _____

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, 156, SECTOR 9-B, CHANDIGARH

Chandigarh, the 28th November 1975

Ref. No. LDH/C/57/75-76.—Whereas, I, V. P. Minocha, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the competent authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing 1/2 share in Plot No. 171-I, Sarabha Nagar, situated at Ludhiana, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in May, 1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely:—

- (1) Shri Bahadur Singh, s/o Shri Kundan Singh, Village, Shanker, Tehsil and Distt. Jullundur.
(Transferor)
- (2) Sarvashri
(i) Kishan Chand s/o Jai Ram Dass (ii) Vipin Kumar, (iii) Kanwal Kumar, sons of Kishan Chand.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/2 share in Plot No. 171-I, Sarabha Nagar, Ludhiana.

V. P. MINOCHA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Chandigarh.

Date : 28-11-1975.
Seal :

FORM ITNS—

- (1) Shri Ghamdur Singh, s/o Shri Bhagwan Singh,
Village Narangwal, Tehsil Ludhiana.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE
156, SECTOR 9-B, CHANDIGARH

Chandigarh, the 28th November 1975

Ref. No. LDH/C/58/75-76.—Whereas, I, V. P. Minocha,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisi-
tion Range, Chandigarh,

being the competent authority under Section 269B of the
Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing No.

1/2 share in Plot No. 171-I Sarabha Nagar situated at
Ludhiana,

(and more fully described in the Schedule
annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908)

in the office of the Registering Officer at
Ludhiana in May, 1975,

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and
I have reason to believe that the fair market value of the
property as aforesaid

exceeds the apparent consideration therefor by more than fif-
teen per cent of such apparent consideration and that the con-
sideration for such transfer as agreed to between the parties
has not been truly stated in the said instrument of transfer
with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the 'said Act' in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or
any moneys or other assets which have not
been or which ought to be disclosed by the
transferee for the purposes of the Indian
Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the
'said Act' or the Wealth-tax, Act 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said
Act' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section
(1) of section 269D of the 'said Act' to the following persons,
namely :—

- (2) Sarvashri
(i) Kishan Chand, s/o Jai Ram Dass.
(ii) Vipin Kumar, (iii) Kanwal Kumar, sons of
Kishan Chand,
Residents of 74-D, Sarabha Nagar, Ludhiana.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein
as are defined in Chapter XXA of the
said Act, shall have the same meaning as
given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/2 share in Plot No. 171-I, Sarabha Nagar Ludhiana.

V. P. MINOCHA

Competent Authority

Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Chandigarh.

Date : 28-11-1975.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 22nd November 1975

Ref. No. Acq. File No. 269 J. Nos. 15, 16, 17, & 18/WG/75-76.—Whereas, I. B. V. SUBBA RAO, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Door No. 34-37 Sri Venkateswara Talkies, Tanuku, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Tanuku on 30-4-75, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :—

1. (1) Sri Nallajarla Narayana Rao, S/o Venkanna, Tanuku.
- (2) Sri Nallajarla Ranga Rao, S/o Narayana Rao, Tanuku.
- (3) Sri N. V. Satyanarayana Rao, Tanuku.
- (4) Sri N. Kumaraswamy, S/o. Narayana Rao, Tanuku.

(Transferor)

- (2) Sri Akula Bulli Abbai, S/o. Bhimanna, Tanuku.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per document Nos. 751/75, 752/75, 753/75 and 754/75 of the SRO, Tanuku registered during the fortnight 30th April, 1975.

B. V. SUBBA RAO,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax, Acquisition Range,
Kakinada.

Date : 22-11-1975.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Smt. Puppala Vijaya Laxmi,
Smt. Radhakrishnamma,
P. O. Chandurti Village.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Petula Harikrishna, Kakinada.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 20th November 1975

Ref. No. Acq. File No. 266/J. No.—Whereas, I, B. V. SUBBA RAO, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 491/1 & 491/2 situated at Dry Land 11-00 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Pratipadu on 15-4-75 consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer or to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'Said Act' to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property bearing No. 574/75 of the SRO, Prattipadu of East Godavari Dt.

B. V. SUBBA RAO,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax, Acquisition Range,
Kakinada.

Date : 20-11-1975.

Seal ;

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 20th November 1975

Ref. No. Acq. File No. 267/K.R. No. 18/75-76.—Whereas, I, B. V. SUBBA RAO, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 27-11-3, situated at Marry Street, Governopeta Vijayawada (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vijayawada on 30-4-75, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :—

- (1) 1. Pasumarthi Sitaramavadhanulu.
2. P. Subramanya Sastry.
3. P. Murali Krishna.
4. P. Prabakara Sastry.
5. P. Ramadhandurudu.
6. P. Venkateswara Prasad.
7. Venkateswara Swamy, Vijayawada.
(Transferor)

- (2) Smt. Pamidmukala Basava Purnamma.
W/o. Dr. P. Narasimha Rao, Kanoharapalam,
Visakhapatnam.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per document No. 1339/75 of the SRO, Vijayawada during the Fortnight 30-4-75.

B. V. SUBBA RAO,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax, Acquisition Range,
Kakinada.

Date : 20-11-1975.
Seal :

FORM ITNS—

- (1) (1) Sri Vadlamani Subramanyam and
(2) V. Madusudana Dutt, Sons of Sri V. V. Sub-
baraidu, Visakhapatnam.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (2) Sri Surikuchi Ramachandrudu and
Sri Surikuchi Subramanyam, Mukkamala.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Objections, if any, to the acquisition of the said prop-
erty may be made in writing to the undersigned—

Kakinada, the 20th November 1975

Ref. No. Acq. File No. 268/J. No. EG. ME 28/75-76.—
Whereas, I, B V. SUBBA RAO,
being the competent authority under Section
269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter
referred to as the 'said Act') have reason to believe that the
immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing
No. 26, 27/1, 27/2, 27/4, 54/4 and 54/5—Total Ac. 7-00
cents.
(and more fully described
in the Schedule annexed hereto) has been transferred
as per deed registered
under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer
at Ambajipeta on 15-5-75,
for an apparent consideration which is less than the fair mar-
ket value of the aforesaid property and I have reason to be-
lieve that the fair market
value of the property as aforesaid exceeds the apparent consi-
deration therefor by more than fifteen per cent of such appa-
rent consideration and that the consideration for such transfer
as agreed to between the parties
has not been truly stated in the said instrument of transfer
with the object of—

- (a) by any of the aforesaid persons within a
period of 45 days from the date of publication
of this notice in the Official Gazette or a
period of 30 days from the service of notice
on the respective persons, whichever period
expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used here-
in as are defined in Chapter XXA of
the said Act shall have the same mean-
ing as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act,
in respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income
or any moneys or other assets which have
not been or which ought to be disclosed by
the transferee for the purposes of the Indian
Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the
said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of
1957).

The schedule property bearing documents 348 & 349 of
1975 of the SRO, Ambajipeta registered during the fortnight
15-5-1975.

B. V. SUBBA RAO,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax, Acquisition Range,
Kakinada.

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the
said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of
the aforesaid property by the issue of this notice
under sub-section (1) of section 269D of the said Act to
the following persons, namely :—

Date: 20-11-1975

Seal :

FORM 1TNS

(1) Shri Chaman Lal Chaudhry, s/o Late Shri Girdhari Lal, 50, The Mall, Meerut Cantt.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Daulat Ram, B-I, 1371, Chhawani Mohalla, Ludhiana.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE
CHANDIGARH

Chandigarh, the 6th December 1975

Ref No. LDH/1327/75-76/ Whereas, I V. P. Minocha, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 1/4th share in property No. B-I/184, at Kailash Chowk, situated at Ludhiana,

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in March, 1975.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the 'Said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'Said Act', to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons which ever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/4th share in the property bearing No. B-I/184, Kailash Chowk, Ludhiana.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 10538 of March, 1975 of the Registering Officer, Ludhiana.)

V. P. MINOCHA

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Chandigarh

Date : 6.12.1975.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Chaman Lal Chaudhry, s/o Late Shri Girdhari Lal, 50, The Mall, Meerut cantt.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Surinder Kaur, w/o Shri Krishan Kumar, of M/s Rekha Lands, B-I/793, Chhawni, Mohalla, Ludhiana.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE CHANDIGARH

Chandigarh, the 6th December 1975

Ref No. LDH/1330/75-76.—Whereas, I V. P. Minocha, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1/4th share in property No. B-I/184, at Kailash Chowk, situated at Ludhiana, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in March, 1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

30—366GI/75

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/4th share in the property bearing No. B-I/184, Kailash Chowk, Ludhiana.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 10538 of March, 1975 of the Registering Officer, Ludhiana.)

V. P. MINOCHA

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Chandigarh

Date : 6.12.1975.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Vazhuvalli Oommen Michael
(Transferor)NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Dhulasi Co. op. Housing Society Ltd.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE
BOMBAY

Bombay, the 25th November 1975

Ref AR, V/307/75-76.—Whereas, I, J. M. Mehra, the Inspecting Asst. Commissioner of Income Tax, Acquisition Range V Bombay, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 142 Hissa No. 1 (part) situated at Nahur (Mulund) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 2.4.1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece or parcel of land or ground situate lying and being at Nahur (Mulund) in the Registration Sub-District of Bandra, Bombay City and Bombay Suburban District containing by admeasurement of 1243 sq. yds. i.e. 1039.309 sq. metres or thereabouts being Plot No. 9 and being Survey No. 142 Hissa No. 1 (part) being City survey No. 669 and bounded as follows: that is to say on or towards the North by Sub-divided Plot No. 6 on or towards the south partly by sub-divided Plot No. 4 and partly by Sub-divided Plot No. 5 on or towards the west by sub-divided Plot No. 3 and on or towards the east by recreation space.

J. M. MEHRA
Competent Authority,
Inspecting Assistant
Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-V, Chandigarh.

Date : 25-11-1975

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Crecencio Anthony Francis Gonsalves alias
Gracious Gonsalves & Others.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Mahim Land Mark Co-operative Housing Society
Ltd.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objection, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY-400002.(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

Bombay-400002, the 27th November 1975

Ref. No. ARI/1172-13/April 75.—Whereas, I, V. R. AMIN,
the Inspecting Asstt. Commissioner of Income Tax, Acquisition
Range-I, Bombaybeing the competent authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearingNo. Final Plot 423 of TPS-III, Mahim, situated at Mahim
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Regis-
tration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Register-
ing Officer at

Bombay on 15-4-1975

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said instru-
ment of transfer with the object of :—(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer; and/
or(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957);Now therefore, in pursuance of section 269C, of the said
Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section
(1) of section 269D of the said Act, to the following persons,
namely :—EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXXA of the 'Said Act'
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

THE SCHEDULE

All the piece or parcel of freehold land or ground situate
at Mahim in the Registration Sub District of Mahim, Bombay,
bearing Final Plot No. 423 of Town Planning Scheme No.
III, Mahim, admeasuring 2,249 sq. yards or thereabouts,
equivalent to 1880.5 sq. metres or thereabouts and bounded
as follows : That is to say on or towards the North by
Final Plot No. 424 or 424A, on or before the South by Final
Plot No. on or towards the East by Tulsi Pipe Road (now
known as Senapati Bapat Marg) and on or towards the West
by Final Plot No. 424.

V. R. AMIN

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Bombay

Date : 27th November, 1975.

Seal :

FORM ITNS ———

(1) Shri Shantikumar Chiranjilal Layalka & Liladevi Shantikumar Loyalka.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sharma Estate & Builders (P) Ltd.

(Transferee)

(3) Tenants.

(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY-400002.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Bombay-400002, the 27th November 1975

Ref. No. ARI/1173-14/April 75.—Whereas, I, V. R. AMIN, the Inspecting Asst. Commissioner of Income Tax, Acquisition Range-I, Bombay

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Nos. S.C.S. 392 & 1/392 of Malabar and Cumballa Hill Division situated at Siri Road

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 15-4-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property situate at SIRI Road, Bombay, admeasuring about 1363, bearing parts CS.Nos. 392 & 1/392 of Malabar & Cumballa Hill Division, floor space index in respect of the property situate on the South west side of Siri Road in Bombay admeasuring 582 sq.mts. and bearing parts of C.S.Nos. 392 & 1/392 of Malabar and Cumballa Hill Division.

V. R. AMIN

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-I, Bombay

Date: 27th November, 1975.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Usha Arunrao Supanekar & Ors.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Bhadra & Associates.

(Transferee)

(3) Tenants.

(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY-400002.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Bombay-400002, the 27th November 1975

Ref. No. ARI/1168-9/April 75.—Whereas, I, V. R. AMIN, the Inspecting Asst. Commissioner of Income Tax, Acquisition Range-I, Bombay being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. C.S. 1120 Matunga Division situated at Plot No. 153 of Dadar-Matunga Estate (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 15-4-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later,

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

C.S.No. 1120 Matunga Division. Plot No. 153 of Dadar Matunga Estate of the Municipal Corporation admeasuring 605 sq. yds. along with building thereon consisting of ground floor and two floors.

V. R. AMIN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,
Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 27th November, 1975.

Seal :

FORM ITNS

(1) Dr. Gurcharan Singh Dugal & Ors.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Ramon & Demm Ltd. & Ors.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) Occupants.

(Person in occupation of the property)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY-400002.

Bombay-400002, the 27th November 1975

Ref. No. ARI/1161-2/April 75.—Whereas, I, V. R. AMIN, the Inspecting Asst. Commissioner of Income Tax, Acquisition Range-I, Bombay being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

C.S.1605 of Fort Division situated at 17B Dinshaw Vachha Road Backbay Reclamation (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 2-4-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

ALL THAT piece or parcel of land known as Plot No. 169 in Block II of parcels of the Backbay Reclamation Estate of the Government of Maharashtra of leasehold tenure with the messuages, tenement or dwelling house standing thereon known as Dugal House situate lying and being at 17B, Dinshaw Vachha Road, on the Backbay Reclamation in the Registration Sub-District of Bombay in the Island of Bombay, containing by admeasurement 2050 sq.yds. equal to 1714 sq. metres or thereabouts and registered in the books of the Collector of Bombay, under Rent Roll No. 10200 and bearing Cadastral Survey No. 1605 of Fort Division, and in the Books of the Assessor and Collector of Municipal Rates & Taxes under A Ward No. A-1315(92A) and Street No. 17B and bounded as follows: that is to say, on or towards the East by plot No. 168 of Bombay Reclamation Estate, on or towards the West by Plot No. 170 of Backbay Reclamation Estate, on or towards the North by Plot No. 122 of Backbay Reclamation Estate, and on or towards the South by fifty feet road.

V. R. AMIN

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Bombay

Date: 27th November, 1975.

Seal:

FORM ITNS.—

(1) Ruby Construction Company

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Kiran Jain.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Calcutta, the 22nd November 1975

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. TR-5/C-5/CAL-1/75-76.—Whereas, I, S. K. Chakravarty, being the competent authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 75C (Unit No. 4A), situated at Park Street, Calcutta, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at 5, Govt. Place North, Calcutta, on 25-4-75, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Unit No. 4A, on 4th floor at premises No. 75C Park Street, Calcutta.

S. K. CHAKRAVARTY
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income Tax,
Acquisition Range-I, 54, Rafi Ahmed
Kidwai Road, Calcutta.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 22-11-75.

Seal :

